वर्ष-07 - अंक 292
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
बुधवार, 29 जुलाई 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

खाद्य प्रसंस्करण में बढ़ा निवेश युवा-महिला उद्यमियों का 3
अमेठी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान बना स्वावलंबन का 4
बारिश के पानी में भीगनाः क्या यह नुकसान कर सकता है................ 11

पेपर लीक संशोधन विधेयक पर लोकसभा में तीखी बहस

प्रियंका गांधी बोलीं- 'पीएम कैमरे का नहीं, दिल का एंगल बदलें ', सुप्रिया सुले ने शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विपक्षी सांसदों ने सरकार पर परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित बनाने में विफल रहने का आरोप लगाया, जबकि सत्ता पक्ष ने विपक्ष के आरोपों को निराधार बताते हुए उन्हें राजनीतिक बयानबाजी करार दिया। कई बार हंगामे की स्थिति बनी, जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हस्तक्षेप करना पड़ा और उन्होंने सदस्यों से चर्चा को केवल विधेयक तक सीमित रखने की अपील की।

सुप्रिया सुले ने कहा- यह राजनीति नहीं, छात्रों के भविष्य का सवाल

एनसीपी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक बहस का विषय नहीं, बल्कि देश के करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था में जनता के विश्वास से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में सार्वजनिक परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक रोकने के लिए कानून बनाया गया था, लेकिन उसके प्रभावी क्रियान्वयन में कमी रही, जिसके कारण सरकार को अब संशोधन लाना पड़ रहा है। उन्होंने हाल के छात्र आंदोलनों का उल्लेख करते हुए कहा कि छात्रों और अभिभावकों में गहरा असंतोष है। सुले ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली, परीक्षा प्रणाली और कोचिंग संस्थानों के बढ़ते प्रभाव पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पेपर लीक की घटनाओं की निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई ही छात्रों का भरोसा बहाल कर सकती है। सुप्रिया सुले ने सुझाव दिया कि सरकार सभी राजनीतिक दलों की बैठक बुलाए तथा संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन कर व्यापक चर्चा के बाद ऐसी व्यवस्था तैयार करे, जिससे भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सहयोगी है।

प्रियंका गांधी का सरकार पर तीखा हमला

चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जिस कानून को वर्ष 2024 में बड़े दावों के साथ लागू किया गया था, उसके बावजूद अब तक पेपर लीक के किसी बड़े आरोपी को सजा नहीं मिल सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों की पहचान सार्वजनिक की जा रही है, लेकिन कथित तौर पर पेपर लीक के जिम्मेदार लोगों के नाम सामने नहीं लाए जा रहे। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार को केवल नई समितियां बनाने के बजाय शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार करना चाहिए। उन्होंने राधाकृष्णन समिति की संरचना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उसमें ऐसे लोगों को शामिल किया गया जिनका शिक्षा क्षेत्र से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि केवल अलग-अलग कैमरा एंगल से वीडियो बनाकर नई पीढ़ी को प्रभावित नहीं किया जा सकता, बल्कि जरूरत है कि 'कैमरे का नहीं, दिल का एंगल बदला जाए।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई ने सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाया है और सरकार को युवाओं की आवाज सुननी चाहिए। प्रियंका गांधी ने हाल के छात्र आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि वह घायल छात्रों से मिलने राम मनोहर लोहिया अस्पताल गई थीं। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग की आवश्यकता क्यों पड़ी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर भी जवाब मांगा और कहा कि देश के छात्र, अभिभावक और शिक्षक इस मामले में पारदर्शिता चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार जनता की सेवक होती है और युवाओं के लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए। बहस के दौरान प्रियंका गांधी ने नए शिक्षा मंत्री को लेकर एक विवादित टिप्पणी की, जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिना प्रमाण के किसी मंत्री के चरित्र पर टिप्पणी करना उचित नहीं है और ऐसे बयान को सदन की कार्यवाही से हटाया जाना चाहिए।

असम में बाढ़ का कहर बरकरार पीएम मोदी ने सांसदों संग की समीक्षा

नई दिल्ली/गुवाहाटी(एजेंसी)। असम में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। राज्य के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को असम के सांसदों के साथ बैठक कर बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया। वहीं, राज्य के अधिकांश विधायकों ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए अपने एक माह का वेतन दान करने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने असम के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर सांसदों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राहत एवं बचाव कार्यों में असम सरकार के साथ मिलकर पूरी गंभीरता से काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा और कुशलक्षेम की कामना करते हुए कहा कि केंद्र हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उधर, शिवसागर जिले के नौजान क्षेत्र सहित कई इलाकों में बाढ़ का पानी रिहायशी क्षेत्रों में घुस गया है। सैकड़ों घर जलमग्न हो गए हैं और सड़क संपर्क बाधित होने से लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित परिवारों के सामने भोजन, स्वच्छ पेयजल और आश्रय की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए रायजोर दल को छोड़कर राज्य के सभी विधायकों ने बाढ़ राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए अपने एक माह का वेतन दान करने का निर्णय लिया है। विधानसभा अध्यक्ष रणजीत कुमार दास ने घोषणा की कि वह स्वयं और उपाध्यक्ष हब्बे टेरोन अपना एक माह का वेतन राहत कोष में देंगे। उन्होंने यह भी बताया कि विधानसभा सचिवालय के सभी कर्मचारी भी पीड़ितों की सहायता के लिए अपने एक दिन का वेतन दान करेंगे। संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सभी विधायक भी एक माह का वेतन बाढ़ राहत कोष में देंगे। वहीं, राज्य में तृणमूल कांग्रेस के एकमात्र विधायक शेरमन अली अहमद ने भी अपने एक माह का वेतन दान करने की घोषणा की है। बाढ़ प्रभावित असम और नागालैंड में भारतीय वायुसेना का मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान लगातार जारी है। खराब मौसम और कठिन परिस्थितियों के बावजूद वायुसेना के हेलीकॉप्टर दुर्गम और जलमग्न क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। भारतीय वायुसेना के अनुसार, पिछले दस दिनों में हेलीकॉप्टरों के माध्यम से 458 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

अंतिम रिपोर्ट का मसौदा अक्तूबर में सुप्रीम कोर्ट को सौंपेगी सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच से जुड़ी अंतिम रिपोर्ट का मसौदा अक्तूबर के पहले सप्ताह में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय को यह जानकारी दी। सरकार ने बताया कि हादसे से जुड़े सभी आवश्यक सिमुलेशन परीक्षण पूरे हो चुके हैं और जांच अंतिम चरण में है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जांच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अंतिम मसौदा रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत के

समक्ष पेश की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को यह भी बताया कि याचिकाकर्ताओं की ओर से दिए गए सुझावों के अनुरूप चार सिमुलेशन परीक्षण पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स के पास कोई तकनीकी जानकारी या सुझाव है तो वह एएआईबी को उपलब्ध कराया जा सकता है। जांच एजेंसी आवश्यकता पड़ने पर उसका परीक्षण कर उचित कार्रवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट एक गैर-सरकारी संगठन, एक विधि छात्र तथा हादसे में जान गंवाने वाले पायलट के पिता द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। इन याचिकाओं में दुर्घटना की स्वतंत्र और न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 13 अक्तूबर की तारीख निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान एएआईबी की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि 12 जून, 2025 को हुए विमान हादसे से संबंधित कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा व वीडियो रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। एजेंसी ने कहा कि विमान दुर्घटना जांच से जुड़े नियमों के तहत इस तरह की सामग्री को किसी बाहरी समिति या आम जनता के साथ साझा करने पर पूर्ण वैधानिक प्रतिबंध है। ऐसा करना विमान (दुर्घटनाओं एवं घटनाओं की जांच) नियम, 2025 का उल्लंघन माना जाएगा। गौरतलब है कि एअर इंडिया की बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर फ्लाइट एआई-171 अहमदाबाद से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए रवाना हुई थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान का संचालन कैप्टन सुमीत सभरवाल और सह-पायलट कैप्टन क्लाइव कुंदर कर रहे थे। इस भीषण हादसे में कई लोगों की जान गई थी, जिनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे। अब इस बहुचर्चित मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सुनवाई और एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

भारतीय तटरक्षक बल में लैंगिक समानता की नई पहलः महिलाओं को मिलेगा पुरुषों के बराबर अवसर

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अधिकारियों की भर्ती और सेवा शर्तों से जुड़ी नई नीति लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत महिला अधिकारियों को अब शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट (एसएसए) और परमानेंट अपॉइंटमेंट (पीए) दोनों में पुरुषों के समान अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता होने वाले तटरक्षक कर्मियों के परिजनों को अनुग्रह राशि और अन्य सेवा लाभ जल्द उपलब्ध कराने के लिए प्रक्रिया भी सरल बना दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि नई नीति का उद्देश्य भारतीय तटरक्षक बल में 'लिंग-तटस्थ भर्ती व्यवस्था' लागू करना है, जिससे महिला और पुरुष उम्मीदवारों को समान अवसर मिल सकें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान इन दोनों महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। नई नीति के अनुसार, अब महिला उम्मीदवारों को शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट (एसएसए) और परमानेंट अपॉइंटमेंट (पीए) दोनों में पुरुष उम्मीदवारों के समान अवसर दिए जाएंगे। वहीं, शॉर्ट सर्विस अपॉइंटमेंट की व्यवस्था अब पुरुष उम्मीदवारों के लिए भी उपलब्ध रहेगी, जिससे भर्ती प्रक्रिया अधिक संतुलित और समान अवसर आधारित बन सकेगी।

संक्षिप्त ख़बरें

जापान में 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढही

टोक्यो। दक्षिणी जापान में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने व्यापक तबाही मचाई। भूकंप के तेज झटकों से कुमामोटो प्रांत और आसपास के इलाकों में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई, आग लगने की घटनाएं सामने आई और रेल सेवाएं प्रभावित हो गई। एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढहने से 50 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर अभियान चला रहे हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आया। इसका केंद्र कुमामोटो शहर से लगभग 20 किलोमीटर दक्षिण में और जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के तेज झटके पूरे क्यूशू द्वीप सहित आसपास के कई क्षेत्रों में महसूस किए गए, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुमामोटो प्रांत के काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा। भूकंप के दौरान मॉल की दूसरी मंजिल का एक हिस्सा अचानक ढह गया, जिससे वहां मौजूद कई लोग मलबे में फंस गए।

जौहर यूनिवर्सिटी ध्वस्तीकरण मामलाः अब तीन अगस्त को होगी सुनवाई

रामपुर। रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर अब तीन अगस्त को मंडलायुक्त एवं रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के अध्यक्ष की अदालत में सुनवाई होगी। इससे पहले न्यायालय ने अगली सुनवाई तक विश्वविद्यालय परिसर के खिलाफ किसी भी प्रकार की ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा रखी है। गौरतलब है कि रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के उपाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने 15 जुलाई को आदेश जारी करते हुए जौहर यूनिवर्सिटी परिसर में निर्मित 38 भवनों को बिना स्वीकृत मानचित्र के बनाया गया बताते हुए उनके ध्वस्तीकरण के निर्देश दिए थे। प्रशासन का कहना है कि संबंधित भवन विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के बिना निर्मित किए गए हैं, इसलिए नियमानुसार कार्रवाई की गई। प्रशासन के इस आदेश को जौहर यूनिवर्सिटी प्रबंधन और उसके ट्रस्ट की ओर से मंडलायुक्त एवं आरडीए अध्यक्ष आंजनेय कुमार सिंह की अदालत में चुनौती दी गई है। याचिका में ध्वस्तीकरण आदेश को निरस्त करने और विश्वविद्यालय के पक्ष को विस्तार से सुने जाने की मांग की गई है।

कांवड़ यात्राः 60 हजार कांस्टेबल, 5,500 दरोगा तैनात

लखनऊ(एजेंसी)। आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रदेशभर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 60 हजार से अधिक कांस्टेबल और करीब 5,500 उपनिरीक्षक (दरोगा) तैनात किए जाएंगे। इसके साथ ही आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) भी पूरी यात्रा के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों पर विशेष निगरानी रखेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) भानु भास्कर ने बताया कि इस बार कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ आम नागरिकों को होने वाली असुविधा को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी उद्देश्य से विस्तृत यातायात एडवाइजरी जारी की गई है, ताकि यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि यात्रा में ड्यूटी पर तैनात किए जा रहे सभी पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल, खुफिया तंत्र तथा एटीएस की निगरानी भी रहेगी। अधिकारियों को लगातार क्षेत्र भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम धामी ने दिए सख्त निर्देश, हेली सेवाओं को भी रखा जाए अलर्ट मोड पर

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अधिकांश जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किए जाने के बाद राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रबंधन तंत्र की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी आपदा या आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड में मौजूद

रहकर हालात की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन से प्रदेशभर की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बंद पड़े सड़क मार्गों, नदियों के जलस्तर, जलभराव वाले क्षेत्रों, राहत एवं बचाव कार्यों और जिला प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में पहले से आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री धामी ने निर्देश दिए कि राज्य में संचालित हेली सेवाओं को भी अलर्ट मोड पर रखा जाए। यदि किसी दुर्गम या आपदा प्रभावित क्षेत्र में राहत सामग्री पहुंचाने अथवा लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की आवश्यकता पड़े तो हेलीकॉप्टरों के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में समय पर प्रतिक्रिया देना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में भारी बारिश, भूस्खलन या सड़क बाधित होने की आशंका हो, वहां यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका जाए। मौसम और मार्ग की स्थिति सामान्य होने के बाद ही उन्हें आगे यात्रा की अनुमति दी जाए। साथ ही यात्रियों को समय-समय पर मौसम और मार्ग की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए।

छह इनामी समेत 16 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

रांची(एजेंसी)। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मंगलवार को प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन से जुड़े 16 नक्सलियों ने रांची में झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। आत्मसमर्पण करने वालों में छह इनामी नक्सली शामिल हैं, जिन पर कुल 39 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस समूह में पांच महिला नक्सली भी शामिल हैं। पुलिस ने इसे राज्य में नक्सल उन्मूलन अभियान की बड़ी उपलब्धि बताया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में संगठन का एक रीजनल कमेटी सदस्य, एक जोनल कमेटी सदस्य, दो सब-जोनल कमेटी सदस्य और दो एरिया कमेटी सदस्य शामिल हैं। लंबे समय से सक्रिय इन नक्सलियों के आत्मसमर्पण से संगठन की

गतिविधियों और नेटवर्क को बड़ा झटका लगने की उम्मीद जताई जा रही है। आत्मसमर्पण करने वालों में सबसे प्रमुख नाम संतोष महतो उर्फ बसुदेव दा उर्फ दिलीप का है। वह प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) का रीजनल कमेटी सदस्य था और उसके सिर पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, संतोष महतो 128 आपराधिक मामलों में वांछित था और कई बड़ी नक्सली घटनाओं में उसकी भूमिका सामने आई थी। पुलिस ने बताया कि वह एक मार्च को मनोहरपुर, छोटानगर और झारियाकेला थाना क्षेत्रों की सीमा से लगे जंगल में हुए आईईडी विस्फोट का भी आरोपी है। इस विस्फोट में कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हो गया था। सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थीं। आत्मसमर्पण करने वालों में जोनल कमेटी सदस्य चंदन लोहरा भी शामिल है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 78 आपराधिक मामले दर्ज हैं और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चंदन लोहरा लंबे समय से संगठन की गतिविधियों का प्रमुख संचालक रहा है। उसके मुख्यधारा में लौटने से नक्सली संगठन की सक्रियता पर प्रभाव पड़ेगा। आत्मसमर्पण के दौरान नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष बड़ी मात्रा में आधुनिक हथियार और गोला-बारूद भी जमा कराया। बरामद हथियारों में दो एके-47 राइफल, छह इंसास राइफल, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि इन हथियारों का इस्तेमाल कई नक्सली वारदातों में किया गया हो सकता है, जिसकी जांच की जाएगी। झारखंड पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों से पूछताछ की जा रही है ताकि संगठन की गतिविधियों, हथियारों के नेटवर्क और सक्रिय सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके। पूछताछ के बाद उन्हें राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत आवश्यक सहायता, प्रशिक्षण और पुनर्वास की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, जिससे वे सामान्य जीवन जी सकें।

स्वाति मालीवाल का केजरीवाल पर हमला, पंजाब के पेपर लीक मामलों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को पंजाब में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और उसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में पंजाब में छह बड़े पेपर लीक हुए, लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने चुप्पी साध रखी है। मालीवाल ने दावा किया कि पंजाब में विभिन्न भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान कई बार प्रश्नपत्र लीक होने और नकल की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में 19 जुलाई को आयोजित फार्मेसी परीक्षा में भी बड़े पैमाने पर नकल हुई, जिससे परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक केवल परीक्षा व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास और भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। उनके अनुसार, यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर लोगों का भरोसा कमजोर होगा। स्वाति मालीवाल ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि सीजेपी, आम आदमी पार्टी की 'बी टीम' के रूप में काम कर रही है। मालीवाल ने आरोप लगाया कि इस संगठन का गठन आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों ने किया और इसके लिए आर्थिक सहयोग भी वहीं से मिला।

संक्षिप्त खबरें

झूठा शपथ पत्र देकर अपने नाम करा लिया पुश्तैनी जमीन

बस्ती। बस्ती सदर तहसील क्षेत्र के ओठघनपुर निवासी अकबर अली पुत्र अमानुल्लाह ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर विपक्षी द्वारा तत्यों को छिपाकर गलत शपथ पत्र के माध्यम से पुश्तैनी जमीन पर अपना नाम दर्ज कराने के मामले मे आदेश निरस्त करते हुये दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग किया है। शिकायतकर्ता अकबर अली का कहना है कि वे तीन भाई है, लियाकत अली, बरकत अली और वे स्वयं। उनके चाचा सानुल्लाह की 1983-84 मे मौत हो गई। उनके तीन पुत्रों नूर आलम, बदरे आलम और सदरे आलम मे सदरे आलम ने अपनी सम्पत्ति वसीयत के जरिये अमानुल्लाह के नाम कर दी। 2008 मे अमानुल्लाह की भी मौत हो गई। अप्रैल 2004 मे सदरे आलम के शेष दो भाइयों नूर आलम और बदरे आलम ने एक समझौते के तहत कहा कि उनको सम्पत्ति मामले मे कोई केस नही है दूसरी ओर इस समझौते के करीब 22 साल बाद बन्दोबस्त अधिकारी के यहां झूठा शपथ पत्र देकर उन्हे गुमराह करते हुये सम्बन्धित जमीनों पर अपना नाम दर्ज कराने का आदेश पारित करवा लिया। शिकायतकर्ता ने इसकी निगरानी दाखिल किया है जो अब तक विचाराधीन है। मुकदमे से तंग आ चुके हैं, आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण संकट गहराता जा रहा है। उन्होने मांग किया है कि सम्बन्धित आदेश निरस्त कराते हुये दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

गैस एजेंसी पर गंभीर आरोप, शिकायत निस्तारण रिपोर्ट को उपभोक्ता ने बताया भ्रामक

बलरामपुर। गैस उपभोक्ता राजेश कुमार ने गैस एजेंसी और शिकायत निस्तारण प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनकी शिकायत का वास्तविक समाधान किए बिना भ्रामक रिपोर्ट लगाकर मामले का निस्तारण दिखा दिया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्हें किसी भी प्रकार से गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया गया। आरोप है कि एजेंसी पर बुलाकर उनसे कहा गया कि दूसरा सिलेंडर तभी मिलेगा, जब दोबारा भुगतान किया जाएगा। जबकि वह पहले ही ऑनलाइन भुगतान कर चुके थे। इसके बावजूद उनका सिलेंडर ब्लॉक कर दिया गया। राजेश कुमार का कहना है कि सिलेंडर ब्लॉक किए जाने का ओटीपी उनके व्हाट्सएप पर प्राप्त हुआ था, जिसका स्क्रीनशॉट भी उनके पास सुरक्षित है। उनका दावा है कि यह स्क्रीनशॉट संबंधित सप्लाई इंस्पेक्टर कार्यालय से जुड़े व्यक्ति को भी भेजा गया, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई और केवल औपचारिकता पूरी करते हुए रिपोर्ट लगा दी गई। शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि एजेंसी द्वारा सिलेंडर ब्लॉक करने का गलत तरीका अपनाया जा रहा है, जिसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। इस संबंध में सप्लाई इंस्पेक्टर ने बताया कि शिकायत की जांच कराई जा रही है। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या दोषी पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

14 घंटे में चोरी का खुलासा, ब्लोवर फैन के साथ आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। नगर कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना का मात्र 14 घंटे के भीतर सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गया ब्लोवर फैन बरामद किया है। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आरोपी को न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को धर्मपुर विशुनीपुर निवासी अशोक कुमार मौर्य ने तहरीर देकर बताया था कि उनकी दुकान के सामने रखा अल्टीनेटर और ब्लोवर फैन अज्ञात चोर चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के आधार पर नगर कोतवाली में मुकदमा संख्या 184/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मंगलवार को सागर होटल के आगे फुलवरिया बाईपास रोड से आरोपी लवकुश कुमार चतुर्वेदी (25 वर्ष) निवासी कठौवा, थाना इटियाथोक, जनपद गोंडा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया एक ब्लोवर फैन बरामद किया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक आनंद कुमार, हेड कांस्टेबल शिवपाल शर्मा, हेड कांस्टेबल अरविंद जायसवाल एवं कांस्टेबल शत्रुघ्न की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जीएसटी विसंगतियों को लेकर व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

सरकार व्यापारियों की समस्याओं पर ध्यान दें अन्यथा बड़ा आंदोलन हो सकता है व्यापारी वर्ग जीएसटी से परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, उत्तर प्रदेश की बस्ती इकाई ने प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष बस्ती मंडल हरि मूर्ति सिंह मनोज के नेतृत्व में जीएसटी व्यवस्था में व्याप्त विसंगतियों एवं व्यापारियों की समस्याओं को लेकर राज्य कर आयुक्त उपेंद्र यादव के माध्यम से भारत सरकार की वित्त मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मांगों का शीघ्र समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। ज्ञापन में कहा गया कि जीएसटी विभाग के कुछ अधिकारी तकनीकी त्रुटियों एवं मानवीय भूलों को आधार बनाकर व्यापारियों पर अनावश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। पर्याप्त कर जमा होने के बावजूद जुर्माना लगाने से व्यापारियों का उत्पीड़न हो रहा है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष बस्ती मंडल हरि मूर्ति सिंह मनोज ने कहा कि सचल दलों का उद्देश्य कर चोरी रोकना है, न कि ईमानदारी से कर जमा करने वाले व्यापारियों को छोटी-छोटी कमियों के आधार पर परेशान करना। उन्होंने ऐसी कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। जिला संगठन महामंत्री भरत राम अग्रहरी (बबलू) ने कहा कि 40 लाख रुपये तक के वार्षिक कारोबार वाले व्यापारियों को जीएसटी पंजीकरण से छूट होने के बावजूद विभागीय अधिकारी छोटे व्यापारियों पर पंजीकरण कराने का दबाव बना रहे हैं। युवा जिला अध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव ने एसआईबी जांच के दौरान जांच पूरी होने से पहले कर जमा कराने के दबाव को अनुचित बताया। नगर अध्यक्ष राणा महेंद्र प्रताप ने जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों के लिए 10 लाख के बीमा की मांग की। उद्योग मंच के जिला अध्यक्ष कमलेश चौधरी ने पंजीकृत व्यापारियों को डिजिटल कार्यों के लिए लैपटॉप एवं आवश्यक सॉफ्टवेयर निःशुल्क उपलब्ध कराने की मांग उठाई। जिला उपाध्यक्ष महेंद्र गुप्ता ने विलंब से जीएसटी भुगतान पर लगने वाले 18 प्रतिशत ब्याज को घटाकर 6 प्रतिशत करने की मांग की। युवा जिला महामंत्री सत्य प्रकाश दुबे ने जीएसटी अधिनियम में जेल की सजा समाप्त कर केवल आर्थिक दंड का प्रावधान रखने की बात कही। युवा जिला संगठन महामंत्री संजय सिंह ने तैयार तंबाकू एवं तंबाकू पत्ते पर

जीएसटी दरों की विषमता समाप्त करने की मांग की। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष वंदना वर्मा ने अतिरिक्त आईटीसी एवं जीएसटी रिफंड को रिटर्न दाखिल होने के बाद स्वतः व्यापारी के खाते में भेजने तथा विलंब होने पर ब्याज देने की मांग की। संगठन ने ट्रांसपोर्टरों द्वारा ई-वे बिल-2 जनरेट होने की स्थिति में डबल सेल मानकर कार्रवाई न करने, पैकिंग सामग्री पर आईटीसी का पूरा लाभ देने तथा जीएसटी व्यवस्था को सरल, पारदर्शी एवं व्यापार-अनुकूल बनाने की भी मांग की। ज्ञापन देने वालों में आकाश सोनी (जिला उपाध्यक्ष), अवधेश निषाद (नगर मंत्री), संजय गुप्ता (नगर संगठन मंत्री), सत्यम सिंह (जिला महामंत्री, उद्योग मंच), प्रवीण सिंह (मंत्री, बस्ती मंडल) सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

चलते रोडवेज बस में लगी भीषण आग, धू-धू कर जलकर बनी आग का गोला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जनपद बस्ती में मंगलवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब पटेल चौक के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-28 पर चल रही उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की रोडवेज बस (वाहन संख्या UP78LN1370) में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी बस आग के गोले में तब्दील हो गई। सड़क पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर यातायात प्रभारी कुलदीप त्रिपाठी अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए स्थानीय लोगों, पुलिसकर्मियों और अन्य कर्मचारियों के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। बस के परिचालक विनय त्रिवेदी और चालक ने भी सूझबूझ का परिचय देते हुए सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बस से बाहर निकाल लिया। पुलिस और स्थानीय लोगों की तत्परता के चलते बस में सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित बच गए और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और काफी

मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। आग के कारण कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन यातायात प्रभारी कुलदीप त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस ने तत्काल मार्ग को खाली कराकर यातायात को पुनः सुचारू कर दिया। वर्तमान में मार्ग पर आवागमन सामान्य है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। बस हालांकि आग की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। यातायात प्रभारी कुलदीप त्रिपाठी ने बताया कि समय पर पुलिस, चालक-परिचालक और स्थानीय लोगों की सक्रियता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने आमजन से अपील की कि ऐसी किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय प्रशासन और पुलिस का सहयोग करें। वहीं घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

पीएचडी मिलने पर बृजलाल यादव सम्मानित

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दी उपाधि, क्षेत्र में खुशी की लहर

लंभुआ। सुल्तानपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के शिक्षा संकाय विषय में पीएचडी उपाधि मिलने पर 30वें दीक्षांत समारोह में लंभुआ के बृजलाल यादव को राज्यपाल ने उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। जिससे क्षेत्र वासियों में खुशी की लहर है। लंभुआ तहसील क्षेत्र के मामपुर निवासी ज्ञानस्थली पब्लिक स्कूल के प्रबंधक बृजलाल यादव को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के शिक्षा संकाय विषय में पीएचडी की उपाधि मिलने पर तीसवें दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा उपाधि प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया। श्री यादव ने बताया कि यह मेरे लिए जीवनभर यादगार पल के रूप में रहेगा। ऐसे क्षण बमुश्किल से मिलते हैं। मैं युवाओं से यही कहना चाहता हूं कि अगर आप सही लक्ष्य रखकर और ईमानदारी से प्रयत्न करते हैं तो सफलता निश्चित मिलेगी। हर युवा में प्रतिभा छिपी रहती है बस जरूरत रहती है उसे निकालने की। सही ढंग से की गई परिश्रम कभी जाया नहीं जाती।

अपराध नियंत्रण को लेकर डीआईजी संजीव त्यागी सख्त, तीनों जिलों के एसपी को दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) संजीव त्यागी ने सोमवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय सभागार में बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर के पुलिस अधीक्षकों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के निस्तारण, साइबर अपराध की रोकथाम और विभिन्न अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई। डीआईजी ने सभी लंबित एवं आंशिक विवेचनाओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने गैंगस्टर एक्ट के आरोपियों, वांछित एवं पुरस्कार घोषित अपराधियों, जिला बदर तथा एनबीडब्ल्यू अभियुक्तों की शत-प्रतिशत गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही चोरी और वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में महिला अपराध, एससी/एसटी एक्ट, पॉक्सो एक्ट और गो-तस्करी से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई पर भी जोर दिया गया। डीआईजी ने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जनपद स्तर पर प्रभावी साइबर एक्शन प्लान लागू करने, अपराधियों के सत्यापन और बीट सूचनाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीसी टीएनएस, आईजीआरएस, एनसीआरबी, सीएम डैशबोर्ड, आईसीजेएस, एनएएफ आईएस, सीईआईआर सहित सभी महत्वपूर्ण पोर्टलों की नियमित मॉनिटरिंग और समय से फीडिंग सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा मुख्यमंत्री जनता दर्शन और अन्य शिकायत पोर्टलों पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

डीआईजी ने महिला अपहृताओं एवं गुमशुदा व्यक्तियों की बरामदगी, गैंगस्टर एक्ट एवं धारा-107 बीएनएसएस के तहत संपत्ति जब्तीकरण, बैंक खातों को लीन कराने, गुंडा एक्ट के तहत जिला बदर की कार्रवाई तथा वर्तमान में चल रहे अभियानों की भी समीक्षा की। उन्होंने आईटीएसएसओ पोर्टल पर 45

दिनों से अधिक लंबित मामलों, विभागीय जांच, मृतक आश्रित सेवायोजन और चिकित्सा प्रतिपूर्ति से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। कम्युनिटी पुलिसिंग को मजबूत बनाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों से संवाद स्थापित कर उनकी सूची तैयार करने तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ट्रैफिक एक्शन प्लान और मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए ड्रग्स एक्शन प्लान तैयार करने को कहा। बैठक में पुलिस अधीक्षक बस्ती डॉ. यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन, पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर संदीप कुमार मीना सहित परिक्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत जिलेभर में जागरूकता कार्यक्रम

नारी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर बलरामपुर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत जनपद के समस्त थानों में विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन को मजबूत करना रहा। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन एवं मिशन शक्ति नोडल प्रभारी अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय के नेतृत्व में गठित महिला सुरक्षा दलों ने स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों और ग्राम चौपालों में पहुंचकर महिलाओं व बालिकाओं से संवाद स्थापित किया। महिला बीट अधिकारियों द्वारा ग्राम चौपाल आयोजित कर महिलाओं की समस्याएं सुनी गईं और कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना महराजगंज तराई की पुलिस मुख्य आरक्षी तेरस राम यादव के साथ गुलहरिया गांव मदरसा आयशा सिद्धक लिलबनाथ मौला मेमोरियल पब्लिक स्कूल में महिलाओं एवं बालिकाओं को वूमेन पावर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-

1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा साइबर हेल्पलाइन-1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

साथ ही गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध (डिजिटल अरेस्ट), महिला अधिकारों एवं संबंधित कानूनी प्रावधानों पर जागरूकता हेतु सार्थक चर्चा की गई। शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पम्पलेट वितरित किए गए तथा थाना स्तर पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों के उद्देश्य, कार्यप्रणाली और उपलब्ध सेवाओं से भी अवगत कराया गया। बलरामपुर पुलिस ने स्पष्ट किया कि महिलाओं एवं बालिकाओं को भयमुक्त, सुरक्षित और स्वाभिमानी वातावरण प्रदान करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में ऐसे जागरूकता अभियान निरंतर जारी रहेंगे। मुख्य आरक्षी तेरस राम यादव, अराक्षी पवनेश कुमार महिला आरक्षी श्रेवता मद्धेशिया,नीतू यादव का विशेष योगदान रहा।

किसान संगठन की बैठक में प्रवीण मिश्रा बने तहसील महासचिव

लंभुआ। सुल्तानपुर किसान समस्याओं का निस्तारण न होने पर तहसील परिसर में एक बैठक आयोजित हुई और समस्याओं पर चर्चा करते हुए किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा तथा शीघ्र निस्तारण करने की मांग की तथा संगठन की बैठक में नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। मंगलवार को लंभुआ तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयता वादी गुट की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष गौरी शंकर पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें पूर्व में दिए गए मांग पत्र पर गहनता पूर्वक विचार विमर्श किया गया एवं संगठन विस्तार पर भी गहनता से विचार किया गया। किसान पदाधिकारियों द्वारा सर्व सहमति से प्रवीण मिश्रा को तहसील महासचिव, श्याम नारायण मिश्र को तहसील संगठन मंत्री,आनंद मिश्रा को ब्लॉक सचिव, जयशंकर दुबे को ब्लॉक संगठन मंत्री के पद पर नियुक्त किया गया। इसके उपरांत किसान पदाधिकारियों द्वारा किसान समस्याओं को लेकर जैसे अघोषित विद्युत कटौती, नहर में पानी न आने से से संबंधित मांग पत्र नारा एसडीएम प्रीति जैन को सौपा गया। बैठक में प्रदेश महासचिव रामकृपाल सिंह, तहसील उपाध्यक्ष अरविंद उपाध्याय, विष्णु शंकर मिश्रा, रमेश चंद्र दुबे, संजीव पांडे, सनी यादव, विशाल धुरिया, रामपाल पाल आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

कांवड़ यात्रा को लेकर खाद्य विभाग अलर्ट

200 से अधिक होटल-ढाबों की होगी जांच, मानक तोड़ने वालों पर कार्रवाई

उन्नाव। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले में विशेष जांच अभियान शुरू कर दिया है। विभाग की ओर से अगले एक माह में 200 से अधिक होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकानों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिलने पर संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सहायक आयुक्त (खाद्य) प्रियंका ने बताया कि कांवड़ यात्रियों को शुद्ध और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो हाईवे और प्रमुख मार्गों पर स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों की लगातार जांच करेंगी। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों पर विभाग का टोल-फ्री नंबर भी चस्पा कराया जा रहा है, ताकि उपभोक्ता अपनी शिकायत सीधे विभाग तक पहुंचा सकें। शिकायत मिलने पर जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम प्रधान शेर मोहम्मद ने गांव बेईली में बहा दिया विकास की गंगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केग्राम प्रधान शेर बहदुर यथा नाम तथा गुणे पूरी तरह से सत्यार्थ दिखाई पड़ रहा है गांव में हर सड़क सी सी रोड वा पक्की नाली आदि स्ट्रीट लाइट आदि की समुचित व्यवस्था धरातल पर दिखाई दे रही है कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर अफ़वाह फैला रहे है कि प्रधान ने बिना काम कराए भुगतान करा लिए है मनरेगा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर रहे है लेकिन हकीक़त कुछ और ही है मौके पर स्वतंत्रत प्रभात की टीम गांव में बिकास का निचोड़ लेने के लिए पहुंची तब पता चला कि जो सोशल मीडिया पर जो खबरें चल रही है पूरी तरह से निराधार वा निरर्थक है क्यो कि जिस साइड की खबर सोशल मीडिया पर चल रहा है वह साइड ग्राम पंचायत वाइली में आता भी नहीं वह साइड ही किसी और ग्राम पंचायत का है जिस साइड का जिक्र किया गया उस साइड पर लगातार काम चल रहा है मौके पर स्वतंत्रत प्रभात की टीम पहुंची तब काम चल रहा था और देखने

से पता चलता है कि पिछले कई दिनों से काम चल रहा है मजदूरों से भी बात हुई जो लगातार कई दिनों से काम कर रहे है इससे साबित होता है कि कुछ लोग केवल प्रधान से धन उगाही का बना लिया है पेशा ऐसी दशा में प्रधान कहा जाय क्यों कि जो ग्राम पंचायत में छवि धूमिल हो रही है उसका हर्जाना कौन भरेगा यह सोचने योग्य बात है क्या प्रधान धन उगाही का साधन बन चुका है ऐसे लोगों के साथ क्या किया जाय जो शासन प्रशासन को दे रहे है खुली चुनौती।

एसडीएम ने नरहरपुर के कोटेदार संजय कुमार को किया निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। तहसील हरैया के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) उमाकांत तिवारी ने ग्राम पंचायत नरहरपुर के उचित दर विक्रेता (कोटेदार) संजय कुमार का अनुबंध तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई राशन वितरण में अनियमितता, घटतौली, निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूले जाने तथा कार्डधारकों के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायतों के आधार पर की गई है। जानकारी के अनुसार, बीडीओ कप्तानगंज की जांच आख्या दिनांक 16 जुलाई 2026 में पाया गया कि कोटेदार द्वारा कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा से कम राशन वितरित किया जा रहा था। जांच के दौरान ग्रामीणों द्वारा घटतौली की शिकायत करने पर कोटेदार ने अमर्यादित टिप्पणी की और वितरण कार्य बीच में छोड़कर चला गया। इस संबंध में ग्रामीणों ने लिखित बयान भी दिए थे। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत नरहरपुर की सरिता ने 10 जुलाई 2026 को जिलाधिकारी बस्ती से शिकायत की थी कि उनके अंत्योदय राशन कार्ड पर अंगूठा लगवाने के बावजूद उन्हें राशन नहीं दिया गया। वहीं, रामशब्द ने 8 जुलाई 2026 को सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें पिछले एक वर्ष से प्रति माह दो किलोग्राम राशन कम दिया जा रहा है।

पूर्ति निरीक्षक कप्तानगंज द्वारा 22 जुलाई 2026 को की गई जांच में अंत्योदय योजना के 17 तथा पात्र गृहस्थी योजना के 29, कुल 46 कार्डधारकों के बयान दर्ज किए गए। जांच में पाया गया कि अंत्योदय कार्डधारकों को गेहूं, चावल और चीनी निर्धारित मात्रा से कम दी जा रही थी तथा चीनी के लिए निर्धारित मूल्य से अधिक धनराशि ली जा रही थी। पात्र गृहस्थी योजना के लाभार्थियों को भी यूनिट के अनुसार खाद्यान्न नहीं दिया जा रहा था। साथ ही, कोटेदार का व्यवहार कार्डधारकों के प्रति संतोषजनक नहीं पाया गया। इन अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए जिलाधिकारी के अनुमोदन के उपरांत 27 जुलाई 2026 को संजय कुमार का अनुबंध उत्तर प्रदेश अनुसूचित वस्तु वितरण आदेश-2016 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित

कर दिया गया। एसडीएम ने निलंबित कोटेदार को निर्देश दिया है कि वह पत्र प्राप्त होने के एक पक्ष (15 दिन) के भीतर सभी सुसंगत साक्ष्यों सहित अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में संतोषजनक उत्तर न मिलने पर नियमानुसार आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जनहित को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत नरहरपुर की राशन दुकान को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत खदरा के उचित दर विक्रेता पंचम की दुकान से संबद्ध किया गया है। संबंधित विक्रेता को पर्यवेक्षणीय अधिकारी की देखरेख में नियमानुसार खाद्यान्न का उठान एवं वितरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा नेता रोहित पासी जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र में जनसेवा को दे रहे प्राथमिकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार (अमेठी)। 184 जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता के हर सुख दुख में शामिल हो रहे पूर्व प्रमुख एवं भाजपा नेता रोहित पासी। लगातार क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में सहभागी बनकर सामाजिक संवेदनशीलता का परिचय दे रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने शुकुल बाजार कस्बा निवासी ओमप्रकाश पासी के घर पहुंचकर उनके पुत्र मनीष पासी के आकस्मिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। बताया जाता है कि मनीष की करंट लगने से मौत हो गई थी।रोहित पासी ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि इस कठिन समय में वह परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने परिजनों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

इसके बाद भाजपा नेता रोहित पासी शुकुल बाजार कस्बा निवासी सतीश कौशल के आवास भी पहुंचे, जहां उन्होंने उनके

भतीजे के हाल ही में हुए निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और हर परिस्थिति में साथ रहने का आश्वासन दिया। अपने क्षेत्रीय प्रवास के दौरान रोहित पासी ने क्षेत्र के कई वरिष्ठ नागरिकों एवं सम्मानित जनों से भी मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा जनसमस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनता के सुख-दुख में सहभागी होना ही जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता का सबसे बड़ा दायित्व है तथा वह सदैव क्षेत्रवासियों के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहेंगे।इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र पांडे 'बिल्लू' सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में श्रद्धालु की दर्दनाक मौत

सुल्तानपुर- जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र में एक सड़क हादसे में मंदिर से दर्शन कर लौट रहे 45 वर्षीय श्रद्धालु चंद्रभूषण वर्मा की मौत हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, मृतक चंद्रभूषण वर्मा ग्राम सभा महमूदपुर लखनपुर खटवर के निवासी थे। वह बरौसा स्थित मंदिर मंडा पर दर्शन-पूजन के लिए गए थे। वापस लौटते समय बेलाहरी की ओर से आ रही एक बाइक (संख्या UP44 AU 0110) ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से चंद्रभूषण वर्मा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के दौरान ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना में बाइक सवार धीरज कुमार (पुत्र कन्हैयालाल, निवासी ग्राम अवसानपुर, विकास खंड लंभुआ) भी बुरी तरह घायल हो गए। उनका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली जयसिंहपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल सुल्तानपुर भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एंटी लार्वा दवा का छिड़काव नहीं होने से ग्रामीण चिंतित

बरसात के बीच कस्बे और कई ग्राम पंचायतों में फॉगिंग व एंटी लार्वा अभियान शुरू न होने से डेंगू, मलेरिया सहित मच्छरजनित रोगों का खतरा बढ़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। बरसात के मौसम में जहां मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, वहीं विकासखंड शुकुल बाजार के कस्बे सहित आसपास की कई ग्राम पंचायतों में अब तक एंटी लार्वा दवा का छिड़काव और फॉगिंग का कार्य शुरू नहीं हो सका है। इससे स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है और मच्छरजनित रोगों के फैलने की आशंका गहराने लगी है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लगातार हो रही बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव हो गया है, जिससे मच्छरों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग द्वारा अभी तक प्रभावी रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।कस्बा निवासी एवं व्यापारी संजय कौशल, विजय गुप्ता, राजेश पाल और रवि कौशल सहित अन्य लोगों ने बताया कि उनके मोहल्लों में अब तक एंटी लार्वा दवा का छिड़काव नहीं कराया गया है। शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप इतना बढ़ जाता है कि लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र छिड़काव और फॉगिंग कराने की मांग की है। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं ग्राम सभा बूबूपुर निवासी शंकर बक्श सिंह तथा विनय श्रीवास्तव ने भी बताया कि उनके गांव में भी अभी तक एक बार भी एंटी लार्वा दवा का छिड़काव नहीं हुआ है। उनका कहना है कि विकासखंड की कई ग्राम पंचायतों की स्थिति यही है।

यदि समय रहते अभियान नहीं चलाया गया तो डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसे मच्छरजनित रोग फैलने का खतरा बढ़ सकता है। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शुकुल बाजार के अधीक्षक ने बताया कि एंटी लार्वा दवा ब्लॉक प्रशासन को उपलब्ध करा

दी गई है। छिड़काव का कार्य ब्लॉक के कर्मचारियों द्वारा कराया जाना है।वहीं, एडीओ पंचायत से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। खंड विकास अधिकारी बाजार शुक्ल ने बताया कि वह एडीओ पंचायत से जानकारी लेकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करेंगे। बरसात के मौसम में स्वास्थ्य विभाग और पंचायत विभाग के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता है, ताकि समय रहते एंटी लार्वा दवा का छिड़काव और फॉगिंग कराकर मच्छरजनित रोगों की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अभियान में तेजी लाने की मांग की है।

उन्नाव में हर सप्ताह चलेगा रेस्क्यू अभियान

उन्नाव। जिले में बेसहारा बच्चों, निराश्रित वृद्धों, महिलाओं और असहाय लोगों को सुरक्षित आश्रय एवं पुनर्वास उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने हर सप्ताह रेस्क्यू अभियान चलाने का निर्णय लिया है। अभियान के तहत संयुक्त टीम शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर जरूरतमंद लोगों को चिन्हित करेगी और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाएगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक पांडे ने बताया कि यह अभियान हाईकोर्ट में लंबित ज्योति राजपूत प्रकरण के अनुपालन में प्रदेश के सभी जिलों में संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सड़क किनारे रहने वाले बेसहारा लोगों को संरक्षण देकर उनका स्थायी पुनर्वास सुनिश्चित करना है। अभियान के संचालन के लिए जिले में 11 सदस्यीय रेस्क्यू टीम गठित की गई है। टीम प्रत्येक सप्ताह अभियान चलाकर जरूरतमंद लोगों की पहचान करेगी और उनकी स्थिति के अनुसार आश्रय गृह, बाल संरक्षण संस्थान या परिजनों तक पहुंचाने की कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि जनवरी से जून 2026 तक जिले में 150 से अधिक बच्चों का रेस्क्यू किया जा चुका है। इनमें कई बच्चों को बाल संरक्षण संस्थानों में सुरक्षित रखा गया, जबकि कुछ को परिजनों से संपर्क कर पुनर्वासित कराया गया।

खाद्य प्रसंस्करण में बढ़ा निवेश युवा-महिला उद्यमियों का बढ़ा रुझान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र में निवेश की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। प्रदेश सरकार की उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत 15.08 करोड़ रुपये के आठ नए निवेश प्रस्तावों को अप्रेजल समिति ने राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति दी है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बढ़ता निवेश प्रदेश की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने, कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार और निवेशकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं और निवेश प्रस्तावों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा अब पारंपरिक व्यवसायों से आगे बढ़कर आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना में रुचि दिखा रहे हैं। इसके साथ ही महिला उद्यमी भी इस क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी कर रही हैं, जो प्रदेश में उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक संकेत है। उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को गोमतीनगर स्थित रेशम निदेशालय में अप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आठ नए निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। तकनीकी और वित्तीय परीक्षण के बाद सभी प्रस्तावों को आवश्यक शर्तों के साथ राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई। इन परियोजनाओं में नमकीन, ब्रेड एवं रस्क, सोया आधारित उत्पाद, पास्ता, पोल्ट्री फीड तथा अन्य खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना एवं विस्तार से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। इसके अलावा ऑन-ग्रिड रूफटॉप सोलर पावर प्लांट की स्थापना से संबंधित परियोजनाओं पर भी विचार किया गया। अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा ने निवेशकों से कहा कि वे स्थानीय किसानों से अधिक से अधिक कच्चे माल की खरीद सुनिश्चित करें, जिससे कृषि और उद्योग के बीच मजबूत समन्वय स्थापित हो सके। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, अग्नि सुरक्षा और अन्य वैधानिक स्वीकृतियों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं में भी नीति के अनुरूप सभी तकनीकी और दस्तावेजी मानकों को पूरा किया जाना आवश्यक है। संबंधित निवेशकों को बैंक अप्रेजल, आयकर और जीएसटी रिटर्न सहित सभी आवश्यक दस्तावेज निर्धारित समय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश सरकार का मानना है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विस्तार से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख खाद्य प्रसंस्करण राज्यों में शामिल करना है, जहां कृषि उत्पादों का अधिकतम मूल्य संवर्धन हो सके।

भाजपा प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा का जन्मदिवस वाल्मीकि समाज ने धूमधाम से मनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 27 जुलाई 2026 भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा का जन्मदिवस रविवार को वाल्मीकि समाज द्वारा भव्य रूप से मनाया गया। यह कार्यक्रम परिवर्तन चौक, लखनऊ स्थित रामायण रचयिता महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में आयोजित किया गया, जहां समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अभिजात मिश्रा को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने अभिजात मिश्रा के सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सफल एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। समारोह में वाल्मीकि समाज के लोगों ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया तथा समाज के प्रति उनके योगदान की प्रशंसा की। इस अवसर पर अमन वाल्मीकि, राहुल वाल्मीकि, संतोष वाल्मीकि, अशोक वाल्मीकि, शिवराज

कुमार, राजन वाल्मीकि, आलोक वाल्मीकि, शनि वाल्मीकि, सिद्धार्थ, अनूप बाजपेई, पवन वाल्मीकि, रश्मि वाल्मीकि, सुजीता वाल्मीकि, अनीता सहित वाल्मीकि समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने अभिजात मिश्रा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर जनसेवा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

बकाया मजदूरी मांगने पर दिव्यांग मजदूर की पिटाई, जान से मारने की धमकी

......पहले मजदूरी मांगने पर मारपीट, अगले दिन रास्ता रोककर दोबारा हमला; मुयमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत, पुलिस जांच में जुटी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र में बकाया मजदूरी मांगना एक दिव्यांग मजदूर को भारी पड़ गया। आरोप है कि ठेकेदारी का काम कराने वाले तीन लोगों ने पहले मजदूरी मांगने पर उसके साथ मारपीट की और अगले ही दिन रास्ता रोककर दोबारा हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने और दूसरा पैर भी तोड़कर पूरी तरह दिव्यांग बना देने की धमकी दी। मामले में पीड़ित ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। लालता खेड़ा निवासी ललित उर्फ बाबू पुत्र अयोध्या प्रसाद ने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। वह गांव के ही विनोद कुमार, संतोष कुमार और रंजीत के साथ ठेकेदारी में मकान निर्माण कार्य कर रहा था। उसकी कुछ मजदूरी लंबे समय से बकाया थी। पीड़ित के अनुसार, सोमवार शाम करीब छह बजे उसने संतोष कुमार से अपनी बकाया मजदूरी मांगी। इस पर तीनों आरोपी भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट कर दी। किसी तरह जान बचाकर वह वहां से निकला और निगोहां थाने में शिकायत दी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ललित का आरोप है कि मंगलवार को खेत जाते समय तीनों आरोपियों ने उसका रास्ता रोक लिया, धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। पीड़ित का कहना है कि वह पहले से ही एक पैर से दिव्यांग है, इसके बावजूद आरोपियों ने उसकी दिव्यांगता का मजाक उड़ाते हुए धमकी दी कि दूसरा पैर भी तोड़ देंगे और पूरी तरह विकलांग बना देंगे। घटना से सहमे पीड़ित ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपनी सुरक्षा की मांग की है। उसका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो उसके साथ कोई भी गंभीर घटना हो सकती है।

क्या बोले थाना प्रभारी

निगोहां थाना प्रभारी रविंद्र कुमार कनौजिया ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों को हर शुक्रवार मिलेगा सूजी का हलवा

पीएम पोषण योजना में कई बड़े फैसले, रसोइयों की आयु सीमा 62 वर्ष करने समेत प्रस्ताव मंजूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री पोषण योजना (मध्यान्ह भोजन) को और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण की 31वीं प्रबंधकारिणी बैठक आयोजित हुई, जिसमें कार्मिकों के मानदेय, विद्यार्थियों के पोषण स्तर और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण के अंतर्गत कार्यरत सिस्टम एनालिस्ट, मंडल एवं जनपद समन्वयक तथा कंप्यूटर ऑपरेटरों के मानदेय में 10 प्रतिशत वृद्धि के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2016 के बाद पहली बार इन कार्मिकों के मानदेय में वृद्धि की गई है। बैठक में संविदा कर्मियों के हित में भी बड़ा निर्णय लिया गया। सिस्टम एनालिस्ट, समन्वयक, कंप्यूटर ऑपरेटर सहित अन्य संविदा कार्मिकों के कार्य करने की अधिकतम आयु सीमा 60 वर्ष निर्धारित करने का फैसला किया गया।

इसके साथ ही विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों की अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 62 वर्ष करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। यह भी तय किया गया कि रसोइये संबंधित शैक्षिक सत्र की समाप्ति तक कार्य करते रहेंगे और अगले सत्र के प्रारंभ से पहले नए रसोइयों का चयन किया जाएगा। विद्यार्थियों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बैठक में पीएम पोषण योजना से जुड़े सभी विद्यालयों के बच्चों को सप्ताह में एक दिन अतिरिक्त पोषण आहार देने का निर्णय लिया गया। इसके तहत अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार को विद्यार्थियों को सूजी का हलवा उपलब्ध कराया जाएगा। कुल 14 विद्यालय दिवसों में दिए जाने वाले इस पूरक पोषण आहार में सात दिन मीठा और सात दिन नमकीन हलवा परोसा जाएगा। हलवा तैयार करने के लिए रसोइयों को प्रति छात्र प्रति कार्य दिवस दो रुपये अतिरिक्त पारिश्रमिक भी दिया जाएगा। बैठक में मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण कार्यालय में सृजित सहायक निदेशक के चार पदों पर नियुक्ति के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इन पदों पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार, अन्य राज्यों तथा सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) के अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति की जाएगी। रिक्तियों की स्थिति में समाचार पत्रों और वेबसाइटों के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि राज्य सरकार पीएम पोषण योजना के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि योजना के सफल संचालन में योगदान देने वाले कर्मचारियों के हितों का भी ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैठक में लिए गए निर्णय योजना की प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, कर्मचारियों को प्रोत्साहन देने और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

जोन-4 में नगर निगम की कार्रवाई, प्लास्टिक और गंदगी फैलाने पर 13,300 का जुर्माना

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देशों के अनुपालन में मंगलवार को जोनल अधिकारी जोन-4 श्रीमती शिल्पा कुमारी जी व जोनल सेनेटरी ऑफिसर पंकज शुक्ला जी के नेतृत्व में क्षेत्र में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग एवं सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया। अभियान के दौरान एसएफआई डॉ. राकेश वर्मा द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग के मामले में 2,000 तथा गंदगी फैलाने पर 2,300 का जुर्माना अधिरोपित किया गया। वहीं एसएफआई बाल गोविन्द सिंगरौर द्वारा गंदगी फैलाने के मामले में 4,500 का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा एसएफआई रश्मि शुक्ला द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर 1,000 तथा गंदगी फैलाने पर 3,500 का जुर्माना अधिरोपित किया गया। इस विशेष अभियान में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर कुल 3,000 तथा गंदगी फैलाने पर 10,300 का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार कुल 13,300 का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

शिव मंदिर मंगरिया बाजार में विशाल भंडारे में उमड़ा आस्था का सैलाब

बिसवां (सीतापुर)। शिव मंदिर मंगरिया बाजार (धनुष वाला मंदिर) में मंगलवार को मंदिर के जीर्णोद्धार के तृतीय वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र सहित दूर-दराज से पहुंचे भारी संख्या में शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन, रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक किया। पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे दिन मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते हुए मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंदिर समिति एवं श्रद्धालुओं के सहयोग से भंडारे की व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की गईं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशोक वैश्य, नंदकिशोर रस्तोगी, कमल वैश्य, प्रखर वैश्य, अमित वंदन रस्तोगी, अनुराग रस्तोगी, शिवकुमार कठेरिया, अरुण नाथ सिंह, विजय अवस्थी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

ऐशबाग जलकल से जुड़े क्षेत्रों में आज प्रभावित रहेगी पेयजल आपूर्ति

लखनऊ। नगर निगम जलकल विभाग ने शहरवासियों को सूचित किया है कि बुधवार 29 जुलाई 2026 को ऐशबाग स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र में आवश्यक कार्य कराया जाएगा। इसके चलते सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक विद्युत आपूर्ति पूर्ण अथवा आंशिक रूप से बाधित रह सकती है। जलकल विभाग के अनुसार, विद्युत विभाग द्वारा उपकेंद्र ऐशबाग यार्ड में पोल एवं एंटी-काइट नेट लगाने का कार्य किया जाएगा। बिजली आपूर्ति प्रभावित होने के कारण ऐशबाग जलकल केंद्र से संचालित कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित होने की संभावना है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे बुधवार सुबह ही अपनी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त मात्रा में पेयजल का भंडारण कर लें, ताकि आपूर्ति बाधित रहने की स्थिति में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ग्रामीण सफाईकर्मियों की मांगों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन, राज्यसभा सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल से मिला प्रतिनिधिमंडल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उ.प्र. पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने संघ की लंबित मांगों के निराकरण को लेकर राज्यसभा सदस्य एवं विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल से शिष्टाचार भेंट कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संघ की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। संघ के पदाधिकारियों ने ग्रामीण सफाईकर्मियों की समस्याओं एवं लंबे समय से लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए विभागीय सेवा नियमावली बनाए जाने तथा ग्रामीण सफाईकर्मियों को पदोन्नति के अवसर प्रदान किए जाने की मांग रखी। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने मांग पत्र पर संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई कराने का पूर्ण आश्वासन दिया। संघ ने सदस्य द्वारा दिए गए आश्वासन पर उनका आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि ग्रामीण सफाईकर्मियों की वर्षों पुरानी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा। इस अवसर पर संघ के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष कुलदीप कुमार, प्रदेश अध्यक्ष बसंतलाल, महामंत्री मयंक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकिशन, लखनऊ मंडल अध्यक्ष पवन कुमार वाल्मीकि तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवराज कुमार उपस्थित रहे। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण सफाईकर्मी लंबे समय से अपने अधिकारों एवं सेवा संबंधी मांगों को लेकर संघर्षरत हैं और सरकार से उनकी मांगों के शीघ्र समाधान की अपेक्षा रखते हैं।

दहेज की मांग बनी मौत की वजह!

शादी के चार माह बाद नवविवाहिता ने लगाई फांसी, पति-ससुर गिरफ़्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। दहेज की मांग ने एक और नवविवाहिता की जिंदगी लील ली। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के हुलासखेड़ा गांव में शादी के महज चार महीने बाद एक विवाहिता ने कथित दहेज उत्पीड़न से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति और ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि नामजद सास की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार बिजनौर थाना क्षेत्र के परवर पश्चिम निवासी मनोज ने तहरीर देकर बताया कि उनकी पुत्री सीमा का विवाह 7 मार्च 2026 को हुलासखेड़ा निवासी अमित कुमार के साथ हुआ था। आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद ही पति अमित, ससुर रामचंद्र और सास ने कम दहेज मिलने का ताना देते हुए सीमा पर मायके से ?2 लाख लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसके साथ मानसिक और

शारीरिक प्रताड़ना की जाती थी। परिजनों के मुताबिक करीब 15 दिन पहले सीमा रोते-बिलखते मायके पहुंची थी और उसने ससुराल में हो रही प्रताड़ना की पूरी जानकारी दी थी। परिजनों ने उसे समझाकर वापस भेज दिया, लेकिन ससुराल में हालात नहीं बदले। 25 जुलाई को सीमा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही मायके पक्ष मौके पर पहुंचा और दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। शिकायत के आधार पर मोहनलालगंज पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस को दहेज को लेकर लगातार हो रहे विवाद और प्रताड़ना के साक्ष्य मिले। पुलिस का कहना है कि दहेज उत्पीड़न से मानसिक रूप से परेशान होकर सीमा ने आत्मघाती कदम उठाया। मंगलवार को पुलिस टीम ने मेड़ईखेड़ा मोड़ के पास से आरोपी पति अमित कुमार और ससुर रामचंद्र को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं, नामजद सास की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। मोहनलालगंज के सहायक पुलिस आयुक्त राजेश कुमार सिंह ने बताया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामलों में पुलिस पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई कर रही है। दहेज उत्पीड़न के इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

लखनऊ नगर निगम का अतिक्रमण पर शिकंजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने, अवैध अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए नगर निगम ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान गंदगी फैलाने वालों, प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों और सड़क किनारे अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीमों ने जोन-2 और जोन-5 क्षेत्रों में अभियान चलाकर नालियों की सफाई, कूड़ा उठान, सड़क सफाई और एंटी लार्वा छिड़काव कराया। साथ ही अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ चालान काटकर शमन शुल्क भी वसूला

गया। जोन-2 क्षेत्र में जोनल अधिकारी मनोज कुमार यादव, जोनल सेनेटरी अधिकारी राम सकल यादव और संबंधित अधिकारियों की देखरेख में भदैवा ऐशबाग, कुंडरी रकाबगंज, सुभाष मार्ग, यहियागंज, बड़ा इमामबाड़ा, महाकालेश्वर मंदिर, राजेंद्र नगर, रकाबगंज चौराहा और शास्त्री नगर चौराहे के आसपास सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान नालियों की सफाई, सड़क सफाई, कूड़ा उठान और एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया गया। नगर निगम के 296 प्रवर्तन दल ने बुलाकी अड्डे से पत्थर कट्टा मस्जिद और मोहन रोड तक अभियान चलाकर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ दो चालान कर 8 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला। वहीं प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर तीन चालान करते हुए 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस तरह जोन-2 में कुल 18 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। जोन-5 क्षेत्र में अवध चौराहे से हरदोई रोड स्थित कनौसी पुल तक और आलमबाग चौराहे से तालकटोरा रोड होते हुए लंगड़ा फाटक तक सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान नगर निगम की टीम ने 10 ठेले, 3 गुमटियां और 5 काउंटर हटाए। इसके अलावा तीन ठेलों को जब्त भी किया गया। अतिक्रमणकारियों को दोबारा सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा न करने की चेतावनी दी गई। अभियान के दौरान गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग के मामले में 3 हजार रुपये का शमन शुल्क भी वसूला गया। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था, यातायात सुगमता और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाएं और प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें। जोन-5 में हुई कार्रवाई जोनल अधिकारी विनीत कुमार सिंह के नेतृत्व में कर अधीक्षक, जोनल सेनेटरी अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, प्रवर्तन दल और पुलिस बल की मौजूदगी में संपन्न हुई।

महमूदाबाद स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की बहाली की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। महमूदाबाद रेलवे स्टेशन पर पूर्व में संचालित ट्रेनों के ठहराव को पुनः प्रारंभ कराने की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता व वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार जैन, नगरपालिका सभासद अयूब अहमद डंम्पी एवं नगर के नागरिकों ने स्टेशन अधीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे महमूदाबाद के माध्यम से महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि कोविड-19 लॉकडाउन से पहले महमूदाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 54323/54324 बालामऊ-बुढ़वल पैसेंजर तथा 15211/15212 दरभंगा-अमृतसर जननायक एक्सप्रेस का ठहराव होता था, जिसे बाद में बंद कर दिया गया। इससे क्षेत्र के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि महमूदाबाद स्थित माँ संकटा देवी मंदिर जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां सावन, नवरात्रि एवं अन्य पर्वों पर हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ट्रेनों का ठहराव बंद होने से यात्रियों को सीतापुर उतरकर लगभग 60 किलोमीटर अतिरिक्त यात्रा करनी पड़ती है। इसके अलावा महमूदाबाद में कई डिग्री कॉलेज एवं इंटर कॉलेज संचालित हैं। लखनऊ, सीतापुर, बुढ़वल और बालामऊ आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को प्रतिदिन आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं तहसील मुख्यालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होने के कारण मरीजों, व्यापारियों और आम यात्रियों का समय एवं धन भी अतिरिक्त रूप से खर्च हो रहा है।

संपादकीय

प्रधान के इस्तीफे से क्या बदलेगा राजनैतिक समीकरण ?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की खबर ने राष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है। विपक्षी दल इसे अपनी बड़ी राजनीतिक जीत के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं और इसे केंद्र सरकार पर बढ़ते जनदबाव का परिणाम बता रहे हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सरकार की ओर से इस घटनाक्रम को अलग दृष्टि से देखा जा रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या केवल एक मंत्री के इस्तीफे से देश की राजनीति की दिशा बदल जाएगी, या यह केवल तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों का प्रभाव है। अगर गौर किया जाए तो इस इस्तीफे से विपक्ष के खुश होने की कोई बात नहीं है क्योंकि न तो यह आंदोलन विपक्ष का था और न ही भारतीय जनता पार्टी ने यह इस्तीफा विपक्ष के कारण दिलाया। यह आंदोलन छात्रों का था और यह मांग भी छात्रों की थी तो सरकार को छात्रों की मांग के आगे नतमस्तक होना पड़ा। धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भारतीय जनता पार्टी का कहना भी है कि वह छात्रों की मांग नहीं ठुकरा सकते। धर्मेन्द्र प्रधान लंबे समय से भाजपा के प्रमुख नेताओं में गिने जाते रहे हैं। संगठन और सरकार दोनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने नई शिक्षा नीति को लागू करने, उच्च शिक्षा में सुधार और कई नई योजनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। हालांकि उनके कार्यकाल में कई विवाद भी सामने आए। विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक और छात्रों के आंदोलनों ने सरकार पर लगातार दबाव बनाया। विपक्ष लगातार उनके इस्तीफे की मांग कर रहा था और आरोप लगा रहा था कि शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अव्यवस्था के लिए राजनीतिक जवाबदेही तय होनी चाहिए।यदि किसी राजनीतिक दबाव या नैतिक आधार पर इस्तीफा हुआ है, तो विपक्ष इसे अपनी रणनीति की सफलता के रूप में पेश करेगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, वाम दल और अन्य विपक्षी दल यह कहने का प्रयास करेंगे कि उनकी आवाज और जनता के आंदोलन के कारण सरकार को झुकना पड़ा। यह संदेश विशेष रूप से युवाओं और छात्रों तक पहुंचाने की कोशिश होगी, क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दे सीधे करोड़ों युवाओं को प्रभावित करते हैं।हालांकि भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि किसी एक मंत्री का इस्तीफा हमेशा सरकार की राजनीतिक कमजोरी का संकेत नहीं होता। कई बार सरकारें व्यापक राजनीतिक रणनीति, जवाबदेही तय करने या प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत भी मंत्रिमंडल में बदलाव करती हैं। इसलिए केवल इस्तीफे के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि सरकार की स्थिति कमजोर हो गई है। विपक्ष के लिए यह अवसर अवश्य है, लेकिन चुनौती भी कम नहीं है। केवल किसी मंत्री के इस्तीफे को राजनीतिक जीत बताने से चुनावी लाभ स्वत: नहीं मिलता। यदि विपक्ष वास्तव में युवाओं का विश्वास जीतना चाहता है, तो उसे शिक्षा, रोजगार, परीक्षा प्रणाली और पारदर्शिता पर ठोस वैकल्पिक नीति भी प्रस्तुत करनी होगी। जनता अब केवल विरोध नहीं, बल्कि समाधान भी देखना चाहती है। भाजपा के सामने भी यह मौका है कि वह शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए नए कदम उठाए और जनता को यह संदेश दे कि सरकार जवाबदेही तय करने से पीछे नहीं हटती। यदि सरकार नई व्यवस्था, बेहतर परीक्षा प्रणाली और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया लागू करने में सफल होती है, तो विपक्ष का यह मुद्दा धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो विपक्ष इस घटनाक्रम का इस्तेमाल आगामी चुनावों में करेगा। संसद से लेकर सड़क तक यह मुद्दा उठाया जाएगा। छात्र संगठनों और युवा वर्ग के बीच भी इसे प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश होगी। लेकिन अंतत: चुनावों में मतदाता केवल एक घटना के आधार पर निर्णय नहीं लेते। वे सरकार के समग्र प्रदर्शन, आर्थिक स्थिति, रोजगार, महंगाई, कानून-व्यवस्था और विकास जैसे अनेक मुद्दों को ध्यान में रखते हैं। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि लोकतंत्र में इस्तीफा जवाबदेही का एक माध्यम है, लेकिन किसी भी राजनीतिक निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले उसके कारणों और परिस्थितियों का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन होना चाहिए। यदि इस्तीफा वास्तव में किसी नीति विफलता की स्वीकारोक्ति है, तो उससे व्यापक सुधार की अपेक्षा की जाएगी। यदि यह केवल राजनीतिक या संगठनात्मक पुनर्गठन का हिस्सा है, तो उसका प्रभाव सीमित भी हो सकता है। धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे से विपक्ष को निश्चित रूप से एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा मिला है और वह इसे सरकार की नैतिक हार के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा। वहीं भाजपा इस घटनाक्रम को नुकसान नियंत्रण और नई शुरुआत के रूप में पेश करने का प्रयास कर सकती है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह केवल एक राजनीतिक घटना थी या भारतीय राजनीति में किसी बड़े बदलाव की शुरुआत। फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि किसी मंत्री का इस्तीफा विपक्ष को उत्साहित अवश्य कर सकता है, लेकिन स्थायी राजनीतिक लाभ उसी दल को मिलता है जो जनता के सामने विश्वसनीय विकल्प और प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर सके।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

मेष-आज आपके लिए भाग्य का साथ मिलने के प्रबल संकेत हैं। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है और आर्थिक स्थिति में भी सुधार देखने को मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी।

वृषभ-आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक संतुलित दिखाई देगी। यदि पिछले दिनों किसी परेशानी का सामना करना पड़ा था तो उसमें राहत मिलने के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

मिथुन-आज आपके जीवन में नए अवसर दस्तक दे सकते हैं। विवाह योग्य लोगों के लिए शुभ समाचार मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक रहेगा।

कर्क-आज स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी रखने की आवश्यकता होगी, हालांकि पहले की तुलना में स्थिति बेहतर रहेगी। कार्यस्थल पर आपके विरोधी भी सहयोगात्मक रवैया अपना सकते हैं।

सिंह-आज भावनात्मक रूप से स्वयं को संतुलित रखने की आवश्यकता है। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी, लेकिन प्रतिस्पर्धा भी बनी रहेगी। प्रेम संबंधों में संवाद की कमी गलतफहमियां पैदा कर सकती है।

कन्या-आज घरेलू वातावरण में छोटी-मोटी असहमति की स्थिति बन सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, हालांकि थकान या सीने में भारीपन महसूस हो सकता है। व्यापार और नौकरी दोनों क्षेत्रों में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है।

तुला-आज आपके भीतर कार्य करने की ऊर्जा भरपूर रहेगी। व्यावसायिक जीवन में नए संपर्क बनने से भविष्य के लिए लाभदायक अवसर प्राप्त हो सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक-आज आय के स्रोत बने रहेंगे, लेकिन बड़े निवेश या जोखिम वाले निर्णयों से फिलहाल दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। प्रेम संबंधों में विश्वास मजबूत होगा और परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा।

धनु-आज आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ सकते हैं। नौकरी और व्यापार दोनों क्षेत्रों में सफलता मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा और किसी प्रियजन से शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर-आज मानसिक तनाव और अनावश्यक चिंताओं से बचने की आवश्यकता है। काम का दबाव अधिक महसूस हो सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखने से परिस्थितियां आपके पक्ष में होती जाएंगी।

कुंभ-आज आपकी आय में वृद्धि के संकेत हैं। नौकरी और व्यापार दोनों क्षेत्रों में लाभदायक अवसर मिल सकते हैं। किसी यात्रा की योजना बन सकती है जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होगी। मित्रों और परिवार का सहयोग मिलेगा।

मीन-आज कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। न्यायिक या प्रशासनिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। व्यापार विस्तार की योजनाएं सफल हो सकती हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति भी पहले से अधिक मजबूत होती दिखाई दे रही है।

अमेठी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान बना स्वावलंबन का पर्याय

उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' (एमवाईयूवीए) राज्य के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नवोन्मेष तथा स्वावलंबन की नई क्रांति का सूत्रपात कर रही है। प्राकृतिक संसाधनों और वनांचल से समृद्ध जनपद सोनभद्र में यह अभियान युवाओं के सपनों को साकार कर क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को एक नई और सकारात्मक दिशा दे रहा है। प्रदेश सरकार का मूल ध्येय राज्य के प्रत्येक युवा को इतना सशक्त, आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाना है कि वे न केवल अपने रोजगार का सृजन करने में सक्षम हो सकें अपितु रोजगार प्रदाता का स्वाभिमान भी अर्जित कर सकें। इस संकल्प को सिद्धि तक पहुँचाने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से शिक्षित, प्रशिक्षित और प्रतिभावान युवाओं को सूक्ष्म एवं लघु उद्यम स्थापित करने हेतु व्यापक वित्तीय तथा संस्थागत संबल प्रदान किया जा रहा है, जिससे जनपद के युवाओं में एक नया आत्मविश्वास और उद्यमशीलता का जज्बा जागृत हुआ है। जनपद सोनभद्र में जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन एवं सतत अनुश्रवण में इस जनकल्याणकारी योजना का अत्यंत प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। विभागीय स्तर पर आयोजित जागरूकता शिविरों, परामर्श कार्यक्रमों एवं बैंक समन्वय बैठकों के माध्यम से योजना के प्रावधानों, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की सटीक जानकारी दूर-दराज के ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के पात्र युवाओं तक पहुँचाई जा रही है। जनपद सोनभद्र निवासी युवा उद्यमी रवि अग्रहरि की सफलता की गाथा इस बात का जीवंत और सशक्त प्रमाण है कि सुदृढ़ इच्छाशक्ति तथा शासकीय प्रोत्साहन के संयोजन से युवा वर्ग अपने सपनों को साकार करते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था में अमूल्य योगदान दे सकता है। रवि अग्रहरि लंबे समय से स्वरोजगार के बेहतर अवसरों की खोज में प्रयासरत थे। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक जागरूकता शिविर में उन्हें इस युगांतकारी अभियान की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। शिविर में उपलब्ध कराए गए मार्गदर्शन से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी कुशलता और अनुभव के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कार्य करने का निर्णय लिया और 'हेल्थ नेचुरल थेरेपी सेंटर' की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की।

प्रस्ताव के समुचित परीक्षण के उपरांत स्थानीय बैंक शाखा द्वारा रवि अग्रहरि को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण शीघ्रता से स्वीकृत किया गया। जिला प्रशासन द्वारा सुलभ कराई गई इस त्वरित वित्तीय सहायता एवं तकनीकी मार्गदर्शन की बदौलत रवि अग्रहरि ने आवश्यक मशीनरी, आधुनिक उपकरण एवं फर्नीचर क्रय कर अपने सेंटर को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया। उच्च गुणवत्तायुक्त सेवाओं और सामाजिक प्रतिबद्धता के बल पर उनका यह थेरेपी सेंटर अत्यंत कम समय में जनपद सोनभद्र में एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में स्थापित हो गया। वर्तमान में उनके व्यवसाय का निरंतर विस्तार हो रहा है, जिससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि उनके परिवार के जीवन स्तर में भी व्यापक और गुणात्मक सुधार आया है। इस सफलता का सबसे अनुकरणीय पहलू यह है कि रवि अग्रहरि ने स्वयं को स्वावलंबी बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के तीन अन्य स्थानीय नागरिकों को भी अपने संस्थान में प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया है। इस प्रकार वे जनपद में प्रदेश सरकार के उस मूल उद्देश्य को साकार कर रहे हैं, जिसका लक्ष्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ नौकरी देने वाला (जॉब क्रिएटर) बनाना है। 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' का मुख्य उद्देश्य राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों को तेजी से बढ़ावा देना है। इस

प्रस्ताव के समुचित परीक्षण के उपरांत स्थानीय बैंक शाखा द्वारा रवि अग्रहरि को 5 लाख रुपये का ब्याज मुत ऋण शीघ्रता से स्वीकृत किया गया। जिला प्रशासन द्वारा सुलभ कराई गई इस त्वरित वीीय सहायता एवं तकनीकी मार्गदर्शन की बदौलत रवि अग्रहरि ने आवश्यक मशीनरी, आधुनिक उपकरण एवं फर्नीचर क्रय कर अपने सेंटर को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया। उच्च गुणवाायुत सेवाओं और सामाजिक प्रतिबद्धता के बल पर उनका यह थेरेपी सेंटर अत्यंत कम समय में जनपद सोनभद्र में एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में स्थापित हो गया। वर्तमान में उनके व्यवसाय का निरंतर विस्तार हो रहा है, जिससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि उनके परिवार के जीवन स्तर में भी व्यापक और गुणात्मक सुधार आया है। इस सफलता का सबसे अनुकरणीय पहलू यह है कि रवि अग्रहरि ने स्वयं को स्वावलंबी बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के तीन अन्य स्थानीय नागरिकों को भी अपने संस्थान में प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया है। इस प्रकार वे जनपद में प्रदेश सरकार के उस मूल उद्देश्य को साकार कर रहे हैं, जिसका लक्ष्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ नौकरी देने वाला (जॉब क्रिएटर) बनाना है। 'मुयमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' का मुय उद्देश्य राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों को तेजी से बढ़ावा देना है।

अभियान के तहत प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रतिवर्ष एक लाख युवाओं को सीधे लाभान्वित करना है, जिसके अंतर्गत अगले दस वर्षों में दस लाख नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने की एक विस्तृत और दूरदर्शी रूपरेखा तैयार की गई है। इस योजना की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि युवाओं को अपने व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए बैंकों के माध्यम से बिना किसी गारंटी के 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे सोनभद्र के उन मेधावी युवाओं को ऐतिहासिक राहत मिली है, जो पूंजी और वित्तीय संसाधनों के अभाव में अपने उत्कृष्ट व्यापारिक विचारों को धरातल पर नहीं उतार पाते थे। योजना का लाभ उठाने के लिए अभ्यर्थियों की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी अनिवार्य है तथा न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के रूप में कम से कम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक रखा गया है, साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्त आवेदकों को भी इसमें प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कौशल विकास योजनाओं, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना अथवा आईटीआई और पॉलिटेक्निक जैसे तकनीकी संस्थानों से प्रशिक्षित युवाओं को इस अभियान में विशेष प्राथमिकता प्रदान की जा रही है। अभियान के प्रथम चरण के सफल संचालन के बाद, व्यवसाय के कुशल संचालन और ऋण का समय पर भुगतान करने वाले उद्यमियों के लिए द्वितीय चरण का प्रावधान भी किया गया है। द्वितीय चरण में योग्य सूक्ष्म उद्यमियों को व्यवसाय विस्तार हेतु 10 लाख रुपये तक का द्वितीयक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय सहायता और अनुदान का लाभ निरंतर जारी रखा जाएगा। वित्तीय सहायता के साथ-साथ योजना के अंतर्गत युवाओं को आधुनिक व्यावसायिक कौशल, डिजिटल साक्षरता और वित्तीय प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि वे अपने व्यवसाय को सुगमता से संचालित कर सकें। जिला प्रशासन द्वारा जिला उद्योग केंद्रों के माध्यम से आवेदकों को आवेदन प्रक्रिया, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने और बैंक स्वीकृति में निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने के लिए डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त अनुदान का भी आकर्षक प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण वनांचल क्षेत्रों में भी डिजिटल अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व मजबूती मिल रही है। सोनभद्र में स्थानीय स्तर पर नए उद्योगों की स्थापना से क्षेत्र के प्रचुर संसाधनों का कुशल उपयोग हो रहा है और रोजगार की तलाश में होने वाले पलायन में भी भारी कमी दर्ज की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा जनपद में योजना का नियमित एवं गहन अनुश्रवण किया जा रहा है, जिससे पात्र अभ्यर्थियों को समय पर वित्तीय सहायता एवं प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। रवि अग्रहरि की यह उल्लेखनीय सफलता जनपद सोनभद्र के अन्य युवाओं के लिए एक सम्मानित जीवन की राह में आत्मनिर्भरता के लिए सफलता प्राप्त करने की प्रेरणादायक मिसाल के रूप में है। प्रदेश सरकार की सही नीति, दृढ़ संकल्प और सक्रिय शासकीय सहयोग से आज दूरस्थ अंचलों में भी आत्मनिर्भरता और आर्थिक विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं।

सूचनाधिकारी जनपद-अमेठी/ डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

प्रदेश की सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्ग के निर्माण से सुदृढ़ कनेक्टिविटी की ओर अग्रसर

किसी भी राज्य के समग्र एवं संतुलित विकास का आधार उसकी सुदृढ़ आधारभूत संरचना होती है तथा सड़क संपर्क इसका सबसे महत्वपूर्ण घटक है। गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित सड़क नेटवर्क न केवल आवागमन को सुगम बनाता है, बल्कि व्यापार, उद्योग, कृषि, पर्यटन, निवेश तथा रोजगार के अवसरों को भी नई गति प्रदान करता है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में विश्वस्तरीय सड़क अवसंरचना के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गई है। इसी क्रम में सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण, चौड़ीकरण एवं आधुनिकीकरण का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। राज्य की सीमाएं नेपाल सहित उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड तथा बिहार जैसे राज्यों से जुड़ी हुई हैं। इन सीमाओं के माध्यम से प्रतिदिन लाखों नागरिकों, व्यापारिक वाहनों एवं पर्यटकों का आवागमन होता है। ऐसे में सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों का उच्च गुणवत्ता वाला विकास प्रदेश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ राष्ट्रीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में कुल 158 सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों का चयन पुनर्निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण के लिए किया गया है। इन मार्गों की कुल लंबाई 2877 कि0मी0 है, जो प्रदेश के दूरस्थ गांवों, सीमावर्ती क्षेत्रों एवं आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों को बेहतर संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। इन मार्गों के विकसित होने से कृषि उत्पादों, औद्योगिक वस्तुओं एवं आवश्यक सेवाओं का परिवहन अधिक तीव्र, सुरक्षित एवं किफायती होगा। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश सरकार द्वारा ?4330.35 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस निवेश के अंतर्गत केवल सड़क निर्माण ही नहीं, बल्कि आवश्यकतानुसार पुल एवं पुलियों का निर्माण, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था, सड़क सुरक्षा संबंधी प्रावधान, सुदृढ़ तथा दीर्घकालिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जा रहा है। यह निवेश प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाली आधारभूत संरचना विकसित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। प्रदेश सरकार की इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। चयनित 158 मार्गों में से 126 मार्ग पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि शेष परियोजनाओं पर तीव्र गति से कार्य प्रगति पर है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सभी कार्यों को निर्धारित गुणवत्ता मानकों एवं समयसीमा के अनुरूप पूर्ण कराने के लिए सतत निगरानी एवं नियमित समीक्षा की जा रही है। प्रदेश सरकार केवल उत्कृष्ट सड़क नेटवर्क के निर्माण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाले प्रत्येक नागरिक एवं पर्यटक को एक सकारात्मक एवं आकर्षक अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य की अंतर्राष्ट्रीय एवं अंतर्राज्यीय सीमाओं पर भव्य स्वागत द्वारों के निर्माण का कार्य भी कराया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 143 मार्गों पर स्वागत द्वारों का निर्माण कराया जा रहा है, जिस पर लगभग ?232.99 करोड़ की लागत व्यय की जा रही है। अब तक 83 स्वागत द्वारों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष पर कार्य प्रगति पर है। इन स्वागत द्वारों की रूपरेखा में आधुनिक स्थापत्य कला के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत का समावेश किया गया है। इससे उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाले यात्रियों, पर्यटकों एवं निवेशकों पर राज्य की सकारात्मक एवं विकसित छवि का प्रभाव पड़ता है। सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों के विकास से प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्राप्त हो रही है। विशेष रूप से भारत-नेपाल सीमा से जुड़े क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल रहा है तथा आयात-निर्यात की प्रक्रिया अधिक सुगम एवं समयबद्ध हुई है। बेहतर सड़क संपर्क से परिवहन लागत में कमी आने के साथ-साथ मालवाहक वाहनों की परिचालन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे प्रदेश की औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को भी बल मिला है। प्रदेश सरकार द्वारा विकसित किया जा रहा यह आधुनिक सड़क नेटवर्क पर्यटन क्षेत्र के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। अयोध्या धाम, काशी, मथुरा-वृंदावन सहित प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों पर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सड़क सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। पड़ोसी राज्यों से सड़क मार्ग द्वारा आने वाले यात्रियों के लिए सुगम एवं सुरक्षित संपर्क मार्ग तथा आकर्षक स्वागत द्वार उनके यात्रा अनुभव को और अधिक सहज एवं यादगार बना रहे हैं, जिससे पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को भी निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रदेश के अन्तर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में विकसित हो रहा यह सुदृढ़ सड़क नेटवर्क राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बेहतर सड़क संपर्क से सुरक्षा एजेंसियों एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों की त्वरित आवाजाही सुनिश्चित होती है, जिससे किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई संभव हो पाती है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए समावेशी एवं संतुलित विकास सुनिश्चित करना है। सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों की यह व्यापक पहल उत्तर प्रदेश को देश के सर्वाधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक कनेक्टिविटी वाले राज्यों में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है तथा विकसित उत्तर प्रदेश एवं एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उार प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। राज्य की सीमाएं नेपाल सहित उाराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छीसगढ़, झारखंड तथा बिहार जैसे राज्यों से जुड़ी हुई हैं।

अभिषेक सिंह

साहित्य किसी दल का पिछलग्गू नहीं-वह राजनीति का मार्गदर्शक है

लेखिका डॉ ज्ञानवती दीक्षित सीतापुर

'शब्द किस तरह
कविता बनते हैं
इसे देखो
अक्षरों के बीच गिरे हुए
आदमी को पढ़ो
क्या तुमने सुना कि यह
लोहे की आवाज है या
मिट्टी में गिरे हुए खून
का रंग'
लोहे का स्वाद
लोहार से मत पूछो
उस घोड़े से पूछो
जिसके मुँह में लगाम है।
— धूमिल

आज झगड़ों का उत्सव चल रहा है। आरोप-प्रत्यारोप की बाढ़ है, कुर्सी की लड़ाई चरम पर है। नेता मंच पर खड़े होकर भाषण दे रहे हैं, नारेबाजी कर रहे हैं, एक-दूसरे पर कीचड़ उछाल रहे हैं। जनता जहाँ थी, वहीं खड़ी है — अपनी रोजमर्रा की समस्याओं, महँगाई, बेरोजगारी और असुरक्षा के साथ। और इस बीच कवि, साहित्यकार और तथाकथित बुद्धिजीवी सरकारी भोंपू बनकर अपने-अपने दलों के प्रचार में व्यस्त हैं। वे सत्ता के पक्ष या विपक्ष में लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, लेकिन सच को छूने से कतरा रहे हैं। देश की व्यवस्था, न्याय, समानता और आम आदमी की पीड़ा पर चर्चा कम, लड़कियों की भाषा-शैली, पोशाक या निजी जीवन पर व्याख्यान ज्यादा हो रहे हैं। साहित्य जो कभी सत्ता के सामने आईना था, आज सत्ता के पीछे-पीछे दौड़ रहा है। जो कभी अक्षरों के बीच गिरे हुए आदमी को पढ़ने की हिम्मत रखता था, आज दल-विशेष के नारे दोहरा रहा है। ईश्वर इनकी बुद्धि शुद्ध करें और इन्हें यह ज्ञान दें कि साहित्य किसी दल का पिछलग्गू नहीं होता। वह सदैव राजनीति से ऊपर है। राजनीति का मार्गदर्शक है वह, उसका सेवक नहीं। साहित्य समाज की आत्मा है, उसकी संवेदना है, उसका विवेक है। जब साहित्य राजनीति की छोटी-मोटी चालों में उलझ जाता है, तो उसकी गरिमा धूमिल हो जाती है। धूमिल ने ठीक ही कहा था — लोहे का स्वाद लोहार से मत पूछो, उस घोड़े से पूछो जिसके मुँह में लगाम है। आज जरूरत है उसी घोड़े की आवाज सुनने की, उसी आदमी को पढ़ने की जो अक्षरों के बीच गिरा पड़ा है। कृपया अपनी छोटी राजनीति से साहित्य की गरिमा को धूमिल न करें। साहित्य को फिर से उसकी स्वतंत्र, निर्भीक और मार्गदर्शक भूमिका में लौटने दीजिए।

अपनी रोजमर्रा की समस्याओं, महँगाई, बेरोजगारी और असुरक्षा के साथ। और इस बीच कवि, साहित्यकार और तथाकथित बुद्धिजीवी सरकारी भोंपू बनकर अपने-अपने दलों के प्रचार में व्यस्त हैं। वे साा के पक्ष या विपक्ष में लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, लेकिन सच को छूने से कतरा रहे हैं।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

नर्स कोर्स में एडमिशन का झांसा देकर छेड़छाड़ करने का प्रयास केस दर्ज

सहजनवा/गीडा थाना क्षेत्र के बरहुआ निवासी एक युवती जो अपने मामा के घर एकला में रहती है। शाम को वह अकेले खेत में गई हुई थी। उसी दौरान उसी गांव का एक युवक अकेला देखकर पास आ गया। और बोला कि कितनी पढ़ी हो तो पीड़िता ने बताया कि नर्स के कोर्स में एडमिशन लेना चाहती हूं। इस दौरान आरोपी ने कहा कि मेरी कमाई डेढ़ लाख महीना है। और एडमिशन कम में करा देंगे । इस दौरान वह अनर्गल बात करते हुए छेड़छाड़ करने की कोशिश करते हुए दौड़ा लिया। भाग कर पीड़िता सड़क पर पहुंची जहां एक महिला मिली उसी के पास खड़ी हो गई। इसके बाद आरोपी फरार हो गया। महिला ने पीड़िता के मामा को फोन कर घटना स्थल पर बुलाया। और साथ लेकर घर चले गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सर्वजीत यादव पुत्र साधु के खिलाफ मर्यादा भंग करने के इरादे से हमला करने का केस दर्ज कर लिया है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के आजीवन सदस्य कॉमरेड शंभू शरण तिवारी नहीं रहे

गोलाबाजार गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र के थाना उरुवा अंतर्गत ग्राम परसा निवासी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के आजीवन सदस्य एवं वरिष्ठ कॉमरेड शंभू शरण तिवारी का निधन सोमवार को उनके पैतृक निवास पर हो गया। कामरेड तिवारी काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर क्षेत्र में बिजली की तरह दौड़ पड़ी। उनका दाह संस्कार मंगलवार को गोला उपनगर के मुक्तिधाम पर विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ उनके बड़े पुत्र जयराम तिवारी ने मुखाग्नि दिया।उनके अंत्येष्टि में गांव, क्षेत्र के लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे। भा क पा से जुड़े सभी कामरेड साथी अंत्येष्टि स्थल पर उपस्थित होकर अपने दिवंगत कामरेड साथी के दिवंगत आत्मा के शांति के लिए शोक सभा कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। श्रद्धांजलि देते समय पार्टी का झंडा दिवंगत कामरेड के सम्मान में झुका रहा। इस शोक सभा में प्रमुख रूप से कामरेड सुरेश राय रामसेवक शुक्ला उदयप्रताप सिंह वीरेंद्र यादव राम बृक्ष यादव जयप्रकाश राय जगदीश पांडेय आशीष सिंह रामसावर यादव सहित अन्य कामरेड उपस्थित रहे।

एनकार्ड की बैठक सम्पन्न, प्रवर्तन अभियान जारी रखने के निर्देश

रायबरेली:– जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) सहदेव मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एनकार्ड की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नशीली दवाओं, अवैध शराब निर्माण की रोकथाम के लिए अब तक हुई कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की गई और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी द्वारा इस सम्बन्ध में त्रिस्तरीय कार्ययोजना तैयार कर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया जिसमें प्रथम स्तर पर जागरूकता एवं सतर्कता हेतु आबकारी विभाग, पुलिस विभाग, समाज कल्याण विभाग एवं महिला शासक्तिकरण विभाग द्वारा आपसी समन्वय से तहसील/ब्लाक / ग्राम पंचायत स्तर पर विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर बैनर लगवाकर नुक्कड़ नाटक या अन्य कार्यक्रम आयोजित कर नशे से होने वाली हानियों और कानूनी प्राविधानों आदि के सम्बन्ध में जागरूकता एवं सतर्कता का प्रचार-प्रसार किया जाए। द्वितीय स्तर में आबकारी पुलिस तथा ड्रग इन्सपेक्टर के समन्वय से प्रभावी प्रवर्तन कार्य किया जाये। तृतीय स्तर में जिला चिकित्सालय में तथा समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न केन्द्रों में काउन्सिलिंग तथा पुनर्वास की व्यवस्था की जाए उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाते हुए विद्यार्थियों एवं युवाओं को जागरूक किया जाए, ताकि समाज में नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सके।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जनपद में अवैध कच्ची शराब के निर्माण करने वालों पर लगातार प्रवर्तन की कार्यवाही की जा रही है। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी अरविन्द कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, ड्रग इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वैभव हत्याकांडः प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपी सर्वेश भट्ट का पैतृक मकान सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी के चर्चित वैभव हत्याकांड में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सर्वेश भट्ट के पैतृक आवास को सील कर दिया। मंगलवार को जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरोपी के घर पहुंचकर सीलिंग की कार्रवाई पूरी की। इस दौरान पूरे क्षेत्र में पुलिस बल तैनात रहा और आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुटी रही। जिलाधिकारी दीपक मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। खजनी तहसीलदार ध्रुवेष कुमार के नेतृत्व में राजस्व विभाग और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। कार्रवाई में राजस्व निरीक्षक देव नारायण मिश्रा, लेखपाल राजीव रंजन तथा गीडा थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय सहित अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

प्रशासन ने आरोपी सर्वेश भट्ट के पैतृक आवास को विधिवत सील कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मामले में आगे भी कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। गौरतलब है कि 12 वर्षीय वैभव की हत्या से पूरे खजनी क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के बाद हजारों की संख्या में लोग खजनी थाने पहुंच गए थे और आरोपी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग करते हुए उसके मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग भी उठी थी। जनाक्रोश को देखते हुए प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। मंगलवार को आरोपी के घर को सील किए जाने की कार्रवाई को प्रशासन की सख्त कार्यवाही के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का

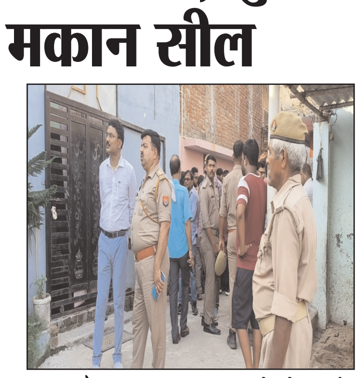

कहना है कि इस जघन्य घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है और वे दोषियों को शीघ्र एवं कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। वहीं पुलिस का कहना है कि वैभव हत्याकांड की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और उपलब्ध सभी साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पूरे मामले पर जिला प्रशासन और पुलिस की लगातार नजर बनी हुई है।

दबंगों ने जमीनी विवाद में पति पत्नी को पीटा, तीन के विरुद्ध मुकदमा हुआ दर्ज

गोलाबाजार गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम चाँद पार में दबंगों ने दरवाजा लगाने के विवाद मे पति पत्नी को बुरी तरह पीट कर घायल कर दिया। पीड़िता के लिखित तहरीर पर गोला पुलिस तीन के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया है। प्राप्त विवरण के अनुसार ग्राम चाँद पार की सुनैना पत्नी रघुनाथ गुप्ता ने अपने तहरीर में बताया है कि मेरे घर का दरवाजा लग रहा था। दरवाजा लगाने के विवाद को लेकर मेरे पड़ोसी स्वामी नाथ विश्वकर्मा पुत्र शिवदान,रघुनाथ पुत्र रुदल, भास्कर पुत्र केदार तीन लोगों ने दरवाजा हटाने के लिए गाली गुप्ता देने लगे। विरोध करने पर यह लोग हमें लात मुक्कों से मारेपीटे। मेरा बाल पकड़ कर दिवाल में लड़ा दिये। मेरे सर में चोट आ गई है। मुझे चक्कर आने लगा। उल्टी भी हुई। शोर सुनकर बचाव के लिए घर के अंदर से मेरे पति आ रहे थे कि उनको देखते ही यह लोग उनके ऊपर टूट पड़े। उनको भी लात मुक्का से पीटा। आस पास के लोग दौड़े तो वह लोग जान माल की धमकी देते भाग चले। इस मामले में गोला पुलिस ने बी एन एस की धारा 115 (2) 352, 351 (3) में मुकदमा पंजी कृत कर अगली कार्रवाई शुरू कर दिया है।

खजनी में 12 वर्षीय वैभव वर्मा की हत्या से सनसनी

संदिग्ध के तहखाने से मिला शव; आक्रोशित लोगों ने बुलडोजर कार्रवाई की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी कस्बे में मंगलवार को उस समय मातम और आक्रोश का माहौल फैल गया, जब सोमवार से लापता 12 वर्षीय वैभव वर्मा का शव संदिग्ध के मकान के तहखाने से बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना मिलते ही पूरे कस्बे में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में व्यापारी, स्थानीय लोग और परिजन सड़क पर उतर आए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारी पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया। पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, खजनी कस्बे के प्रतिष्ठित व्यापारी लक्ष्मी वर्मा के नाती तथा हनुमान वर्मा के पुत्र वैभव वर्मा सोमवार दोपहर करीब दो बजे रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने तत्काल तलाश शुरू की। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी, क्षेत्राधिकारी खजनी और प्रभारी निरीक्षक सहित कई टीमें पूरी रात बच्चे की खोज में जुटी रहीं। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

मंगलवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस ने संदिग्ध के मकान में गहन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान मकान के तहखाने से वैभव का शव बरामद होने पर परिजनों की चीख-पुकार से पूरा इलाका गूंज उठा। शव को देखकर मौके पर मौजूद लोग भी भावुक हो गए और पूरे कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने तथा उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो सड़क जाम और चक्का जाम कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। व्यापारियों ने भी घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए दोषियों को शीघ्र और कठोर सजा देने की मांग की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा घटना से जुड़े हर पहलू की गंभीरता से जांच की जाएगी। फिलहाल खजनी कस्बे में गम और गुस्से का माहौल है। मासूम वैभव की दर्दनाक मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है, जबकि पूरे क्षेत्र के लोग दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवन ध्वस्त करने का आदेश

सुल्तानपुर में सपा अल्पसंख्यक सभा का प्रदर्शन, राज्यपाल को भेजा मांग पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुलतानपुर में समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश का मंगलवार को विरोध किया। कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए इस संबंध में सभा ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष मोईन अहमद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने यह ज्ञापन सौंपा। इसमें ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने से हजारों छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों का भविष्य प्रभावित होगा। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक द्वेष भावना से यह कार्रवाई कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि विश्वविद्यालय निर्माण के समय यह क्षेत्र ग्राम सीगनखेड़ा ग्राम पंचायत में था। उस समय उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1947 या किसी अन्य कानून के तहत निर्माण की अनुमति लेना आवश्यक नहीं था।

ज्ञापन में बताया गया कि निर्माण के समय ग्राम सीगनखेड़ा आरबी एक्ट 1958 के तहत रेग्युलेटेड एरिया में शामिल नहीं था। रामपुर डेवलपमेंट एरिया में इस ग्राम को पहली बार 27 सितंबर 2024 को शामिल किया गया, जबकि विश्वविद्यालय का निर्माण इससे काफी पहले पूरा हो चुका था। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से जनहित और छात्रहित में जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को तोड़ने के आदेश को तुरंत रद्द करने और उचित वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपते समय जिलाध्यक्ष मोईन अहमद के साथ अली अहमद (जिला महासचिव/पूर्व प्रधान), ओसामा खान, धर्मेन्द्र यादव (राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी), सोनू निषाद, अबु तालिब खान, अमानुल्लाह, रिजवान खान, जुलफ़िकार ख़ान (जिला उपाध्यक्ष), शकील अहमद, मुजीबुर रहमान, अज़ीमुद्दीन और समीउल्ला अहमद सहित कई अन्य नेता उपस्थित थे।

महराजगंज में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, गांव में शोक की लहर

महराजगंज/ रायबरेली। महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के इंदौरा गांव में मंगलवार को लगभग शाम 03 बजे एक 35 वर्षीय युवक का शव उसके घर के छप्पर में रस्सी के सहारे लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान उत्सव गोविंद पुत्र स्वर्गीय सीताराम (35) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था घर के परिजन उस समय खेत पर काम करने गए थे। इसी दौरान युवक ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि मृतक दिव्यांग था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो छोटे बच्चे–एक पुत्र और एक पुत्री–हैं। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या या मर्डर के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उन्नाव कचहरी में अधिवक्ताओं को मिली नई सौगात, चैंबर संख्या 7 व 8 का हुआ लोकार्पण

जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह ने फीता काटकर किया शुभारंभ, गरीब व असहायों को निःशुल्क कानूनी सहायता देने का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। कचहरी परिसर मंगलवार को उस समय उत्साह और उल्लास से भर उठा, जब राजा राम राम बख्श सिंह अधिवक्ता भवन में चैंबर संख्या 7 व 8 का विधिवत उद्घाटन जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख अरुण सिंह ने फीता काटकर किया। एडवोकेट कुलदीप यादव, एडवोकेट प्रदीप यादव एवं एडवोकेट अभिषेक यादव के नव निर्मित चैंबर के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सभी ने इस पहल का स्वागत किया। मुख्य अतिथि अरुण सिंह ने कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी है। अधिवक्ता भवन और आधुनिक चैंबर न केवल न्यायिक कार्यों को सुगम बनाएंगे, बल्कि अधिवक्ताओं के बीच संवाद, समन्वय और पेशेवर गतिविधियों को भी नई दिशा देंगे। उन्होंने बार के विकास एवं अधिवक्ता हितों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं अधिवक्ता कुलदीप यादव ने कहा कि नए चैंबर के माध्यम से गरीब, मजलूम एवं असहाय लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा पात्र जरूरतमंदों के मुकदमों की निःशुल्क पैरवी की जाएगी।

समारोह में बार अध्यक्ष गिरीश कुमार मिश्रा, पूर्व बार अध्यक्ष सतीश शुक्ला, महामंत्री अनुज कुमार बाजपेयी, वरिष्ठ अधिवक्ता बलवंत बाबू, वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश यादव, प्रदीप यादव, अभिषेक यादव, राम सजीवन यादव, दिनेश अवस्थी, धीरेश

गोस्वामी, चिरंजीव सिंह, रुचि यादव, सोनालिका गुप्ता, विनय यादव उपकार, आशीष, योगेंद्र सिंह, अजय परिहार, समाजसेवी वीरेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए नवस्थापित चैंबर को अधिवक्ताओं की सुविधाओं और न्यायिक कार्यों के बेहतर संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

पत्नी और ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से तंग युवक ने दी जान, वीडियो में लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा में 28 वर्षीय युवक ने कथित पारिवारिक विवाद और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पहले युवक ने करीब चार मिनट का वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए पत्नी और उसके रिश्तेदारों को जिम्मेदार ठहराया। मामले में पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर पत्नी सहित पांच लोगों के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मगरवारा निवासी पवन राठौर अपने माता-पिता, पत्नी और चार वर्षीय बेटी के साथ रहता था। बताया गया कि उसकी शादी पांच वर्ष पूर्व कानपुर देहात निवासी रागिनी से हुई थी। पिछले कुछ महीनों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था और पत्नी अपनी बेटी के साथ मायके चली गई थी। परिजनों का कहना है कि इसी के बाद से पवन मानसिक तनाव में रहने लगा था।

रविवार दोपहर जब परिजन घर के बाहर बैठे थे, तभी पवन छत पर बने कमरे में चला गया। उसने मोबाइल फोन को रिकॉर्डिंग मोड पर रखकर वीडियो बनाया और इसके बाद टिनशेड में नायलॉन की रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक कोई हलचल न होने पर पिता कमरे में पहुंचे तो बेटे को फंदे से लटका पाया। पास में रखा मोबाइल अभी भी रिकॉर्डिंग कर रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों का आरोप है कि मृतक की पत्नी का अपने फुफेरे भाई से संबंध था, जिसके चलते आए दिन विवाद होता था। मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि पत्नी, सास, साले, साली और फुफेरे साले द्वारा लगातार मानसिक प्रताड़ना दिए जाने से उनका बेटा यह कदम उठाने को मजबूर हुआ। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में

मुकदमा दर्ज कर लिया है। मृतक के चाचा ने भी दावा किया कि पारिवारिक विवाद के दौरान बहू अक्सर पवन को अपमानित करती थी। वहीं, वायरल वीडियो और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को भी पुलिस ने जांच के दायरे में लिया है। मगरवारा चौकी प्रभारी रविशंकर पांडेय ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वायरल वीडियो, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों तथा परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

5 वर्षों से बंद पड़ा विद्युत शवदाह गृह, डीएम ने दिखाई सख्ती

रिपोर्ट तलब, मरम्मत कर शीघ्र संचालन के दिए निर्देश; रखरखाव के अभाव में लाखों की मशीनें हुईं जर्जर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। शहर की मिश्रा कॉलोनी स्थित विद्युत शवदाह गृह पिछले करीब पांच वर्षों से बंद पड़ा है। रखरखाव के अभाव में लाखों रुपये की मशीनें खराब हो चुकी हैं, जिसके चलते लोगों को पर्यावरण अनुकूल विद्युत दाह संस्कार के बजाय लकड़ी से अंतिम संस्कार कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने नगर पालिका प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट तलब कर शीघ्र मरम्मत कर संचालन शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार वर्ष 1994 में स्थापित विद्युत शवदाह गृह वर्ष 2021 में कोरोना महामारी के दौरान अंतिम बार संचालित हुआ था। इसके बाद मशीनों के एलीमेंट एवं अन्य तकनीकी उपकरण खराब होने के कारण इसका संचालन बंद हो गया। समय पर रखरखाव और मरम्मत न होने से उपकरण लगातार जर्जर होते चले गए।

बताया जाता है कि इससे पहले भी शवदाह गृह कई बार तकनीकी खराबी का शिकार हुआ था। तत्कालीन अधिशासी अधिकारियों के कार्यकाल में इसकी मरम्मत कराकर संचालन बहाल किया गया था। वर्ष

2021 से पहले लगभग तीन वर्षों तक यह नियमित रूप से संचालित रहा, जिसमें 200 से अधिक शवों का विद्युत प्रणाली से अंतिम संस्कार किया गया था। कोरोना काल में भी करीब 25 शवों का अंतिम संस्कार इसी व्यवस्था से किया गया। विद्युत शवदाह गृह बंद होने से आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी यह स्थिति चिंताजनक मानी जा रही है, क्योंकि विद्युत शवदाह प्रणाली लकड़ी आधारित अंतिम संस्कार की तुलना में अधिक पर्यावरण अनुकूल विकल्प मानी जाती है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को पूरे प्रकरण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अधिशासी अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि पुराने अभिलेखों और तकनीकी फाइलों का परीक्षण कराया जा रहा है। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद मरम्मत कार्य के लिए टेंडर जारी कर विद्युत शवदाह गृह को जल्द पुनः संचालित कराया जाएगा।

आजमगढ़ में अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं मे तीन युवकों की मौत

आजमगढ़। अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन युवकों की मौत हो गई। जहानागंज थाना क्षेत्र के धनहुआ गांव के समीप मंगलवार की सुबह दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में दोनों बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हलचल मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाइक सवार शिवशंकर द्विवेदी पुत्र विजय रतन दुबे निवासी बिशुनपुर, चिरैयाकोट मऊ और दूसरे बाइक सवार विजय कुमार पुत्र छबील, निवासी पुराना आरटीओ आफिस, भदुली, थाना सिधारी (आजमगढ़) धनहुआ के पास आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दूसरी घटना रानी की सराय थाना क्षेत्र में हुई। थाना क्षेत्र के सहीदवारा बाजार में मंगलवार की सुबह कार की चपेट मे आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। टेकमलपुर गांव निवासी छब्बीस वर्षीय किशन कुमार की गांव के पास ही दुकान है। सुबह नौ बजे बाइक से आजमगढ जा रहे था कि सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी। घटना के बाद कार सवार वाहन समेत भाग निकला। मौके पर ही बाइक सवार ने दम तोड दिया।

छात्रों की शिकायत पर हरकत में आया प्रशासन

तहसीलदार ने विद्यालय पहुंच कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। राजा चंद्रचूड़ सिंह विद्यापीठ इंटर कॉलेज की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार को दर्जनों छात्र-छात्राओं का सब्र टूट गया। विद्यार्थियों ने तहसील पहुंचकर तहसीलदार मंजुला मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए विद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं की शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार बिना देर किए स्वयं विद्यालय पहुंचीं और व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार और खेल मैदान में जलभराव की गंभीर समस्या सामने आई। साथ ही विद्यार्थियों के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। तहसीलदार ने विद्यालय में मौजूद शिक्षकों से व्यवस्थाओं, विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी मांगी, लेकिन कई महत्वपूर्ण सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका।

छात्रों ने आरोप लगाया कि उनसे नियमित रूप से शिक्षण शुल्क लिया जाता है, लेकिन उसकी रसीद उपलब्ध नहीं कराई जाती। इस शिकायत को तहसीलदार ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित अभिलेखों और प्रक्रिया की जांच के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने बताया कि विद्यालय में भौतिक विज्ञान और गणित के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, जिससे उनकी पढ़ाई और बोर्ड परीक्षा की तैयारी प्रभावित हो रही है। इस पर तहसीलदार ने नाराजगी जताई और संबंधित जिम्मेदारों से स्पष्टीकरण मांगते हुए आवश्यक सुधार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों का कहना है कि जलभराव, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी और विषय शिक्षकों के अभाव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी समाधान नहीं हुआ। प्रशासन द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच किए जाने से छात्रों में शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जगी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि छात्रों की शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो इन अव्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार कौन है और उन पर क्या कार्रवाई होगी?

ग्राम प्रधानों के मानदेय व कल्याणकारी सुविधाएं बहाल रखने की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

लखनऊ। ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी एवं भदोही जनपद के महजूदा गांव के प्रशासक तथा संगठन के राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पांडेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर प्रशासक के रूप में कार्यरत निवर्तमान ग्राम प्रधानों के मानदेय, ग्राम प्रधान कल्याण कोष एवं अन्य वैधानिक सुविधाओं के संबंध में आवश्यक निर्णय लेने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि ग्राम पंचायतों के नए गठन तक निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त कर ग्रामीण प्रशासन की निरंतरता बनाए रखने का निर्णय सराहनीय है, लेकिन विभिन्न जनपदों से प्रशासक के रूप में कार्यरत ग्राम प्रधानों के मानदेय, ग्राम प्रधान कल्याण कोष तथा अन्य वैधानिक सुविधाओं को लेकर असमंजस की स्थिति सामने आ रही है। इससे पंचायत प्रतिनिधियों और उनके परिवारों में चिंता व्याप्त है। पत्र में मांग की गई है कि प्रशासक के रूप में कार्यरत निवर्तमान ग्राम प्रधानों के मानदेय को लेकर स्पष्ट शासनादेश जारी किया जाए, ग्राम प्रधान कल्याण कोष एवं अन्य कल्याणकारी सुविधाएं पूर्व की भांति जारी रखी जाएं तथा यदि किसी प्रकार की प्रशासनिक या विधिक बाधा हो तो उसका शीघ्र निराकरण किया जाए। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और वैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी और राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पांडेय ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री पंचायत प्रतिनिधियों के हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर लाखों प्रशासक ग्राम प्रधानों को राहत प्रदान करेंगे।

जमीन धंसने से निकली रहस्यमयी सुरंग, प्राचीन अवशेष मिलने से बढ़ी उत्सुकता

एएसआई और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शुरू किया वैज्ञानिक सर्वेक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली) विकासखंड क्षेत्र के ओई गांव में जमीन धंसने से एक रहस्यमयी सुरंग सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में कौतूहल का माहौल है। सुरंग के भीतर से प्राचीन मिट्टी की सुराही, हैंडल वाली धूपदानी तथा अन्य पुराने अवशेष मिलने की सूचना के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को जांच के लिए मौके पर भेजा है। मंगलवार सुबह लगभग 8 बजे से संयुक्त टीम स्थल का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर रही है। प्रारंभिक जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि सुरंग किस कालखंड की है, इसका निर्माण किस उद्देश्य से किया गया था तथा यहां मिले अवशेषों का ऐतिहासिक महत्व क्या है। यह घटना ओई गांव निवासी गुरुदेई पत्नी स्वर्गीय रामदेव के खेत की है। बताया

जा रहा है कि हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण खेत की मिट्टी अचानक धंस गई। सतह पर लगभग एक मीटर का छोटा गड्ढा दिखाई देता है, लेकिन भीतर कई मीटर गहरी और लगभग 10 मीटर चौड़ी गुफानुमा सुरंग होने की बात सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि सुरंग के अंदर पुरानी ईंटों से बनी संरचना दिखाई दे रही है। साथ ही वहां प्राचीन मिट्टी के बर्तन और अन्य ऐतिहासिक अवशेष भी मिले हैं। उल्लेखनीय है कि ओई गांव पहले से ही अपने प्राचीन ऐतिहासिक टीले के लिए जाना जाता है, जिससे इस खोज को और अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देश पर उपजिलाधिकारी महराजगंज चंद्र प्रकाश गौतम की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर एएसआई और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा वैज्ञानिक जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व पर आधिकारिक रूप से कुछ कहा जा सकेगा। सुरंग की जानकारी फैलते ही प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे। कुछ लोग गड्ढे के भीतर उतरने का प्रयास भी कर रहे थे, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ गई। इसे देखते हुए प्रशासन ने पूरे क्षेत्र की बैरिकेडिंग कर दी है तथा सुरक्षा के मद्देनजर 24 घंटे पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा घेरा पार न करें और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

कोंच(जालौन)- कोतवाली पुलिस ने वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त साविर (34) पुत्र शरीफ निवासी आजाद नगर थाना कोंच है। वह 401 आईपीसी से संबंधित मामले में वांछित था। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शिवनारायण वर्मा एवं कांस्टेबल धर्मराज शामिल रहे।

कारगिल के अमर शहीदों को किया नमन, विद्यार्थियों ने देशभक्ति का लिया संकल्प

तिलहर शाहजहांपुर। नगर के सरकारी अस्पताल रोड स्थित एलबीजेपी इंटर कॉलेज में मंगलवार को कारगिल विजय दिवस देशभक्ति और राष्ट्र गौरव के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और विद्यार्थियों ने राष्ट्र की सेवा, एकता तथा अखंडता की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य भारत भूषण के नेतृत्व में शहीद सैनिकों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद आयोजित गोष्ठी में शिक्षकों ने कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारतीय सेना के अदम्य साहस, वीरता और बलिदान की गाथा विद्यार्थियों के समक्ष रखी। वक्ताओं ने कहा कि कारगिल विजय दिवस देश की आन-बान और शान की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया, ताकि वे भविष्य में देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के अंत में कारगिल युद्ध में शहीद हुए रणबांकुरों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर आशीष कुशवाह, डॉ. अनिल कुमार, इंद्रदेव, मुनेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, शाहिद अली सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कानपुर में इंटरसेप्टर के द्वारा हो रहे हैं ओवर स्पीड वाहनों के चालान, 289 वाहनों के चालान

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 8 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आज दिनांक 28.07.2026 में की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 43 ट्रक, 09 बस, 129 चार पहिया /दो पहिया 181 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 52 चार पहिया /दो पहिया 52 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। गंगा बैराज पर 56 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की आमजनमानस से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें। रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। ओवरटेक हमेशा दाहिनें से करें। सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें। यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें। शराब पीकर वाहन न चलायें नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफाजत भी करता है।

रामापुर तिराहे पर अवैध अस्पताल संचालन का आरोप, जांच की मांग तेज

लखीमपुर खीरी। रामापुर तिराहे पर संचालित अष्ट विनायक हॉस्पिटल को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अस्पताल बिना वैध पंजीकरण और आवश्यक मानकों के संचालित हो रहा है तथा यहां मरीजों का इलाज किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि अस्पताल के संचालन को लेकर कई बार शिकायतें की गई, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। कुछ लोगों ने यह आरोप भी लगाया है कि अस्पताल को स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। हालांकि, संबंधित अधिकारियों की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ग्रामीणों का कहना है कि एंबुलेंस चालकों और बिचौलियों के माध्यम से मरीजों को अस्पताल लाया जाता है तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों और आवश्यक चिकित्सा मानकों की उपलब्धता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

महिला का शव मिलने के दो दिन बाद पति का शव भी मिला, क्षेत्र में सनसनी

दो दिन पूर्व नयापुरवा गांव में एक महिला का शव उसके घर के पास संदिग्ध अवस्था में मिला था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। थाना शारदानगर क्षेत्र के ग्राम नयापुरवा में एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के दो दिन बाद उसके पति का शव भी मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस दोनों घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, दो दिन पूर्व नयापुरवा गांव में एक महिला का शव उसके घर के पास संदिग्ध अवस्था में मिला था। सूचना पर पहुंची थाना शारदा नगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। उस समय पुलिस ने कहा था कि मृत्यु के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। इसी बीच मंगलवार सुबह महिला के पति का शव घर में उसी जगह लटका मिला। ग्रामीणों ने शव देखे जाने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की।

थाना प्रभारी शारदा नगर ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। महिला की मृत्यु के कारणों तथा पुरुष की मौत की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपुष्ट सूचनाएं और अफवाहें प्रसारित न करें तथा जांच में सहयोग करें। पुलिस का कहना है कि दोनों घटनाओं के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और तथ्य सामने आने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन श्रद्धालुओं को बनारस दर्शन के लिए निशुल्क भेजेगा

गुरु पूर्णिमा पर विशेष व्यवस्था, घर से कलेक्ट्रेट तक परिवहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जिला प्रशासन बनारस दर्शन के इच्छुक श्रद्धालुओं को निशुल्क सुविधा प्रदान कर रहा है। इस पहल के तहत, श्रद्धालुओं को उनके घर से बनारस तक पहुंचाया जाएगा और दर्शन के उपरांत वापस उनके घर छोड़ा जाएगा। इसी क्रम में, ब्लॉक भदपुरा के पेहना गांव से आठ लोगों की सूची प्राप्त होने के बाद प्रशासन तुरंत गांव पहुंचा। एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, एसडीएम नवाबगंज सचिन यादव और प्रभारी निरीक्षक क्यों लड़िया वेद सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी गांव पहुंचे और लोगों से संपर्क किया। पेहना गांव में स्थित विश्व बली आश्रम में भी गुरु पूर्णिमा पर एक बड़े आयोजन की तैयारी है। बनारस जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह निशुल्क सेवा उनके घर से शुरू होकर बरेली कलेक्ट्रेट तक उपलब्ध होगी। कलेक्ट्रेट परिसर से विशेष बसों द्वारा उन्हें बनारस ले जाया जाएगा। एसडीएम ने बताया कि जो भी श्रद्धालु बनारस जाने के इच्छुक होंगे, उन्हें प्रशासन द्वारा पूरी तरह निशुल्क यात्रा कराई जाएगी। दर्शन के बाद उन्हें सुरक्षित उनके घरों तक वापस पहुंचाया जाएगा।

श्रावण मास के दृष्टिगत आनंदेश्वर मंदिर का निरीक्षण

कानपुर। आगामी श्रावण मास के दृष्टिगत जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव एवं अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल डॉ. अर्चना सिंह द्वारा थाना ग्वालटोली क्षेत्रान्तर्गत स्थित आनन्देश्वर मन्दिर, परमट का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान मन्दिर परिसर, दर्शन मार्ग, बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। साथ ही मन्दिर के संचालकों एवं मुख्य पुजारी से वार्ता कर श्रावण मास में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम एवं सुरक्षित दर्शन तथा भीड़ प्रबंधन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुचारु वातावरण उपलब्ध कराया जा सके तथा कानून-व्यवस्था पूर्णतः बनाए रखी जा सके।

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई पर रोक की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/पीलीभीत/ समाजवादी अल्पसंख्यक सभा, पीलीभीत के जिलाध्यक्ष रियाज़ खांन के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने सोमवार को जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने की प्रस्तावित कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि विश्वविद्यालय से जुड़े हजारों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व कर्मचारियों का भविष्य इस कार्रवाई से प्रभावित होगा। किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या कानूनी कार्रवाई संविधान, कानून और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए। यदि निर्माण से संबंधित कोई विवाद है, तो उसका समाधान विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए, ताकि शिक्षा और छात्रों के हितों को नुकसान न पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि जौहर विश्वविद्यालय रामपुर जनपद में शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जो लंबे समय से छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। ऐसे में भवनों को तोड़ने की कार्रवाई जनहित और छात्रहित के खिलाफ है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय निर्माण के संबंध में विभिन्न तथ्यों को नजरअंदाज कर कार्रवाई की जा रही है, जो न्यायसंगत नहीं है। इसलिए सरकार से मांग की गई है कि प्रस्तावित कार्रवाई पर रोक लगाते हुए निष्पक्ष जांच कर उचित निर्णय लिया जाए। इस दौरान अल्पसंख्यक सभा के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने एक स्वर में विश्वविद्यालय को बचाने की मांग उठाई। इस मौके पर प्रदेश सचिव सरदार अमर सिंह,हाजी शीबू मलिक, जिला महासचिव सैय्यद रिहानुल क़ादरी,काहिद अली, गयासुद्दीन मंसूरी, नोमान अली वारसी, अब्दुल अज़ीज़ मंसूरी, शकील खां, मोहम्मद नसीम खां,गयास खां एडवोकेट, इरशाद अहमद नेता अशफ़ाक अहमद ख़ां,सरदार जोविनप्रीत सिंह,अदील अहमद मलिक, हाजी इम्तियाज अल्वी। मौलाना आरिफ़ हशमती,हाजी अकबर अहमद अंसारी, फरफूद अली विधानसभा अध्यक्ष, नाजिम खां,हसन खां, हाशिम अली, आरिश खान अजहरी,नाबिर अली मंसूरी, तस्लीम अहमद, अज़ीम खां, इमरान खान, अमन अली, नौशाद गाज़ी, वसीम, सोईल अहमद, अफ़ज़ल अंसारी।

वाहन की टक्कर से रेलवे क्रासिंग का फाटक क्षतिग्रस्त, यातायात रहा प्रभावित

कोंच(जालौन)- रेलवे फाटक पर मंगलवार सुबह फाटक बंद किए जाने के दौरान एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे रेलवे फाटक क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। फाटक क्षतिग्रस्त होने के कारण रेलवे क्रॉसिंग से बड़े वाहनों की आवाजाही ठप पड़ गई। ट्रक और अन्य भारी वाहनों को नदीगांव रोड से सब्जी मंडी गेट होकर वैकल्पिक मार्ग से निकालना पड़ा। इस दौरान रेलवे फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और जाम जैसी स्थिति बनी रही। हादसे के चलते रेलवे का ऑटोमेटिक फाटक संचालन सिस्टम भी प्रभावित हो गया। इसके बाद कर्मचारियों ने हैंडवर्क के माध्यम से फाटक का संचालन किया, ताकि ट्रेनों का आवागमन सुरक्षित ढंग से जारी रखा जा सके। सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त फाटक की मरम्मत कार्य शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद फाटक को दुरुस्त किया जा सका जिसके बाद ही यातायात सामान्य हो सका।

मांगों को लेकर हड़ताल पर रहे बिजली विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मचारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- बिजली विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों ने मंगलवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के चलते इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर विभाग के अधिकांश कार्य प्रभावित रहे। बड़ी संख्या में कर्मचारी लखनऊ स्थित शक्ति भवन में आयोजित प्रदेशव्यापी धरना-प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे, और जो कर्मचारी वहां नहीं जा सके उन्होंने अपने-अपने कार्यस्थलों पर रहकर हड़ताल का समर्थन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन वर्षों से कार्यरत हजारों अनुभवी आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगों की लगातार अनदेखी कर रहा है। उनका कहना है कि बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है, कार्य के अनुरूप अनुबंध लागू नहीं किए गए हैं तथा 18 हजार रुपये मासिक वेतन निर्धारित करने की मांग भी लंबित है। इसके अलावा श्रम कानूनों के उल्लंघन, ईपीएफ से जुड़े मामलों में कार्रवाई न होने, कार्यस्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत न किए जाने और पूर्व में हुए समझौतों का पालन नहीं किए जाने का भी आरोप लगाया गया। जिलाध्यक्ष शिवम सिंह चौहान ने बताया कि मांगों के समाधान के लिए पहले भी प्रबंधन से कई दौर की वार्ता हुई थी, लेकिन सहमति बनने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी के विरोध में संगठन ने प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस दौरान प्रदीप झा, कन्हैया, प्रदीप सिंह, दिनेश कुशवाहा, सूरज सिंह, राहुल, दीपक पांचाल, हरीसिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

वाहन की टक्कर से रेलवे क्रासिंग का फाटक क्षतिग्रस्त, यातायात रहा प्रभावित

कोंच(जालौन)- रेलवे फाटक पर मंगलवार सुबह फाटक बंद किए जाने के दौरान एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे रेलवे फाटक क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। फाटक क्षतिग्रस्त होने के कारण रेलवे क्रॉसिंग से बड़े वाहनों की आवाजाही ठप पड़ गई। ट्रक और अन्य भारी वाहनों को नदीगांव रोड से सब्जी मंडी गेट होकर वैकल्पिक मार्ग से निकालना पड़ा। इस दौरान रेलवे फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और जाम जैसी स्थिति बनी रही। हादसे के चलते रेलवे का ऑटोमेटिक फाटक संचालन सिस्टम भी प्रभावित हो गया। इसके बाद कर्मचारियों ने हैंडवर्क के माध्यम से फाटक का संचालन किया, ताकि ट्रेनों का आवागमन सुरक्षित ढंग से जारी रखा जा सके। सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त फाटक की मरम्मत कार्य शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद फाटक को दुरुस्त किया जा सका जिसके बाद ही यातायात सामान्य हो सका।

हाईवे पर चला अभियान

सड़क किनारे खड़े 261 वाहनों पर एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 261 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन करें हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग

मांग को लेकर हिन्दू रक्षा दल सहित, हिन्दू संगठनों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित किए जाने की मांग को लेकर हिन्दू रक्षा दल सहित विभिन्न हिन्दू संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सोमवार को कानपुर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां हिन्दू रक्षा दल के नेतृत्व में भारत सरकार के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान हिन्दू रक्षा दल और अन्य हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने गौ माता के समर्थन में जोरदार नारे लगाए तथा सरकार से गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग की। ज्ञापन में हिन्दू रक्षा दल एवं अन्य हिन्दू संगठनों ने कहा कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और धार्मिक आस्था में गौ माता का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इसलिए देशभर के करोड़ों सनातनियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए भारत सरकार को गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। साथ ही गौ संरक्षण के लिए प्रभावी एवं कठोर कदम उठाए जाने की भी मांग की गई। इस अवसर पर हिन्दू रक्षा दल के कानपुर नगर जिला अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यदि भारत सरकार आवश्यकता पड़ने पर कम समय में बड़े-बड़े निर्णय ले सकती है, तो करोड़ों सनातनियों और हिन्दू संगठनों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग पर भी सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिन्दू रक्षा दल देशभर में गौ संरक्षण और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। हिन्दू रक्षा दल के जिला अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने आगे कहा कि देश के विभिन्न राज्यों और जनपदों से समय-समय पर गौवंश के अवशेष मिलने की घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिससे हिन्दू समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त होता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि गौ हत्या पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करने के लिए कठोर कानूनों का सख्ती से पालन कराया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान हिन्दू रक्षा दल सहित विभिन्न हिन्दू संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्वक अपनी मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं और आशा व्यक्त की कि जिलाधिकारी के माध्यम से उनकी मांग भारत सरकार तक पहुंचाई जाएगी तथा गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित किए जाने के विषय में उचित निर्णय लिया जाएगा। हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने कहा कि गौ माता के सम्मान और संरक्षण के लिए उनका अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से जनजागरण और आंदोलन किए जाएंगे।

डीएम के निरीक्षण में अधिशासी अभियंता ही गैर हाजिर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। सुबह 11 बजे निचली गंगा नहर, कानपुर प्रखंड कार्यालय के आकस्मिक निरीक्षण में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को अधिशासी अभियंता समेत चारों सहायक अभियंता, दो लिपिक एवं एक सींचपाल कार्यालय से अनुपस्थित मिले। मानसून के दौरान नहरों और तटबंधों की निगरानी जैसे संवेदनशील समय में जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के एक साथ अनुपस्थित मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने चार सहायक अभियंताओं, तीन लिपिक एवं एक सींचपाल के विरुद्ध एक दिन के वेतन संबंधी कार्रवाई के निर्देश दिए, जबकि अधिशासी अभियंता से तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया है। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता के अधीन कार्यरत चारों सहायक अभियंता सार्थक, प्रशांत वर्मा, राम प्रकाश एवं विनोद कुमार कार्यालय में उपस्थित नहीं मिले। उनकी अनुपस्थिति के संबंध में कोई पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश का अभिलेख उपलब्ध नहीं था। वहीं, उपस्थिति पंजिका के परीक्षण में सींचपाल संजय कुमार गुप्ता के साथ लिपिक वीरेंद्र कुमार माथुर, एन.के. पटेल व ज्योति खाना भी अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने चारों सहायक अभियंताओं, लिपिक वीरेंद्र कुमार माथुर, लिपिक एन.के. पटेल, ज्योति खन्ना एवं सींचपाल संजय कुमार गुप्ता को 28 जुलाई के लिए अनुपस्थित मानते हुए नियमानुसार एक दिन के वेतन संबंधी कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पृथक-पृथक स्पष्टीकरण प्राप्त कर तीन दिन के भीतर तथ्यपरक संस्तुति सहित आख्या उपलब्ध कराने को कहा। अधिशासी अभियंता से भी तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया गया है। उनसे पूछा गया है कि वर्षा ऋतु जैसी संवेदनशील परिस्थितियों में वह स्वयं तथा सभी सहायक अभियंता बिना पूर्व अनुमति कार्यालय से अनुपस्थित क्यों पाए गए तथा क्षेत्रीय स्तर पर नहरों एवं तटबंधों की निगरानी किस प्रकार सुनिश्चित की जा रही थी।

सीएचसी के कक्ष में सर्प निकलने से मची अफरा तफरी

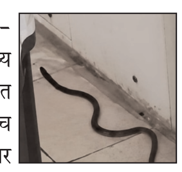

कोंच(जालौन)- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में बीती रात उस समय हड़कंप मच गया, जब कमरा नंबर एक स्थित इंजेक्शन कक्ष में अचानक एक सर्प निकल आया। घटना सोमवार की रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। उस समय ड्यूटी पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इंजेक्शन कक्ष में सर्प दिखाई देते ही स्वास्थ्य कर्मियों ने इसकी सूचना स्वास्थ्य केंद्र प्रशासन को दी जिसके बाद सर्प को बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए गए। सर्प निकलने की घटना ने स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई को लेकर सवाल खड़े जरूर कर दिए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि बरसात के मौसम में स्वास्थ्य केंद्र परिसर में झाड़-झक्कड़ और जलभराव के कारण अक्सर जहरीले जीव जंतु निकलने का खतरा बना रहता है। वहीं, केंद्र प्रभारी अनिल कुमार शाक्य ने स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं और परिसर की साफ-सफाई के साथ आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित कराने की बात कही है।

आईजीआरएस में लापरवाही पर डीएम मंगला प्रसाद सिंह सख्त

22 विभागों के अधिकारियों का वेतन रोका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) की समीक्षा बैठक में शिकायतों के निस्तारण में बरती जा रही लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। समीक्षा के दौरान सामने आई गंभीर अनियमितताओं पर उन्होंने 22 विभागों के अधिकारियों का वेतन रोकने के आदेश दिए तथा संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी तलब किया। बैठक में 1 जुलाई से 27 जुलाई तक प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की गई। इस दौरान पाया गया कि कई विभागों ने शिकायतकर्ताओं से अनिवार्य फीडबैक नहीं लिया। इसके अलावा पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण से संबंधित फोटो और विस्तृत आख्या भी अपलोड नहीं की गई। इन कमियों को गंभीर मानते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित 22 विभागों के अधिकारियों का वेतन रोकने का निर्देश जारी किया। समीक्षा में यह भी सामने आया कि कुछ मामलों में एल-1 अधिकारी के हस्ताक्षर के बिना ही एल-2 अधिकारी द्वारा निस्तारण आख्या पोर्टल पर अपलोड कर दी गई। इस अनियमितता पर जिलाधिकारी ने एल-1 एवं एल-2 दोनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा। वहीं, बैठक से चकबंदी अधिकारी और अपर चकबंदी अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर उनका भी वेतन रोकने का आदेश दिया गया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप आईजीआरएस मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने, शिकायतकर्ता से अनिवार्य रूप से फीडबैक लेने, निस्तारण से संबंधित फोटो पोर्टल पर अपलोड करने तथा केवल एल-1 अधिकारी के हस्ताक्षरयुक्त निस्तारण आख्या ही अपलोड करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आलोक कुमार, अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी गुलशन जी, सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभय कुमार राय सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में वृद्धा घायल

कोंच(जालौन)- सड़क हादसे में 55 वर्षीय बाइक सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि सड़क पर अचानक एक कुत्ता आ जाने से उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा और उसे गंभीर चोटें आई। राहगीरों की मदद से उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, शंभुदयाल वर्मा (55) पुत्र रामकिशुन वर्मा निवासी ग्राम छानी मंगलवार की सुबह करीब 9 बजे अपने भाई की त्रयोदशी कार्यक्रम के लिए कोंच मंडी से सब्जी खरीदने जा रहा था। वह ग्राम पचीपुरा के आगे मंलगा पुल के समीप पहुंचे तभी अचानक एक कुत्ता सड़क पर उसकी बाइक के सामने आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर पड़े।

संक्षिप्त खबरें

पीस कार्टेज स्कूल सुरियावा में राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न

भदोही के सुरियावां स्थित पीस कॉटेज स्कूल में मंगलवार, 28 जुलाई 2026 को एक राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। इस प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी लेखन क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक डॉ. अजय कुमार पांडेय ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों में सृजनात्मक सोच, आत्मविश्वास और भाषा कौशल का विकास करती हैं। कार्यक्रम में प्रबंधक माया पाण्डेय,प्रधानाचार्य नीरज दुबे, वी.एस. दुबे, स्वागता साहा और नितेश उपाध्याय सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का समापन प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन और सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देने के साथ हुआ।

वाराणसी से चुनार तक पुनः सिटी बस का हो संचालन-विजय कुमार वर्मा

चुनार, मीरजापुर। जिला सहकारी संघ लिमिटेड मीरजापुर ,सोनभद्र के चेयरमैन, नगर पालिका परिषद चुनार के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर वाराणसी से चुनार, कैलहट,एवं पड़री (अदलपुरा) तक पुनः सिटी बस सेवा संचालित करने की मांग की है। श्री वर्मा ने पत्र में लिखा कि कुछ माह पूर्व तक वाराणसी से चुनार, कैलहट एवं पड़री बाया अदलपुरा मार्ग पर सिटी बस सेवा संचालित थी जिससे इस क्षेत्र के हजारों यात्रियों, विद्यार्थियों, नौकरी पैसा लोगों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों को आवागमन में अत्यंत सुविधा प्राप्त होती थी किंतु विगत कई महीनो से उक्त सिटी बस सेवा बंद होने के कारण क्षेत्र की आम जनता को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है विशेष कर दैनिक यात्रियों को निजी वाहनों एवं महंगे साधनों पर निर्भर होना पड़ रहा है ,जिससे समय एवं धन दोनों की अतिरिक्त हानि हो रही है अतः उक्त सेवा को पुनः संचालित करना जनहित में जरूरी है।

लोजपा (रामविलास) ने कमल तिवारी व धनंजय दुबे को बनाया प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट/प्रवक्ता

भदोही। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) उत्तर प्रदेश ने भदोही के दो नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कमल तिवारी और धनंजय दुबे को प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट/प्रवक्ता नियुक्त किया गया। दोनों नेताओं के मनोनयन से जिले के पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। यह निर्णय 24 जुलाई को वाराणसी के सर्किट हाउस में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी की संस्तुति तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं सांसद अरुण भारती और राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार (मुन्ना) के अनुमोदन के बाद लिया गया। कमल तिवारी पहले से ही पार्टी में प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। नवनियुक्त प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट/प्रवक्ता कमल तिवारी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, उत्तर प्रदेश प्रभारी अरुण भारती, राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार (मुन्ना) तथा प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता और मीडिया तक पहुंचाने के साथ संगठन को मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य करेंगे। पार्टी ने इसके अलावा जितेंद्र तिवारी, अमरेश पाठक, विकास पांडेय, अभिनव श्रीवास्तव, हरिकेश पासवान, जितेंद्र पासी और अनिल पासवान को भी प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट/प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्तियों पर भदोही सहित प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

ए.के. शर्मा ने खराब सड़कें दुरुस्त करने और कांवड़ यात्रा की बेहतर व्यवस्था के दिए निर्देश

जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक में जलभराव, स्वच्छता, बिजली सुरक्षा और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर दिया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ प्रशासनिक समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कर विकास कार्यों, बरसात की तैयारियों तथा श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाए।

बैठक में मंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि वर्षा से क्षतिग्रस्त एवं गड्ढायुक्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। वहीं जल निगम को पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने के निर्देश दिए। नगर पालिका एवं नगर पंचायतों को जलभराव रोकने के लिए नालों-नालियों की नियमित सफाई और प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने साफ-सफाई, नियमित फॉगिंग, एंटी-लार्वा छिड़काव और अन्य आवश्यक उपायों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जनस्वास्थ्य से किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान मंत्री ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए लंबित परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

श्रावण मास में शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर उन्होंने कांवड़ मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने, पेयजल, प्रकाश और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग को कांवड़ मार्गों पर विद्युत तारों और पोलों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप आवश्यक कार्य तत्काल पूरा करने को कहा। साथ ही किसानों को निर्धारित रोस्टर के

अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं और विकास संबंधी मुद्दे उठाए, जिन पर प्रभारी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने कांवड़ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक दीनानाथ भास्कर, विधायक विपुल दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल समेत जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के आवेदन की समय-सारिणी जारी

भदोही। वित्तीय वर्ष 2026-27 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति (उच्च शिक्षा) योजना के लिए आवेदन की समय-सारिणी जारी कर दी गई है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि शिक्षण संस्थानों द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने की अंतिम तिथि 15 अगस्त है, जबकि विश्वविद्यालयों द्वारा शुल्क सत्यापन 30 अगस्त तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नवीनीकरण (Renewal) के छात्र-छात्राएं 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक तथा नवीन (Fresh) छात्र-छात्राएं 15 सितंबर से 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन के बाद नवीन छात्र-छात्राओं को 4 नवंबर तक आवेदन की हार्ड कॉपी संबंधित शिक्षण संस्थान में जमा करनी होगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने पात्र छात्र-छात्राओं से समय सीमा के भीतर आवेदन करने और आवश्यक अभिलेख समय पर जमा करने की अपील की है।

जरहाँ गांव में भूमि विवादः 4.5 बीघा की रजिस्ट्री, 12 बीघा पर कब्जे के प्रयास का आरोप

जरहाँ में भूमि विवाद बाहुबल और प्रभाव के दम पर अतिरिक्त जमीन जोतने का प्रयास, थाने पहुंचा मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/सोनभद्र- ग्राम जरहाँ में भूमि विवाद ने तूल पकड़ लिया है। शिकायतकर्ता पक्ष ने स्थानीय थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि दूसरे पक्ष ने केवल 0.3905 हेक्टेयर (लगभग 4.5 बीघा) भूमि की रजिस्ट्री कराई है, लेकिन अब करीब 12 बीघा भूमि पर जोताई कर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। तहरीर के अनुसार, शिकायतकर्ता साधारण पुत्र स्व. शीतल, रविचन पुत्र स्व. शीतल एवं बलिकरण पुत्र स्व. शीतल वर्षों से उक्त भूमि पर खेती करते आ रहे हैं। उनका आरोप है कि हीरामणि पत्नी गणपत, गणपत पुत्र माखन, राधेश्याम पुत्र गणपत, श्यामसागर पुत्र गणपत, मुकेश पुत्र गणपत, राजेश पुत्र गणपत एवं देवेंद्र पुत्र गणपत ने हाल ही में लगभग 4.5 बीघा भूमि खरीदी है, लेकिन उससे कहीं अधिक 12 बीघा भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

उपलब्ध विक्रय पत्र के अनुसार ?10 लाख में 0.3905 हेक्टेयर (लगभग 4.5 बीघा) भूमि की रजिस्ट्री हुई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि खरीदी गई भूमि से लगभग 7.5 बीघा अधिक भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ लोग बाहुबल और ग्राम प्रधान पद के प्रभाव का इस्तेमाल कर विवादित भूमि पर जोताई कराने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़ित पक्ष ने प्रशासन,पुलिस और राजस्व विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच, सीमांकन कराने तथा अवैध कब्जे के प्रयास को रोकने की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले की सत्यता जांच और राजस्व अभिलेखों के परीक्षण के बाद ही स्पष्ट होगी।

किसानों को खाद की सुलभ उपलब्धता के लिए डीएम ने किया खाद आवंटन

1377 मीट्रिक टन यूरिया, 1168 मीट्रिक टन डीएपी का हुआ आवंटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- खरीफ फसल की बुवाई के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के बाद जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद की 74 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1377 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की गई है। इसी तरह 71 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1168 मीट्रिक टन डीएपी का आवंटन किया है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि जनपद की 74 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों पर 1377 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की गई है। इसी तरह 71 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1168 मीट्रिक टन डीएपी का आवंटन स्वीकृत किया गया है। आवंटित उर्वरकों की आपूर्ति पीसीएफ के माध्यम से संबंधित बिक्री केंद्रों तक कराई जा रही है ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति या इफको बिक्री केंद्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें और केवल निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें। किसानों से यह भी कहा गया है कि यदि कहीं कालाबाजारी, ओवररेटिंग या कृत्रिम अभाव जैसी शिकायत मिले तो इसकी सूचना तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम अथवा जिला कृषि अधिकारी कार्यालय को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि किसानों को खरीफ सीजन में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए निरंतर निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि खाद संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर किसान 9198788248, 9452165778 नंबरों पर समाधान के लिए तत्काल शिकायत कर सकते हैं।

विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2026-27 की तैयारियां शुरू

जिलाधिकारी ने दिये अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2026-27 की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। निर्वाचन प्रक्रिया के सफल एवं निष्पक्ष संचालन के लिए विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती की जानी है। इसके लिए सभी विभागों से अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। निर्वाचन कार्यों के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी, उड़न दस्ता टीम , स्थायी निगरानी टीम, वीडियो अवलोकन टीम, वीडियो निगरानी टीम, ईवीएम मास्टर ट्रेनर, जोनल एवं सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इस संबंध में सभी विभागों में कार्यरत ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण मांगा गया है, जिनका ग्रेड पे रूपया 4200 (मैट्रिक्स लेवल-6) अथवा उससे अधिक है। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूचना हार्ड कॉपी एवं एक्सेल शीट (सॉफ्ट कॉपी) सहित 06 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। सॉफ्ट कॉपी adeo-son@nic.in पर प्रेषित की जाए, ताकि निर्वाचन संबंधी नियुक्तियों की कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण की जा सके। उन्होंने सभी विभागों से समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

साइबर हेल्प डेस्क ने पीड़ित को 4500 रुपये वापस दिलाए

भदोही। थाना चौरी की साइबर हेल्प डेस्क ने साइबर ठगी के शिकार बरेला निवासी आकाश कुमार प्रजापति के खाते में 4,500 रुपये वापस कराए हैं। एसपी अभिनव त्यागी के निर्देशन में पीड़ित की 1930 हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत और एनसीआरपी पोर्टल के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित धनराशि को होल्ड कराया गया। न्यायालय के आदेश के बाद रकम पीड़ित के खाते में वापस कर दी गई। धनराशि मिलने पर पीड़ित ने भदोही पुलिस और साइबर हेल्प डेस्क का आभार व्यक्त किया।

कला संकाय का दीक्षा एवं रक्तदान-स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में मंगलवार को कला संकाय के नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षा कार्यक्रम एवं रक्तदान-स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ.आशुतोष सिंह, चिकित्सा विज्ञान संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी एवं प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0) माधवी शुक्ला ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया।मुख्य वक्ता डॉ. आशुतोष सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी ने अनुभवात्मक उदाहरण के माध्यम से रक्तदान के महत्व पर प्रभावशाली व्याख्यान दिया। उन्होंने थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों, सड़क दुर्घटनाओं, गंभीर शल्य चिकित्सा एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों के वास्तविक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि समय पर उपलब्ध रक्त किसी व्यक्ति के लिए जीवनदान सिद्ध हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वैच्छिक एवं नियमित रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया।कला संकाय प्रवेश प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के कला संकाय के सभी विषयों,विभागों, प्राध्यापकों,परीक्षा प्रणाली, क्रेडिट आधारित अध्ययन व्यवस्था तथा विभिन्न पाठ्यसहगामी एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों,माई भारत पोर्टल,उन्नत भारत अभियान,प्रॉक्टोरियल बोर्ड तथा विद्यार्थियों के लिए निर्धारित दो क्रेडिट प्रणाली के महत्व एवं उससे प्राप्त होने वाले शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी लाभों की विस्तार से जानकारी दी।

प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0) माधवी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल शैक्षणिक ज्ञान का केंद्र नहीं,बल्कि व्यक्तित्व निर्माण,अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास का भी महत्वपूर्ण स्थल है।उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन,अनुशासन, समय प्रबंधन तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने रक्तदान जैसे मानवीय कार्यों को जीवन का महत्वपूर्ण संकल्प बताते हुए विद्यार्थियों से समाज के प्रति संवेदनशील एवं जागरूक नागरिक बनने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन समारोहक डॉ. दीप नारायण ने एवं दीक्षा कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर कुसुम लता ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारीगण, स्वयंसेवक, कला संकाय के बड़ी संख्या में नवप्रवेशित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम से प्रेरित होकर लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया।

अधिशासी अभियंता ने मौके पर पहुंचकर बंद नहर को खुलवाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। जरगो बांध से लिंक मानिकपुर माइनर की बरेवां और भरेहटा सीमा पर गांव की वर्षा जल निकास हेतु बने साइफन पर एक व्यवसायी एवं स्थानीय काश्तकार द्वारा बाढ़-बार नहर बांधने से उत्पन्न जल प्लावन और आबादी डूबने का पिछले दो सप्ताह से चल रहे विवाद का आज चौथी बार नहर बांधने की सूचना पर अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड चुनार श्री हरिशंकर प्रसाद ने मौके का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बरेवां व भरेहटा की पुरे टेल नहर की जलापूर्ति और निकास की व्यवस्था को देखा। दोनों गांव के किसानों से बातचीत करके नहर बांधना के कृत्य को गैरकानूनी बताया। मौके पर ही अपने अधीनस्थों को तत्काल बांधे गए नहर को खोलने का आदेश दिया। इसके साथ ही उपस्थित किसानों को भविष्य में ऐसे कार्य करने पर उनके विरुद्ध विधि संगत कार्रवाई की चेतावनी दिया और टेल नहर पर लिंक ग्राम सभा की जल निकास व सिंचाई हेतु क्षतिग्रस्त और पटी हुई नालियों को पुनः बनाने का सलाह दिया। इस अवसर पर अभियंता आलोक कुमार सहायक अभियंता संदीप यादव विभाग के जिलेदार वीरेंद्र शर्मा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे। बताते चले की खेती का कार्य प्रारंभ होने की पूर्व ही कई वर्षों से उठी फूटी व मिट्टी घास फूस से से पटी नहर की साफ सफाई हेतु बरेवां गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप शुक्ला के द्वारा सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों व अभियंताओं की संज्ञान में डालकर कार्यवाही की मांग की गई थी इसका संज्ञान लेकर के सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने मानिकपुर माइनर और सझौली टेल नहर की साफ सफाई कराई थी किंतु नहर खुलते ही कुछ मनबढ़ काश्तकारों के द्वारा नहर ही बांधना शुरू कर दिया। इसके चलते बरेवां गांव की आबादी एवं खेतों में जल प्लावन की स्थिति उत्पन्न हो गई। शिकायत करने पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने इसके पूर्व तीन बार बांधे गए नहर को खुलवाया था और ऐसे कार्य करने वाले किसानों को चेतावनी भी दी थी। आज चौथी बार बांधने की शिकायत पर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अपनी पूरी दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर नहर को खुलवाते हुए समाधान कराया।

चोरी का प्रयास करने वाले युवक को पुलिस ने हिरासत में लेकर किया करवाई

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के बेलन बरौधा चौकी क्षेत्र के धसड़ा राजा गाव निवासी कमला शंकर त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर किया था सिकायत की हमारे खपरैल के मकान में 07/07/2026 को खपरैल हटाकर चोरी करने का प्रयास किया था जिसकी शिकायत का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने चोरी का प्रयास करने वाले युवक नीरज तिवारी पुत्र शिवकुमार त्रिपाठी को हिरासत में लेकर धारा 170/126 / 135 बी0 एन0 एस0 की कार्रवाई दिनांक 26/7/2026 को किया गया। चौकी प्रभारी क्षेत्र में प्रस्थान कर देखभाल कर रहे थे तभी ग्राम दादरी में मामूर था की सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम धसड़ा राजा में एक व्यक्ति आने-जाने गांव राहगिरो के साथ अनायास कहा सुनी कर रहा है जिस पर चौकी प्रभारी मह पहुंच कर देखा तो एक व्यक्ति अनायास आने-जाने वाले लोगों से अनायास कहा सुनी कर रहा है जिस पर मौके पर ही समझाने बुझाने का प्रयास किया गया तो नहीं माने पर चौकी प्रभारी द्वारा शांति व्यवस्था के दृष्टिगत अंतर्गत धारा 170 बीएन एस एस में अभियुक्त नीरज तिवारी पुत्र शिवकुमार तिवारी उम्र 22 वर्ष निवासी धसड़ा राजा थाना लालगंज जनपद मिर्जापुर को समय करीब 14.10 बजे हिरासत में पुलिस ने ले लिया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करें-डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति एवं पोषण मिशन की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम ने पोषाहार वितरण, कुपोषण मुक्ति अभियान और आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को लक्ष्यबद्ध ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए।

डीएम ने वर्तमान में 75 प्रतिशत पोषाहार वितरण पर संतोष जताते हुए इसे शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विभागीय नवाचार के तहत 35 गंभीर कुपोषित (सैम) बच्चों को गोद लेकर उन्हें सुपोषित बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे दो दिन के भीतर प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर भवन, पेयजल, शौचालय, बिजली, पंखा, पहुंच मार्ग सहित मूलभूत सुविधाओं की रिपोर्ट तैयार कर

आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएं। बैठक में 0 से 5 वर्ष के बच्चों के वजन व लंबाई मापन, स्वास्थ्य परीक्षण और पुष्टाहार वितरण की भी समीक्षा की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि जल्द ही ओटीपी आधारित होम डिलीवरी प्रणाली के माध्यम से लाभार्थियों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी होगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष चक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश त्रिपाठी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कैंप में 20 बच्चों का निर्गत हुआ दिव्यांगता प्रमाण पत्र

ज्ञानपुर, भदोही। समग्र शिक्षा अभियान समेकित शिक्षान्तर्गत मंगलवार को ब्लाक संसाधन केंद्र ज्ञानपुर में मेडिकल ऐसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में कुल 25 दिव्यांग बच्चों का आन लाइन रजिस्ट्रेशन कराया गया। जिसमें बोर्ड में मौजूद मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नामित चिकित्सकों ने 20 दिव्यांग बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया। कैंप में आर्थोपेडिक सर्जन डा. हरिओम ने अस्थि के 03, आई सर्जन डा. सुरेंद्र कुमार ने दृष्टि के 01, मानसिक रोग विशेषज्ञ डा. अभिनव पांडेय एवं मैदानिक मनोवैज्ञानिक डा. अशोक पासर ने आईडी के 14 बच्चों का तथा ईएनटी सर्जन डा. दीप्ति पांडेय ने ए बच्चे को श्रवण जांच के लिए बीएचयू के लिए रेफर कर दिया। कैंप में सीएमओ कार्यालय से प्रिया श्रीवास्तव, खण्ड शिक्षा अधिकारी रमाकांत सिंह सिंगरौल, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा रश्मि मिश्रा, फिजियोथेरेपिस्ट डा. जेपी सिंह, स्पेशल एजुकेटर सत्येंद्र कुमार द्विवेदी, संदीप कुमार वर्मा, मीरा प्रजापति, राणा गोविंद, विजय मौर्या, श्याम बहादुर यादव आदि ने सहयोग प्रदान किया।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक

भदोही। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत मंगलवार को भदोही पुलिस ने जनपद के विभिन्न बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। एसपी अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं एएसपी शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में चलाए गए अभियान के दौरान महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकार, साइबर अपराधों से बचाव तथा आपात स्थिति में सहायता के लिए 1090, 112, 181, 1098 और 1076 हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिस ने महिलाओं को यूपीकॉप ऐप के उपयोग, फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग और फर्जी प्रोफाइल से होने वाली ठगी से बचाव के उपाय भी बताए। साथ ही पॉक्सो एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम और घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण संबंधी कानूनों की भी जानकारी देकर किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जनपद में औद्योगिक निवेश को नई गति देने तथा निवेशकों के समक्ष आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं, निवेश संबंधी प्रकरणों, भूमि उपलब्धता, बैंकिंग सहयोग तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एकीकृत विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक क्लस्टर (औद्योगिक हब) स्थापित करने के लिए एक्सप्रेसवे के समीप दुद्धी तहसील के बभनी ब्लॉक में 1000 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन कर शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इससे जनपद में बड़े औद्योगिक निवेश आकर्षित होंगे तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। यहाँ पर एक हजार हेक्टेयर में इन्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग व लाजिस्टिक क्लस्टर (आई0 एम0 एल0सी0) का निर्माण होगा। औद्योगिक हब के रूप में सोनभद्र को विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम है। आदिवासिय बाहुल्य अति पिछड़े जिले सोनभद्र को प्रदेश का नया औद्योगिक हब बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। बैठक में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज को निर्देशित किया कि सरदार पटेल औद्योगिक क्षेत्र के पुनर्ग्रहण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर एमएसएमई विभाग को भूमि हस्तांतरण की समस्त प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूर्ण कराई जाए, जिससे औद्योगिक विकास की योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारा जा सके। बैठक के दौरान उद्यमी मित्र के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं में आ रही समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने ग्रीनको ग्रुप से संबंधित भूमि सीलिंग प्रकरण की रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जेएसडब्ल्यू परियोजना की संयुक्त जांच आख्या एक सप्ताह के भीतर तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज एवं वन विभाग को निर्देशित किया।

बैठक में बैंकिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बैंकों में ऋण संबंधी आवश्यक चेकलिस्ट नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित न होने की समस्या को संज्ञान में लेकर जिलाधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक को नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि दो दिवस के भीतर जनपद के सभी बैंकों में ऋण संबंधी चेकलिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराई जाए, ताकि आमजन एवं

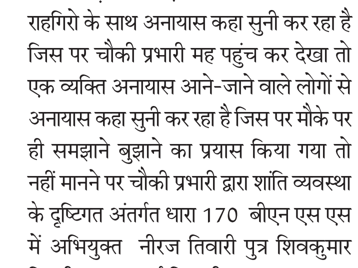

उद्यमियों को आवश्यक जानकारी सहज रूप से उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत लंबित ऋण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी बैंकों को निर्देशित किये कि पात्र लाभार्थियों के आवेदन बिना अनावश्यक विलंब के समयबद्ध रूप से निस्तारित किए जाएं। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, प्रभागीय वनाधिकारी रॉबर्ट्सगंज आशुतोष कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी ओबरा दिलीप तिवारी, उप जिलाधिकारी सदर आशीष कुमार त्रिपाठी, सहायक आयुक्त उद्योग विजय कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, उद्यमी मित्र नितिन प्रकाश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के प्रयास के अभियोग में अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। बीते 04 अप्रैल को प्रार्थिनी रुबीना बानो निवासी ग्राम विष्णुपुर थाना रानीगंज के अनुसार पुरानी रंजिश को लेकर अतहर, असलम, निजामुद्दीन, शाहिद, अलफिसा बानो एवं नसरुल बानो आदि द्वारा एक राय होकर लाठी-डंडा व धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। घटना में प्रार्थिनी की सास शमशुल निशा के सिर में गंभीर चोटें आई, जिससे वह बेहोश होकर गिर गई। शोर मचाने पर आरोपीगण गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। जिसके संबंध में थाना रानीगंज पर 07 लोगों पर नामजद अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना रानीगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर दर्ज मुकदमा से संबंधित अभियुक्त अतहर अली उर्फ सूफियान पुत्र अजहर अली निवासी ग्राम विष्णुपुर कला थाना रानीगंज जनपद प्रतापगढ़ को थाना क्षेत्रान्तर्गत विष्णुपुर कला में अछैवर सिंह के घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

सिपाही के घायल होने की घटना में बाइक चालक पर केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। बाइक की टक्कर से सिपाही के घायल होने की घटना को लेकर कोतवाली पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना के सिपाही प्रिन्स खरवार ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती 27 जुलाई को वह एसडीएम कोर्ट लालगंज में आरोपी की पेशी कार्य पूर्ण कराकर पीआरडी अरविंद वर्मा के साथ बाइक से वापस थाने लौट रहा था। पीड़ित सिपाही का आरोप है कि लालगंज कोतवाली के दौलत का पुरवा अमावां में लापरवाहीपूर्वक बाइक चलाते हुए शाहरुख खान पुत्र महमूद निवासी दौलत का पुरवा ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में सिपाही गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। उसे इलाज के लिए सांगीपुर सीएचसी ले जाया गया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि घायल सिपाही की तहरीर पर नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सिद्धार्थनगर में स्कूल वैन अनियंत्रित होकर नगर में पलटी, तीन छात्राएं घायल, ड्राइवर फरार

सिद्धार्थनगर। मरवटिया बाजार स्थित नवजीवन एजुकेशनल एकेडमी की स्कूल वैन मंगलवार को छुट्टी के बाद बच्चों को घर छोड़ने जाते समय अनियंत्रित होकर नहर पुलिया के पास करीब दस फीट नीचे पलट गई। हादसे के वक्त वैन में 21 छात्र-छात्राएं सवार थे। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया, हालांकि तीन छात्राएं घायल हो गई। घटना के बाद चालक वैन छोड़कर फरार हो गया। हादसा मंगलवार अपराह्न करीब तीन बजे मरवटिया बाजार-बसडीला मार्ग पर नहर पुलिया के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वैन नीचे गिरकर पूरी तरह उलट गई और उसके चारों पहिए ऊपर हो गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़े और शीशे व दरवाजे खोलकर सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में बसडीला निवासी कक्षा चार की छात्रा आराध्या (पुत्री लक्ष्मण) के कान व कंधे, जबकि भैंसा गांव निवासी कक्षा दो की छात्रा प्रिया (पुत्री अर्जुन) और कक्षा एक की छात्रा प्रतिभा (पुत्री अर्जुन) के पैर में चोटें आई। तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी भी सीएचसी पहुंचे और घायल छात्राओं का हालचाल लिया। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र ने बताया कि सभी बच्चे सुरक्षित हैं। मामले की जांच की जा रही है।

सिद्धार्थनगर में संदिग्ध परिस्थितियों में मजदूर की मौत

सिद्धार्थनगर। जिले के त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के गड़ावर गांव में मंगलवार सुबह नेपाल निवासी एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान नेपाल निवासी दुर्ग बहादुर (40 वर्ष) पुत्र ह्यूम बहादुर के रूप में हुई। वह करीब 20 वर्षों से भारत में रहकर मजदूरी कर रहा था। पिछले कुछ वर्षों से वह गड़ावर गांव निवासी रज्जन पांडेय उर्फ इंद्रजीत पांडेय के यहां रहकर पशुओं की देखभाल का कार्य करता था। उसके साथ उसकी पत्नी कमला और चार बच्चे भी गांव में रहते हैं। मंगलवार सुबह उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर मकान मालिक ने तत्काल त्रिलोकपुर पुलिस को सूचना दी। सुबह करीब 10 बजे थानाध्यक्ष हरेकृष्ण उपाध्याय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

निजी विद्यालयों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ ने सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ के बैनर तले निजी विद्यालयों के प्रबंधको ने विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री सीएम योगी को संबोधित ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में निजी विद्यालयों के संचालन, प्रबंधन और शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं व्यवहारिक बनाने के लिए 11 प्रमुख मांगें उठाई गई। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश के लाखों निजी विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन कई व्यावहारिक समस्याओं के कारण विद्यालय संचालकों, शिक्षकों और कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए शासन स्तर पर आवश्यक निर्णय लिया जाना जरूरी है।

ज्ञापन में तीन व पांच वर्षों से नियमित रूप से संचालित विद्यालयों को स्थायी मान्यता देने, यू-डायस कोड प्राप्त विद्यालयों की प्री-प्राइमरी कक्षाओं को जोड़ने तथा प्री-प्राइमरी से कक्षा आठ तक प्रवेश एवं विवरण दर्ज करने का अधिकार दिए जाने की मांग की गई। इसके अलावा विद्यालय प्रबंधकों एवं शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा, 15 मीटर से कम ऊंचाई वाले विद्यालय भवनों के लिए फायर एनओसी की अनिवार्यता समाप्त करने तथा विद्यालय वाहनों को विशेष श्रेणी में रखकर परिवहन नियमों में व्यवहारिक छूट देने की मांग भी शामिल रही। संघ ने नए विद्यालयों की मान्यता के लिए खेल मैदान एवं 30 फीट सड़क की अनिवार्यता में व्यावहारिक संशोधन, सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों को शीघ्र यू-डायस कोड आवंटित करने, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हस्ताक्षर सत्यापन प्रक्रिया सरल बनाने तथा विद्यालय प्रबंधकों को प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर सत्यापित करने का अधिकार देने की भी मांग की।

ज्ञापन में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत विद्यार्थियों की प्रतिपूर्ति राशि ?450 से बढ़ाकर 1,500 प्रति माह करने, हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट विद्यालयों की मान्यता से संबंधित पूर्व प्रभावी मानकों को पुनः लागू करने तथा विद्यालयों पर व्यवसायिक के स्थान पर घरेलू विद्युत दर लागू करने के साथ सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना पर 75 प्रतिशत सब्सिडी दिए जाने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। संघ पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर आवश्यक शासनादेश जारी किए जाने का अनुरोध किया है। ज्ञापन की प्रतिलिपि माध्यमिक शिक्षा मंत्री, बेसिक शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा, महानिदेशक स्कूल शिक्षा सहित संबंधित अधिकारियों को भी प्रेषित की गई।

विधायक मोना के प्रयास से किसान कल्याण केन्द्र की मिली सौगात

एक करोड़ इक्कीस लाख सतासी हजार की लागत से रायपुर भगदरा में बनेगा केन्द्र

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना एवं राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के संयुक्त प्रयास से रामपुरखास में किसान कल्याण केन्द्र की सौगात मिली है। विधायक आराधना मिश्रा मोना के प्रस्ताव पर किसान कल्याण केन्द्र के निर्माण के लिए लालगंज के रायपुर भगदरा गांव का शासन द्वारा चयन किया गया है। प्रदेश के कृषि निदेशक डॉ0 पंकज त्रिपाठी की ओर से पन्द्रह जुलाई को निर्गत हुए परिपत्र में केंद्र के लिए एक करोड़ इक्कीस लाख सतासी हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके तहत शासन द्वारा निर्माण के मद में पहली किश्त भी सतहत्तर लाख पचीस हजार अवमुक्त कर दी गयी है। किसान कल्याण केंद्र के जरिए क्षेत्रीय किसानो को बीज तथा कीटनाशक दवाएं व खेती के क्षेत्र में सुधार के प्रशिक्षण आदि की सहूलियत मिल सकेगी। यह जानकारी मंगलवार को यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल की ओर से जारी विज्ञप्ति में दी गयी है।

बाप के कातिल नशेड़ी बेटे को पुलिस ने भेजा जेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। महेशगंज थाना के अठैसा मजरे प्रीतमपुर निवासी कलयुगी कातिल बेटा बाप की हत्या कर लाश को घर के अन्दर दफना दिया और घर में ताला लगाकर फरार हो गया। मुखबिरी से जानकारी होने पर पुलिस ने उसे महेवा मलकिया से गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया। अठैसा निवासी बुजुर्ग जगदीश द्विवेदी के तीन बेटे हैं। दो बेटे रोजी रोटी के लिए बाहर रहते हैं। बुजुर्ग जगदीश द्विवेदी छोटे बेटे विजय द्विवेदी के साथ गांव रहते थे। घटना के समय विजय की पत्नी मायके गई थी। विजय नशे का लती है। छोटे बेटे विजय द्विवेदी की पिता से 15 जुलाई को कहासुनी हुई और उसने पिता की खासी पिटाई कर दिया और हमले से उनकी मौत हो गई। विजय द्विवेदी ने आनन फानन पिता की लाश को घर के अन्दर दफनाकर फरार हो गया। कई दिनों के बाद बन्द घर से दुर्गंध फैलने लगी। बड़ा बेटा गुरुग्राम से 22 जुलाई को गांव पहुंचा। पिता और विजय को घर पर न पाकर तलाश शुरू किया। अगले दिन पुलिस की मौजूदगी में घर का ताला खुलवाकर घर के अन्दर जमीन की खुदाई हुई थी और वहीं उसके पिता की लाश दफन की गई थी। कई दिन बीत जाने के कारण दफन लाश से तीव्र दुर्गंध आ रही थी। तब हत्या कर लाश दफनाए जाने की आशंका हुई।मजिस्ट्रेट व एएसपी बृजनंदन रॉय सदर सीओ मनोज सिंह रघुवंशी फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में खुदाई करके लाश निकाली गई। लोग बताते हैं कि लाश टुकड़ों में थी। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हत्या व साक्ष्य मिटाने आदि धाराओं में विजय द्विवेदी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दिया।एसओ संदीप त्रिपाठी मय टीम सर्विलांस सेल की मदद से विजय को ट्रेस कर रही थी।सोमवार को बाप का कलयुगी कातिल बेटा विजय गुरुग्राम से पत्नी से मिलने उसके मायके सांगीपुर थाना के पद्माकरपुर गांव जा रहा था कि पुलिस ने महेवा मलकिया से गिरफ्तार कर लिया और मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जिला कारागार को भेज दिया गया।

महबूब आलम बने सपा विधानसभा महासचिव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ स्थित समाजवादी पार्टी कैंप कार्यालय पर मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष हरिनारायण यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें पार्टी की नीतियों व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा दिये गये निर्देशों व रणनीतियों के बारे में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया। बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष हरि नारायण यादव द्वारा पार्टी के निर्देश पर पूर्व मंत्री स्वर्गीय दिनेश सिंह के संघर्षो के साथी रहे विधानसभा क्षेत्र के दुधवनिया बुजुर्ग निवासी महबूब आलम पुत्र मोहम्मद ईशा को विधानसभा सचिव पद हेतु तथा खैरी शीतल प्रसाद टोला करौता निवासी रामकिशोर पुत्र बटोही को निषाद समाज का ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में सपा नेता उग्रसेन सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारी को एकजुटता और मेहनत से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। कहा कि प्रदेश की जनता राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के विचारधाराओं से जुड़ना चाहती है। आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को और मजबूती हासिल होगी। नव मनोनीत पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र देकर फूलमाओं से अभिनन्दन किया गया। इस दौरान वीरेंद्र तिवारी, हरिनारायन यादव, गुड्डू सिंह, बदरे आलम,रामू यादव समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इटवा में मंगलवार को पीएचएसआई की तरफ से एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें खुनियांव ब्लॉक की ब्लॉक कोर्डिनेटर दरख्शा सिद्दीकी तथा इटवा ब्लॉक की ब्लॉक कोर्डिनेटर अंचल ने संचालित किया। बीसीपीएम द्वारा आशा मॉड्यूल पर चर्चा की गई तथा आशा मॉड्यूल एक्टिवेट करना तथा विस्तार से बाल आभा बनाना बताया गया। इस दौरान डॉ संदीप कुमार द्विवेदी, बीसीपीएम अनिल कुमार यादव, एआरओ ओम प्रकाश त्रिपाठी, बीपीएम शिव शंकर वरुण के अलावा दुर्गेश कुमार अग्रवाल, मनीष कुमार पांडे, नीलम वर्मा, रंजू यादव, शशिकला, गीता यादव, नंदावती मौर्या, आरती चौधरी, रेखा वर्मा, रत्ना पांडे आदि उपस्थित रहे।

तहसील सभागार में समारोहपूर्वक मनाई गई प्रो0 शुक्ल की पुण्यतिथि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय लालगंज तहसील स्थित सभागार में मंगलवार को बहुगुणा पीजी कालेज के हिन्दी विभागाध्यक्ष रहे प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल की इक्कीसवीं पुण्यतिथि समारोहपूर्वक मनाई गई। हिन्दी मित्र संघ एवं संयुक्त अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में पुण्यतिथि कार्यक्रम की शुरुआत एसडीएम वाचस्पति सिंह एवं संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेशचंद्र तिवारी ने प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एसडीएम वाचस्पति सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज निर्माण की आधारशिला रखने में अप्रतिम योगदान प्रदान किया करते हैं। उन्होने कहा कि साहित्य एवं भाषा के संवर्धन में प्रो0 शुक्ल का योगदान नई पीढ़ी के ज्ञान वृद्धि में सदैव बहुमूल्य दिशा प्रदान करती रहेगी। हिन्दी मित्र संघ के संयोजक एवं प्रो0 शुक्ल के कनिष्ठ पुत्र ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रो0 शुक्ल के ज्येष्ठ पुत्र एवं लखनऊ विश्व विद्यालय के रक्षा अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो0 डॉ0 ओम प्रकाश शुक्ल ने वर्चुअल संबोधन के जरिए अतिथियों एवं कार्यक्रम में शामिल लोगों का स्वागत किया। संघ के पूर्व अध्यक्ष राव वीरेन्द्र सिंह एवं पूर्व महामंत्री संतोष पाण्डेय ने गिरिजा शंकर शुक्ल के शिक्षक के रूप में दिये गये योगदान को सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेशचंद्र तिवारी व संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष अबरार अहमद खान ने किया। उपाध्यक्ष नामवर सिंह ने आभार प्रदर्शन किया। इस मौके पर लेखपाल संघ के मंत्री मो0 अकरम, पीएलवी निरंजन प्रकाश तिवारी, अधिवक्ता आशीष तिवारी, विनय शुक्ल, सुमित त्रिपाठी, शिवेन्द्र तिवारी, दिनेश सिंह, धर्मराज, केके तिवारी, शिव नारायण शुक्ल आदि रहे।

इटवा पुलिस ने साइबर फ्रॉड से सम्बंधित धनराशि पीड़ित को वापस कराया

सिद्धार्थनगर। डॉ0 अभिषेक महाजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में साइबर अपराध एवं साइबर क्राइम रिकवरी/लीन हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में व पवीन प्रकाश क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र थाना इटवा के नेतृत्व में दिनांक-06.07.2026 को आवेदक अमित त्रिपाठी थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर के द्वारा एनसीआपी पोर्टल के माध्यम से शिकायत संख्या- 33107260159261 के माध्यम से वित्तीय फ्राड होनें की शिकायत की गयी थी। जिस पर थाना इटवा साइबर सेल टीम द्वारा आवेदक अमित त्रिपाठी उपरोक्त के फ्राड धनराशि 1200/- रुपये को पीड़ित के State Bank of India खाता सं0 33341434561 में दिनांक 28 जुलाई को उनके खाते में वापस कराया गया।

कौशांबी में दर्दनाक घटना: बारिश के बीच कच्चा घर ढहा

» मलबे में दबकर पांच वर्षीय बालिका की मौत व कुछ चोटिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कौशांबी। महेवाघाट थाना क्षेत्र के जमुनापुर गांव में मंगलवार सुबह खपरैलनुमा घर अचानक भरभराकर ढह गया। उसके मलबे में दबकर पांच वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई, वहीं अन्य कुछ स्वजन भी चोटिल हो गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल मलबा हटाकर सभी को बाहर निकाला।

हादसे के दौरान घर में थे स्वजन

जमुनापुर गांव निवासी पंकज निषाद किसान हैं। उनका मकान कच्ची ईट, गारे और खपरैल से बना था। मंगलवार को अचानक मकान भरभराकर ढह गया। हादसे के समय परिवार के सदस्य घर के भीतर मौजूद थे। मकान गिरते ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़ पड़े। मलबे में दबने से पंकज निषाद की पांच वर्षीय पुत्री प्रिया की गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई।

घायलों का इलाज कराया

प्रिया परिवार की सबसे बड़ी संतान थी। पंकज निषाद के तीन बच्चे हैं। इनमें एक बेटी और दो बेटे हैं। हादसे में अन्य स्वजन को भी गंभीर चोटें आई, जिनका उपचार कराया गया। सूचना पर महेवाघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मासूम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राजस्व टीम ने नुकसान का आकलन किया उधर हादसे की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग के अधिकारियों ने भी वहां पहुंचकर नुकसान का आकलन किया। गांव के लोगों का कहना है कि लगातार हो रही बारिश से जर्जर हो चुका कच्चा मकान गिरने से यह हादसा हुआ।

मानक विरुद्ध चल रहे हैं कान्वेंट स्कूलों के वाहन, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोटन (सिद्धार्थनगर)। विकास क्षेत्र अंतर्गत स्थित अधिकांश निजी विद्यालयों के वाहनों में नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर उनके जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।जबकि जिम्मेदार लोगों द्वारा ध्यान न दिए जाने से अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार लोटन क्षेत्र में तमाम प्राईवेट कान्वेंट स्कूलों के वाहन छात्रों को विद्यालय पर लाने और घर ले जाने के लिए सड़कों पर दौड़ रहे है।हालत यह है कि उक्त वाहनों में मानक से अधिक बच्चों को बैठाया जाता है। जिससे बच्चों को जहां परेशानी होती है, वहीं दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है।जिसको लेकर क्षेत्रीय अभिभावकों में आक्रोश है। बताते चलें क्षेत्र के कुछ स्कूली वाहनों द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाना उनकी आदत सी बन गई है। यातायात नियमों का उलंघन करना।लोटन विकास क्षेत्र की अधिकांश सड़के खराब व जर्जर है। इन सड़कों पर यात्रा करने के दौरान आम आदमी भी दहशत में रहता है।जबकि क्षेत्र में संचालित अधिकांश ग्रामीण अंचलों की स्कूलों में बच्चों को लाने ले जाने के लिए वाहन संचालित होते है।

लेकिन नियमों की अनदेखी कर उक्त वाहनो में सीट से अतिरिक्त बच्चों को बिठाया जाता है। कुछ बसों में तो बच्चे खड़ा होकर यात्रा करते हैं।खराब सड़कों के कारण छात्रों के चोटिल होने का भी खतरा बना रहता है। जिस पर न तो पुलिस की नजर पड़ती है, और न ही एआरटीओ विभाग इसे देखने की जहमत उठता है। ग्रामीण अंचल में संचालित एक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र के एक अभिभावक ने बताया कि बस का किराया पूरा वसूला जाता है। लेकिन छात्र बस में खड़ा होकर रोज यात्रा करते है। इसकी शिकायत करने के बाद भी विद्यालय प्रबंधन इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। इस सम्बन्ध में खण्ड शिक्षा अधिकारी ओपी पाण्डेय का कहना है कि मानक से अधिक बच्चों को वाहन में बैठाना नियम विरुद्ध है,जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्रेम विवाह की रंजिश में युवक की पीटकर हत्या

» मंझनपुर कोतवाली के नारा गांव में हुई वारदात

आरोपितों की गिरफ्तारी को पुलिस की तीन टीमें लगीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नारा गांव में करीब पांच साल पुरानी रंजिश में सोमवार को युवक की जान चली गई। 26 जुलाई को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटे गए युवक ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। आक्रोशित स्वजन और ग्रामीणों ने आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जिला अस्पताल में जमकर हंगामा किया। आरोपितों की गिरफ्तारी तक शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया गया। एएसपी अमिता सिंह और सीओ सिटी सौरभ सामंत ने किसी तरह समझाकर लोगों का गुस्सा शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन किया है। चक थांबा निवासी 28 वर्षीय लालचंद्र सोनकर पुत्र पथरू 26 जुलाई की सुबह रिश्ते के भतीजे अंकित के साथ बाइक की मरम्मत कराने नारा बाजार गया था। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद नारा गांव निवासी सगे भाई वीरेंद्र और मनोज सोनकर ने पुरानी रंजिश को लेकर उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। सूचना पर यूपी-112 पुलिस ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

आरोपितों पर केस दर्ज हुआ था

लालचंद्र के स्वजन भी नारा गांव आ गए। जख्मी लालचंद्र को लेकर उसके छोटे भाई धर्मेंद्र की पत्नी पार्वती थाने पहुंची। पुलिस ने लालचंद्र को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पार्वती की तहरीर पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा कायम किया गया।

मौत पर जिला अस्पताल में फूटा गुस्सा

आज सुबह करीब साढ़े सात बजे जिला अस्पताल में उपचार के दौरान लालचंद्र की मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल में स्वजन व ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। उनका आरोप था कि पिटाई की घटना के बाद भी पुलिस ने समय रहते आरोपितों को गिरफ्तार नहीं किया।

जान से मारने की दी थी धमकी

लालचंद्र के बहनोई जयचंद्र सोनकर ने बताया कि पांच साल पहले लालचंद्र के बड़े भाई दीपक ने हमलावरों के परिवार की एक युवती से प्रेम विवाह किया था। दोनों सूरत में रहते थे, लेकिन करीब दो वर्ष पहले युवती मायके लौट आई थी। 10 दिन पहले सूरत में दीपक और वीरेंद्र के बीच विवाद हुआ था। वीरेंद्र भी वहीं पर रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। इसके बाद वीरेंद्र गांव आ गया। उसने दीपक को धमकी दी थी कि उसके परिवार का कोई भी मिला तो वह उसे मार डालेगा। 26 जुलाई को घायल युवक अपनी भाभी के साथ थाने आया था। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। प्रथम दृष्टया घटना का कारण पुरानी रंजिश सामने आई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें लगाई गई हैं।- सत्यनारायण प्रजापत, एसपी।

डीएमएफ के ऑडिट एवं वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने हेतु चार्टर्ड अकाउंटेंट का कोटेशन आमंत्रित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
www.swatantraprabhat.com
ब्रेकिंग न्यूज़

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास विधि अभिषेक पाण्डेय ने बताया है कि जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) ट्रस्ट प्रतापगढ़ के वित्तीय खातों के लेखापरीक्षण (ऑडिट) एवं वार्षिक रिपोर्ट तैयार किए जाने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) से कोटेशन एवं प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उत्तर प्रदेश शासन की अधिसूचनाओं तथा संशोधित डीएमएफ ट्रस्ट नियमावली-2025 के प्रावधानों के तहत ट्रस्ट के खातों का प्रत्येक वर्ष सी एंड एजी द्वारा सूचीबद्ध चार्टर्ड अकाउंटेंट से ऑडिट कराया जाना अनिवार्य किया गया है। इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ के जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के वित्तीय वर्ष 2025-26, 2026-27 एवं 2027-28 के आय-व्यय विवरण, बैलेंस शीट, अधिष्ठान संबंधी व्यय तथा अन्य वित्तीय अभिलेखों का परीक्षण कर ऑडिट एवं वार्षिक रिपोर्ट तैयार कराई जाएगी। इस कार्य के लिए इच्छुक एवं पात्र चार्टर्ड अकाउंटेंट अपना कोटेशन/प्रस्ताव 15 दिनों के भीतर कार्यालय जिलाधिकारी प्रतापगढ़ (खनन अनुभाग) में उपलब्ध कराएं। प्राप्त प्रस्तावों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आजमगढ़ में बोले शिवपाल यादव- 'छात्रों ने किया भाजपा सरकार के अहंकार को तोड़ने का काम'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव मंगलवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे देश के सबसे वयोवृद्ध नेता और समाजवादी पार्टी से निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र से पांच बार के विधायक आलमबदी के शहर के कुर्मी टोला स्थित आवास पर पहुंचकर उन्हे श्रद्धांजलि दी। इस दौरान आलमबदी के स्वजन से मिलकर उन्हे सांत्वना भी दिया। पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वे समाजवादी पार्टी के स्तंभ थे और वरिष्ठ साथियों में से थे। वह हम सबके बीच नहीं हैं, हमेशा उनकी कमी समाजवादी पार्टी को खलेगी। वे समाजवादी पार्टी को मजबूती से देखना चाहते थे। हम उनकी विचारधारा को समाजवादी पार्टी की विचारधारा के अनुसार आगे बढ़ाएंगे। कहा कि भाजपा सरकार की शिक्षा नीति चौपट है, हर जगह भाजपा ने शिक्षा को कमजोर करने का काम किया है। जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन ने भाजपा सरकार के अहंकार को तोड़ने का काम किया है। छात्रों के आगे सरकार को झुकना पड़ा। इसके लिए छात्र बधाई के पात्र हैं। जंतर-मंतर पर आंदोलन का समर्थन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि गंभीर धाराओं में युवाओं को जेल भेजना गलत है।

रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय पर संभावित बुलडोजर कार्रवाई को लेकर कहा कि अगर विश्वविद्यालय पर बुलडोजर चलाया गया तो समाजवादी पार्टी चुप नहीं बैठेगी। और छात्र भी इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। समाजवादी पार्टी और छात्र मिलकर इसका विरोध करेंगे। समाजवादी पार्टी और छात्र मिलकर इस सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। बीजेपी सरकार ने 10 साल के कार्यकाल में बुलडोजर चलाकर घर तोड़ने का काम किया है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर बुलडोजर चलाने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के समाजवादी पार्टी में टूट संबंधी दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पहले से अधिक मजबूत होगी। राजभर पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी के कितने विधायक बचे हैं। आरोप लगाया कि उनकी पार्टी का एक विधायक पेपर लीक मामले में आरोपी है और उसे भी जेल जाना चाहिए। निजामाबाद विधानसभा सीट से दिवंगत विधायक आलमबदी आजमी के पुत्र को टिकट दिए जाने के सवाल पर कहा कि उनका आशीर्वाद आलमबदी आजमी के पुत्र के साथ है।

जल संरक्षण को लेकर शैक्षिक जागरूकता संगोष्ठी का हुआ आयोजन

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज विकासखण्ड के पूरे तिलकराम माडल प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार को जल संरक्षण को लेकर शैक्षिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि अधिशाषी अभियंता गौरव प्रताप सिंह ने जल संरक्षण को अपरिहार्य आवश्यकता बताते हुए जल जीवन मिशन की योजना पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जल जीवन मिशन को लेकर जागरूकता से जुड़ा शैक्षिक कार्यक्रम लोगों को पसन्द आया। विशिष्ट अतिथि सहायक अभियन्ता प्रशान्त, अवर अभियंता अमित सिंह, परियोजना प्रबंधक एस नागराजू ने भी जल संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण पर विचार रखे। कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ प्रबन्धक अमित मिश्र, लेखाकार एम रवि तथा ब्लाक प्रभारी अरविन्द यादव ने कार्यक्रम के उददेश्य पर प्रकाश डाला। प्राथमिक शिक्षक संघ के मंत्री विष्णु सिंह ने अतिथियों का स्वागत तथा प्रधानाध्यापिका गीता शुक्ला ने आभार प्रदर्शन किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक गिरिजानंद ने कार्यक्रम का संयोजन किया। इस मौके पर रामकिशन सरोज, सुमन देवी, अंकित त्रिपाठी, विवेक यादव, मनोज यादव, दिनेश शर्मा आदि रहे।

विविध कार्यक्रमों में आज शामिल होंगी विधायक मोना

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना आज बुधवार को रामपुरखास के दौरे पर आयेगी। वह दिन में साढ़े ग्यारह बजे अगई मोड़ पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी। अपरान्ह दो बजे बाबा घुइसरनाथ धाम में श्रावण माह को लेकर प्रबन्धों का अवलोकन करेंगी। वहीं विधायक मोना नीमी, राजा का पुरवा, भोजपुर, रांकी, ननौती में लोगों से मुलाकात करेंगी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

संक्षिप्त खबरें

सीओ ने पर्यवेक्षकों के साथ की समीक्षात्मक बैठक, एसआईआर कार्य में नारायणपुर प्रखंड रहा अव्वल

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी देवराज गुप्ता ने मंगलवार को पर्यवेक्षकों के साथ समीक्षात्मक बैठक कर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने एसआईआर कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने, गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन तथा एसडीडी मार्किंग का कार्य समय पर पूरा करने के लिए पर्यवेक्षकों एवं बीएलओ की सराहना की। अंचलाधिकारी ने कहा कि एसआईआर कार्य में नारायणपुर प्रखंड ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जिसका श्रेय पर्यवेक्षकों एवं बीएलओ की मेहनत, लगन और कर्तव्यनिष्ठा को जाता है। उन्होंने कहा कि सभी कर्मियों ने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन एवं अनुमंडल पदाधिकारी के साथ-साथ उनके स्तर से भी कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जाती रही। समय-समय पर आयोजित समीक्षा बैठकों के माध्यम से फीडबैक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे कार्यों की गुणवत्ता और गति दोनों में सुधार हुआ। बैठक में अमरेंद्र झा, जयदेव मुर्मू, सुचिता मरांडी, अनिकेत कुमार, सत्यम भंडारी सहित अन्य पर्यवेक्षक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने चलाया विधिक जागरूकता अभियान

पाकुड़, झारखंड:- झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पाकुड़ के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश तथा सचिव रूपा बंदना किरो के मार्गदर्शन में पाकुड़िया, लिट्टीपाड़ा सहित अन्य प्रखंडों के डोमनगढ़िया, बड़ाघाघरी एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों, जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता, नालसा की जागृति, संवाद एवं डॉन योजनाओं तथा नालसा के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के माध्यम से कानूनी जानकारी प्राप्त करने के संबंध में जागरूक किया गया। इस अवसर पर पैरा लीगल वॉलंटियर्स मल्लिका सरकार एवं जयंती टुडू ने ग्रामीणों के घर-घर जाकर बाल विवाह, एसिड अटैक, बाल श्रम तथा डायन प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति लोगों को जागरूक किया। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

भागलपुर में बजरंगबली प्रतिमा का दाहिना हाथ टूटा, स्थानीय लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

भागलपुर। भीखनपुर में रेलवे के अंडरपास निर्माण के लिए गर्डर लांचिंग की तैयारी के दौरान सोमवार शाम करीब 4:30 बजे बजरंगबली की प्रतिमा का दाहिना हाथ क्षतिग्रस्त हो गया। प्रतिमा हटाने के दौरान हुई इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही डायल-112, इशाकचक थाना पुलिस और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। भोलानाथ रेलवे पुल और भीखनपुर गुमटी नंबर-3 के बीच शंटिंग यार्ड का निर्माण चल रहा है। इसी परियोजना के तहत भीखनपुर गुमटी नंबर-1 और 2 के बीच अंडरपास का निर्माण होना है। दो-तीन दिनों में यहां गर्डर लांचिंग प्रस्तावित है। निर्माण स्थल के समीप बजरंगबली और शिव मंदिर होने के कारण रेलवे कर्मी रास्ता खाली कराने के लिए बजरंगबली की प्रतिमा को हटाकर पास में रख रहे थे। इसी दौरान प्रतिमा का दाहिना हाथ क्रैक हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। उनका आरोप था कि प्रतिमा को पर्याप्त सावधानी के बिना हटाया गया, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई।

पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला के गंभीर आरोप

शराब बरामदगी मामले में कार्रवाई पर उठाए सवाल, अवैध कारोबार को संरक्षण देने का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड:- बरही विधानसभा के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने मंगलवार को अपने आवास पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वर्तमान विधायक और थाना प्रभारी पंकज कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने भगहर स्थित परसातरी मुखिया जी होटल में हुई शराब बरामदगी की कार्रवाई पर कई सवाल खड़े करते हुए पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगाए। साथ ही उन्होंने चौपारण में अवैध बालू, शराब, अफीम और डोडा जैसे अवैध कारोबारों को संरक्षण दिए जाने का आरोप भी लगाया। पूर्व विधायक ने कहा कि भगहर स्थित परसातरी मुखिया जी होटल में शनिवार को थाना प्रभारी के नेतृत्व में छापेमारी कर 18 पेटी शराब बरामद की गई थी, लेकिन जिस स्कॉर्पियो वाहन से शराब लाई गई थी, उसे छोड़ दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि होटल से एक बंदूक भी बरामद हुई थी, जिसे थाना प्रभारी ने लाइसेंसी बताकर छोड़ दिया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह उल्लेख किया गया है कि प्रशासन को देखकर होटल संचालक फरार हो गया था। ऐसे में जब होटल संचालक मौके पर मौजूद ही नहीं था, तो यह जानकारी किसने दी कि बंदूक

लाइसेंसी है? उन्होंने मांग की कि पुलिस यह सार्वजनिक करे कि शराब बरामदगी मामले में कितने लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा किस-किस को आरोपी बनाया गया है। उमाशंकर अकेला ने कहा कि जिस होटल से शराब बरामद हुई, उसके संचालक के खिलाफ मामला दर्ज क्यों नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि उक्त होटल भुनेश्वर यादव उर्फ पहलवान का है और सभी लोग इस बात को जानते हैं। इसके बावजूद उनका नाम प्राथमिकी में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर किसके दबाव में उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूर्व विधायक ने थाना प्रभारी पंकज कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चौपारण क्षेत्र में अवैध बालू कारोबारियों से प्रति माह 7,000 की वसूली की जा रही है। इसके अलावा लाइन होटलों से भी मोटी रकम वसूले जाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि थाना प्रभारी के संरक्षण में चौपारण के कई होटलों में डीजल कटिंग का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है और इससे जुड़े लोगों से भी अवैध वसूली की जाती है। उन्होंने कहा कि चौपारण में जितने भी गलत और अवैध कार्य हो रहे हैं, उनसे मोटी रकम वसूली जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी चौपारण में कानून व्यवस्था बनाए रखने के बजाय अवैध कारोबारियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। वर्तमान विधायक पर निशाना साधते हुए उमाशंकर अकेला ने कहा कि जब वे विधायक थे, तब उन पर और उनके पुत्र पर दो नंबर के कार्यों को संरक्षण देने के आरोप लगाए जाते थे। उन्होंने कहा कि विधायक रहते हुए भी उन्होंने अवैध गतिविधियों का विरोध किया था और आज भी उसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में तत्कालीन उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री जगरनाथ महतो को भगहर ले जाकर सैकड़ों अवैध शराब भट्टियों को ध्वस्त कराया गया था। उन्होंने कहा कि अब वे विधायक नहीं हैं, ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि वर्तमान समय में अवैध बालू, शराब, अफीम और डोडा जैसे कारोबार किसके संरक्षण में संचालित हो रहे हैं। उनका आरोप है कि ये सभी अवैध गतिविधियां वर्तमान विधायक और थाना प्रभारी के संरक्षण में उनके करीबी लोगों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित की जा रही हैं। पूर्व विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि परसातरी मुखिया जी होटल से बरामद शराब भाजपा कार्यकर्ता एवं वर्तमान विधायक के करीबी भुनेश्वर यादव उर्फ पहलवान से जुड़ी हुई थी। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि भगहर के जंगलों में अवैध महुआ शराब का निर्माण कर उसकी तस्करी बिहार भेजी जाती है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में उमाशंकर अकेला ने कहा कि वे चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार के कथित कृत्यों से राज्य के मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करेंगे।

प्रतियोगी छात्रों ने उठाई न्याय की मांग

एसडीओ के माध्यम से सरकार को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मधुपुर, देवघर, झारखंड:- झारखंड प्रतियोगिता परीक्षा सुधार आंदोलन समिति, मधुपुर के बैनर तले सोमवार को क्षेत्र के प्रतियोगी छात्रों एवं अभ्यर्थियों ने राज्य की प्रतियोगी परीक्षाओं में व्याप्त अनियमितताओं, चयन प्रक्रिया में हो रहे विलंब तथा छात्रवृत्ति भुगतान की लंबित समस्या को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) मधुपुर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अभ्यर्थियों ने राज्य सरकार, विशेषकर मुख्यमंत्री तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) और झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) का ध्यान प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही समस्याओं की ओर आकर्षित कराया। छात्रों का कहना था कि परीक्षा संचालन में पारदर्शिता की कमी, पेपर लीक की घटनाएं, परिणाम प्रकाशित होने में वर्षों की देरी, वित्तीय अनियमितताओं तथा छात्रवृत्ति भुगतान में विलंब के कारण हजारों योग्य अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इससे छात्रों और उनके अभिभावकों में निराशा एवं मानसिक तनाव बढ़ रहा है। ज्ञापन में अभ्यर्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं को पूर्णतः पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से संचालित करने, परीक्षा से लेकर नियुक्ति तक की प्रक्रिया के लिए निर्धारित समयसीमा एवं वार्षिक कैलेंडर जारी करने,

परीक्षा में गड़बड़ी एवं भ्रष्टाचार के दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने, लंबित छात्रवृत्ति राशि का शीघ्र भुगतान करने तथा परीक्षा केंद्रों के चयन, ओएमआर मूल्यांकन और डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर आयोगों के प्रति छात्रों का विश्वास बहाल करने की मांग की।

अभ्यर्थियों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि उनके मांग-पत्र को शीघ्र ही मुख्यमंत्री एवं संबंधित आयोगों तथा विभागों तक पहुंचाया जाए, ताकि योग्य एवं मेधावी युवाओं को समय पर न्यायोचित अवसर मिल सके। इस अवसर पर दिवाकर कुमार, सुदामा यादव, मिन्हाज अंसारी, सोनू चौधरी, साक्षी गुप्ता, विवेक यादव, जयराज, रोशनी कुमारी, अजय शर्मा, मनीष कुमार, नीलम कुमारी, जैनब खातून, साहिल अंसारी, गजानंद यादव, पूजा कुमारी, उर्मिला सहित झारखंड प्रतियोगिता परीक्षा सुधार आंदोलन समिति, मधुपुर के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सहजकर्ता दल के सदस्यों के कार्यशाला का हुआ समापन

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- सबकी योजना सबका विकास अभियान के तहत सहजकर्ता दल के सदस्यों का नारायणपुर प्रखंड सभागार में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। कार्यशाला में प्रशिक्षक सोहराब अली और दिलीप बासकी ने सहजकर्ता दल के सदस्यों को पंचायत विकास के लिए प्लान बनाने, ग्राम सभा करने, थीम बेसिस योजना लेने आदि की जानकारी दी। ग़रीबी मुक्त और उन्नत आजिविका वाला गांव, स्वास्थ गांव, बाल हितैषी गांव, पर्याप्त जल युक्त गांव, स्वच्छ एवं हरा भरा गांव, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा वाला गांव, सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव, सुशासन वाला गांव, महिला हितैषी गांव आदि थीम पर काम करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर समन्वयक नरेश सोरेन, मनोरथ मरांडी, कंचन कुमार, दुलाल मंडल, मो फारूक आदि उपस्थित थे।

जर्जर करकट की छत गिरने से 15 वर्षीय किशोरी की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- बरही थाना क्षेत्र के पूर्वी पंचायत अंतर्गत बाराटांड़ गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में जर्जर करकट की छत गिरने से 15 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। मृतका की पहचान बबलू भुइयां की पुत्री मनीषा कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिस घर में मनीषा मौजूद थी, उसकी करकट की छत काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी थी। लगातार हो रही बारिश के कारण छत पूरी तरह भीगकर कमजोर पड़ गई थी। इसी दौरान एक बकरी छत पर चढ़ गई, जिससे जर्जर करकट अचानक टूटकर नीचे गिर पड़ा। करकट के टूटे हुए हिस्से की चपेट में आने से मनीषा गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के तुरंत बाद परिजन उसे इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया

और गांव के लोग भी बड़ी संख्या में पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचे। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आपदा राहत कोष अथवा अन्य सरकारी योजनाओं के तहत उचित मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि परिवार ने अपनी नाबालिग बेटी को खो दिया है और इस दुख की घड़ी में प्रशासन को हरसंभव सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। घटना की जानकारी मिलते ही मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर, मनोज रविदास, मनोज राम, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि पंकज कुमार, वार्ड सदस्य बिरेन्द्र कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

पिछले तीन दिनों की तीखी धूप के बाद मानसून की वर्षा से कृषकों में दिखा उल्लास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड: प्रखंड कार्यालय पाकुड़िया से वर्षापात की जानकारी प्राप्त नहीं होने से अब तक कितनी मिलीमीटर वर्षा हुई है, यह कहना कठिन हो रहा है। परंतु एक आकलन के आधार पर जानकारों का अनुमान है कि इस साल पाकुड़िया प्रखंड में विगत वर्ष की तुलना में बारिश की गति धीमी देखी जा रही है और इन दिनों मूसलधार बारिश नहीं हुई है। इन दिनों वर्षा होती रही है, लेकिन रुक-रुक कर हल्के स्तर पर। वहीं, तीन दिन की तेज धूप से कृषकों की कुछ चिंता बढ़ी और प्रखंड के कई गांवों के खेतों में पानी की कमी के कारण पंपसेट से सिंचाई करते भी देखा गया। परंतु 26, 27 और 28 जुलाई को हुई हल्की वर्षा से कृषकों में उल्लास देखा जा रहा है। यद्यपि 10 जुलाई से प्रखंड के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में धान रोपनी के कार्यों में तेजी आई है। प्रखंड के प्रसिद्ध कृषक रैनी हांसदा, कालेश्वर मुर्मू, प्रकाश मरांडी, विमल हांसदा, नरेन मंडल, रफीक आलम, अभिजीत टुडू, सिलबानुस हेम्बरम, दीपक हांसदा, शुभनाथ किस्कू, दीपन बास्की,

रफाईल मुर्मू, विमल मुर्मू सहित बड़ी संख्या में किसानों का मानना है कि धान रोपनी में तेजी आई है।

यदि इसी प्रकार प्रतिदिन हल्की मानसूनी वर्षा होती रही तो धान रोपनी का समापन अगस्त महीने तक हो जाएगा। लेकिन भारी वर्षा के बिना ऊपरी भूमि में धान रोपनी में देर हो सकती है। पूछने पर कृषकों ने बताया कि बारिश होती रहने से धान के अलावा वर्षा का जल नदी, चेक डैम और तालाबों में संग्रहित होगा, जिससे रबी एवं विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती की जा सकेगी। इन दिनों पाकुड़िया में पक्के चेक डैम, सिंचाई कूप तथा छोटे-बड़े तालाबों की खुदाई से किसानों की खेती में सुविधा बढ़ी है। यदि बड़े पैमाने पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी तो प्रखंड के मेहनती किसान और अधिक उत्साहित होकर कृषि कार्य में जुटेंगे, क्योंकि पाकुड़िया प्रखंड के किसानों का मुख्य साधन कृषि ही है। बहरहाल, मौसमी हल्की वर्षा और धीमी पवन बहने से लोगों को तीखी धूप व भीषण गर्मी से राहत मिली है। वहीं, वर्षा के बाद वृक्षों पर निखरी हरियाली से प्राकृतिक सौंदर्य बिखरता दिख रहा है, जिससे मौसम सुहाना हो गया है।

जमीन माफिया के साम्राज्य पर EOU का वार; एक-तिहाई कीमत पर खरीदी करोड़ों की जमीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। जमीन माफिया गुड्डु यादव ने अवैध तरीके से करोड़ों रुपये की जमीन पर कब्जा तो जमाया ही, इन अचल संपत्तियों के निबंधन में राजस्व की चोरी भी की। अपने आपराधिक प्रभुत्व का उपयोग कर महज एक तिहाई रकम पर जमीन का निबंधन कराया गया है। ईओयू की जांच में खुलासा हुआ है कि गुड्डु यादव और उसकी पत्नी दुलारी देवी के नाम पर जमुई और सिकंदरा में 29 संपत्तियां दर्ज हैं। इनका निबंधन मूल्य 2.57 करोड़ रुपये है, जबकि सरकारी सर्किल रेट के अनुसार इनकी कीमत 7.59 करोड़ रुपये आंकी गई है।

गिरोह के सदस्यों व स्वजन के नाम से भी खरीदी संपत्तियां

इसके अलावा गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके परिजनों के नाम पर 61 दस्तावेजों के माध्यम से अतिरिक्त अचल संपत्तियां खरीदी गई हैं। इन पर 3.37 करोड़ रुपये का निवेश दिखाया गया है, जबकि सरकारी सर्किल रेट के अनुसार इनकी कीमत 6.65 करोड़ रुपये है। जांच में यह भी सामने आया कि गुड्डु यादव और उसकी पत्नी के 10 बैंक खाते हैं। कई संपत्तियां अमित कुमार भगत, रामविलास यादव, रंजीत केशरी, संजीव कुमार, विशाल

कुमार, आफताब खान, अनिश कुमार, छोटन यादव और बालेश्वर महतो सहित अन्य लोगों के नाम पर भी दर्ज कराई गई हैं।

गुड्डु यादव के पास मिलीं 79 राउंड राइफल की गोलियां

गुड्डु यादव के घर, पैतृक मकान और पेट्रोल पंप से 8.13 लाख नकद, जमीन खरीद से जुड़े दर्जनों दस्तावेज, दस बैंक पासबुक, ट्रैक्टर, बोलेरो, स्कूटी समेत कई वाहनों के कागजात और 79 राउंड राइफल की गोलियां बरामद हुई। बाबूलाल यादव के यहां से 52 से अधिक जमीन संबंधी दस्तावेज, स्कार्पियो के कागजात मिले। भूषण यादव के यहां से जमीन के दस्तावेज और बैंक रिकॉर्ड मिले। छोटू यादव के यहां से सात जमीन के दस्तावेज, पांच बैंक पासबुक, कंबाइन मशीन के कागजात, एक देसी कट्टा और दो गोलियां बरामद हुई। विपिन यादव के यहां से 15.06 लाख नकद, जमीन के कागजात, बैंक खाता और तीन ट्रकों के कागजात मिले। शहनवाज अली के यहां से 9.50 लाख नकद, बैंक दस्तावेज और पासपोर्ट मिला। शंभू यादव के यहां से 1.50 लाख नकद, 11 बैंक पासबुक, स्कार्पियो और ट्रैक्टर के कागजात मिले। प्रवीण मिश्रा के यहां से अंचल कार्यालय के सरकारी रजिस्टर, न्यायालय से जुड़े सीलबंद लिफाफे और जमीन संबंधी दस्तावेज बरामद हुए, जिनकी जांच की जा रही है।

छात्र आंदोलन के 27 केस वापस; तेज प्रताप यादव समेत दर्जनों आंदोलनकारी जेल से रिहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के निर्णय के आलोक में महाधिवक्ता के जारी पत्र का अनुपालन करते हुए पटना के लोक अभियोजक ने नीट यूजी आंदोलन से जुड़े 27 मामलों में मुकदमा वापस के लिए आवेदन दाखिल किया। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव समेत दर्जनों आंदोलनकारियों को मंगलवार को जेल से रिहा कर दिया गया।

राज्यभर में दर्ज हुए थे 64 मुकदमे

नीट यूजी प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर राज्य में हुए आंदोलन में 26 जुलाई, 2026 की शाम 6:00 बजे तक आंदोलनकारियों के खिलाफ 64 मुकदमे दर्ज हुए थे। इनमें से 27 मुकदमे पटना शहर में थे । पटना शहर में दर्ज किये गये 27 मुकदमे में सबसे ज्यादा 16 मुकदमे कोतवाली थाना में दर्ज किए गए थे। वहीं गांधी मैदान थाना में छह, सचिवालय थाना में चार और शास्त्री नगर थाना में एक मुकदमा दर्ज किया गया था।

तेज प्रताप का समर्थकों ने किया स्वागत

लोक अभियोजक राजेश कुमार के निर्देश पर सभी मुकदमों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 360 के तहत मुख्य अभियोजन पदाधिकारी विद्यासागर की देखरेख में अलग-अलग आवेदन दाखिल किया गया। इन मुकदमों में से एक मुकदमा गांधी मैदान थाना कांड संख्या 400 /2026 जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव के खिलाफ दर्ज है, जिसे भी वापस लिया गया है। आवेदन दाखिल होने के बाद बेउर जेल में बंद तेज प्रताप यादव दर्जनों आंदोलनकारियों को जेल से मुक्त कर दिया गया। वहीं, तेज प्रताप यादव मंगलवार की शाम लगभग साढ़े छह बजे बेउर जेल से बाहर आए। समर्थकों ने फूल-माला और नारेबाजी के साथ उनका स्वागत किया।

उर्दू प्राथमिक विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन सम्पन्न

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड:- प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया स्थित उर्दू प्राथमिक विद्यालय में बीते सोमवार को शिक्षा विभाग के निर्देशों के आलोक में विद्यालय प्रबंधन समिति (वीएमसी) का विधिवत गठन किया गया। यह प्रक्रिया पर्यवेक्षक मोहम्मद इब्रार आलम की उपस्थिति एवं देखरेख में संपन्न हुई। गठन प्रक्रिया के दौरान 20 सदस्यीय विद्यालय प्रबंधन समिति का सर्वसम्मति से गठन किया गया। समिति के अध्यक्ष पद पर मुजीबुर्रहमान तथा उपाध्यक्ष पद पर कुरैसिया खातून का चयन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने नवगठित समिति को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि समिति विद्यालय के शैक्षणिक विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण हित में सक्रिय भूमिका निभाएगी। विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न हुई।

अब अजगैवीनाथ धाम के नाम से जाना जाएगा सुल्तानगंज

विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के उद्घाटन में बोले मुख्यमंत्री सम्राट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अजगैवीनाथ धाम (भागलपुर)। श्रावणी मेले के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कांवरियों की सेवा से लेकर सुल्तानगंज और आसपास के क्षेत्र के विकास का खाका सामने रखा। उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला इस इलाके के लिए सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि एक पर्व है। भागलपुर, मुंगेर और बांका के लोग साल भर सावन का इंतजार करते हैं, ताकि देश-दुनिया से बाबा बैद्यनाथ को जल चढ़ाने आने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत और सेवा कर सकें। उन्होंने बाबा अजगैवी नाथ के चरणों में प्रणाम करते हुए बिहार की समृद्धि और विकास के लिए भगवान भोलेनाथ और मां पार्वती का आशीर्वाद मांगा। लोगों को सुल्तानगंज का

नाम अजगैवीनाथ धाम लिखने के लिए कहा। सुल्तानगंज का नाम अजगैवी नाथ नगर करने की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नाम बदलने के लिए किसी का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। लोग अभी से अजगैवीनाथ धाम लिखना शुरू कर दें। यह बाबा अजगैवी नाथ की नगरी है। जब लोग इस नाम को अपनाएंगे तो प्रशासन भी इसे लिखना शुरू कर देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वास्थ्य, पर्यटन, पथ निर्माण, जल संसाधन और पीएचईडी समेत विभिन्न विभागों की टीमें लगी हुई हैं। वह तारापुर से सुल्तानगंज आते समय रास्ते में विभागों की तैयारियां देखते हुए आए हैं। हालांकि, सरकारी व्यवस्था से कहीं बढ़कर इस इलाके के लोग कांवरियों की सेवा में जुटते हैं। सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा यहां की पुरानी परंपरा है। कांवर यात्रा को सामाजिक समानता का सबसे बड़ा उदाहरण बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में शायद ही कहीं एक साथ इतनी बड़ी संख्या में लोग एक जैसा वस्त्र पहनकर एक ही उद्देश्य से यात्रा करते हों। कांवरिये अजगैबीनाथ में उत्तरवाहिनी गंगा से जल उठाते हैं और करीब 100 किलोमीटर पैदल चलकर बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करते हैं। साढ़े तीन से साढ़े चार दिन की यात्रा में वस्त्र एक, बोली 'बोल बम' और लक्ष्य भी एक होता है। उन्होंने कहा कि बचपन से देखते आए हैं कि नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका समेत कई देशों से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मुख्यमंत्री ने अजगैवीनाथ मंदिर और उत्तरवाहिनी गंगा के घाटों को विकसित करने का भरोसा भी दिया। CM ने कहा कि मंदिर के चारों तरफ बेहतर व्यवस्था करने की मांग लोगों ने की है। हरिद्वार की तर्ज पर उत्तरवाहिनी गंगा के दोनों किनारों पर घाट विकसित करने और जल प्रवाह की बेहतर व्यवस्था करने की दिशा में काम किया जाएगा।

तेजस्वी का चुनावी वार; बोले- भाजपा हटेगी तभी युवाओं को मिलेगा रोजगार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना : बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने रोड शो किया। इस दौरान कहा कि जब तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार सत्ता से नहीं हटेगी, तब तक गरीबी और बेरोजगारी से मुक्ति नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को न तो रोजगार मिल रहा है और न ही आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

छात्रों पर किया जा रहा लाठीचार्ज

छात्र जब स्वच्छ शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक मुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं की मांग करते हैं, तो उन पर लाठीचार्ज किया जाता है और‌एच-47 से गोलियां चलाई जाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के आंदोलन करने पर उन पर गलत धाराओं में मुकदमे दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है।तेजस्वी ने कहा कि बांकीपुर में पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से भाजपा का प्रतिनिधित्व रहा है, लेकिन न तो स्मार्ट गांव बन सके और न ही स्मार्ट शहर। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि यदि वे इन समस्याओं से मुक्ति चाहते हैं, तो इसकी शुरुआत बांकीपुर से करें और महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता को विजयी बनाएं। मंगलवार को रोड शो के दूसरे दिन तेजस्वी यादव ने महागठबंधन की प्रत्याशी रेखा गुप्ता के समर्थन में हड़ताली मोड़ स्थित पहलवान मार्केट के पास आयोजित सभा को संबोधित किया। इसके बाद उनका काफिला निर्धारित समय सुबह 10:30 बजे के बजाय करीब 12:30 बजे बोरिंग रोड की ओर रवाना हुआ। राजापुर पुल, दुजार मस्जिद, इनकम टैक्स गोलंबर और चकारम देवी मंदिर समेत कई इलाकों से गुजरते हुए उन्होंने जनसंपर्क किया। रास्ते में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बाद में पूर्वी लोहानीपुर पहुंचकर उन्होंने लोगों से राजद प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम, डॉ. रामानंद यादव, रणविजय साहू, अख्तरुल ईमान, सैयद महताब आलम, प्रदेश महासचिव भाई अरुण कुमार, प्रदेश प्रवक्ता अरुण यादव और जिलाध्यक्ष दीनानाथ यादव सहित अन्य नेता मौजूद थे।

भीड़ रही कम, भाजपा के जुलूस से हुआ आमना-सामना

राजद के रोड शो के दूसरे दिन पहले दिन की तुलना में भीड़ अपेक्षाकृत कम रही। चकारम के पास सांसद रविशंकर प्रसाद, अभिनेता पवन सिंह और भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा के जुलूस से तेजस्वी यादव के काफिले का आमना-सामना हो गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव के वाहन पर प्रचार पर्चे फेंके, जिन्हें उन्होंने उठाकर नीचे फेंक दिया। हालांकि, दोनों दलों के कार्यकर्ता शांत रहे और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

संक्षिप्त खबरें

ओखला में एमसीडी की कूड़ा गाड़ी ने ली अज्ञात युवक की जान, ड्राइवर गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। ओखला एस्टेट मार्ग पर क्राउन प्लाजा रेड लाइट के पास सोमवार देर रात एमसीडी की कूड़ा गाड़ी (डीएल 1 जीसी 7090) की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मौके से आरोपित चालक विपिन को हिरासत में ले लिया है। आरोपित किराड़ी के सुलेमान नगर का रहने वाला है। क्राइम टीम ने घटना स्थल की जांच कर अहम साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेज दिया गया है। केस दर्ज कर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। क्राउन प्लाजा चौराहे पर पहले भी हादसे होते रहे हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा इतना भयावह था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही ओखला इंडस्ट्रियल एरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आरोपित ट्रक चालक विपिन से घटना को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक अज्ञात युवक फुटपाथ पर रहकर जीवन यापन करता था। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। बता दें कि वर्ष 2019 में ट्रक और कार की टक्कर में तीन लोगों की जान चली गई थी। 2021 में एक बाइक सवार की मौत ट्रक की चपेट में आने से हुई थी।

दिल्ली में साइबर-म्यूल सिंडिकेट का भंडाफोड़, बैंक अधिकारी समेत 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले के साइबर सेल थाना पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले एक बड़े साइबर-म्यूल सिंडिकेट का पर्दाफाश कर सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक के ब्रांच मैनेजर और इंडसइंड बैंक के चार अधिकारी-कर्मचारी समेत 10 आरोपित को गिरफ्तार किया है। यह सिंडिकेट चार साल से भारत के अलावा दुबई और यूके में बैठे साइबर सिंडिकेट को साइबर ठगी करने के लिए म्यूल बैंक खाता मुहैया करा रहा था। वर्क फ्रॉम होम के नाम पर 10 हजार की ठगी की जांच कर रही पुलिस को 19 राज्यों के पीड़ितों से 70 करोड़ रुपये ठगी किए जाने का पता चला। इनके पास से 248 बैंक किट, 38 सिम कार्ड, 28 फर्जी कंपनियों की मुहरें, 55 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, एक लाख नकद और एक ब्रेजा कार बरामद की गई है। आरोपितों के नाम दिशांत खन्ना (शालीमार बाग), कुंदन कुमार (उत्तम नगर), मोहित सोनी (हैदरपुर), योगेश कुमार (हैदरपुर), रंजीत डेमियन एक्का (शालीमार बाग), मृदुल (इंदिरा पार्क), कोमाक्षी शर्मा (द्वारका सेक्टर-22), पायल सेठिया, (नवादा उत्तम नगर), सृष्टि (द्वारका सेक्टर-तीन) और चिराग भाटिया (पश्चिम विहार) है। डीसीपी मध्य जिला रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक एक पीड़ित को इंटरनेट मीडिया पर आनलाइन 'वर्क-फ्राम होम' फ्रीलांसिंग का लालच देकर ठगों ने उन्हें नौकरी के रजिस्ट्रेशन और अकाउंट प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 10 हजार ऐंठ लिए थे, जिसके बाद उन्हें ब्लाक कर दिया गया और सारी चैट डिलीट कर दी थी।

हर्ष फायरिंग मामले में BJP विधायक राजू कुमार सिंह को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली राहत, सजा पर लगी रोक

नई दिल्ली। वर्ष 2018 में एक फार्महाउस पर हर्ष फायरिंग से हुई महिला की मौत के मामले में बिहार के साहेबगंज से भाजपा के विधायक राजू कुमार सिंह को चार साल की सजा सुनाने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने राजू कुमार सिंह को राहत देते हुए कहा कि वह पहले ही जेल में दो महीने और 22 दिन बिता चुके हैं और निकट भविष्य में उनकी सजा के खिलाफ अपील पर अंतिम सुनवाई होने की कोई संभावना नहीं है। अपीलकर्ता राजू कुमार की सजा को निलंबित करते हुए पीठ ने 25,000 रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया। दरअसल, 31 दिसंबर 2018 की रात फतेहपुर बेरी स्थित एक फार्महाउस में नए साल के जश्न के दौरान विधायक राजू सिंह ने हर्ष फायरिंग की। इसमें गोली लगने से महिला आर्किटेक्ट अर्चना गुप्ता की मौत हो गई थी। राउज एवेन्यू स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट ने विधायक राजू सिंह को गैर-इरादतन हत्या और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन से जुड़े प्रावधानों के तहत दोषी पाया था। उन्हें चार साल की कैद और 25 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई थी।

वर्धमान-आईची स्टील प्लांट की रखी नींव

1,116 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट से लुधियाना बनेगा एडवांस मैन्युफैक्चरिंग हब

वर्धमान-आईची स्टील प्लांट की रखी नींव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियान– पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जापान की आईची स्टील की भागीदारी के साथ वर्धमान स्पेशल स्टील्स द्वारा स्थापित किए जा रहे देश के अपनी तरह के पहले 1,116 करोड़ रुपए के फोर्जिंग और मशीनिंग यूनिट का नींव पत्थर रखा। उन्होंने इसे पंजाब के औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में बड़ा प्रोत्साहन बताया। यह प्रोजेक्ट 500 से अधिक युवाओं को सीधा रोजगार प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि वर्धमान-आईची के प्रोजेक्ट के भविष्य के विस्तार से अन्य 2,000 लोगों के लिए नौकरियों के अवसर पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनियों द्वारा पंजाब के अनुकूल औद्योगिक माहौल को देखते हुए निवेश को 500 करोड़ रुपए के शुरुआती समझौते से बढ़ाकर 1,116 करोड़ रुपए किया गया है, जो राज्य की उद्योग-अनुकूल नीतियों में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। यह प्लांट घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए उच्च-मूल्य वाले ऑटोमोबाइल पार्ट्स का निर्माण करेगा, जबकि पंजाब की नई औद्योगिक नीति 'सिंगल-विंडो, सिंगल-पेन' प्रणाली के माध्यम से 45 दिनों के अंदर सभी मंजूरियों को सुनिश्चित करती है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'यह प्रोजेक्ट पंजाब के औद्योगिक क्षेत्र के लिए नए युग की शुरुआत है। यह राज्य के आर्थिक विकास को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ 500 से अधिक युवाओं को सीधा रोजगार प्रदान करेगा। वर्धमान न केवल अग्रणी औद्योगिक समूह है, बल्कि पंजाब की विकास गाथा का महत्वपूर्ण हिस्सा भी है, जो लगभग चार दशकों से राज्य में काम कर रहा है। वर्धमान और आईची स्टील के बीच भागीदारी भरोसे, प्रौद्योगिकी और लंबे समय के दृष्टिकोण पर आधारित है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'आईची स्टील मान्यता प्राप्त जापानी कंपनी है और टोयोटा ग्रुप की महत्वपूर्ण सप्लायर है। दिसंबर 2025 में हमारी जापान यात्रा के दौरान हमने नागोया में आईची स्टील की लीडरशिप से मुलाकात की थी। उस समय वर्धमान और आईची स्टील ने पंजाब में लगभग 500 करोड़ रुपए के निवेश के साथ मैन्युफैक्चरिंग सुविधा स्थापित करने की संभावनाओं के लिए समझौता किया था। आज कुछ ही महीनों के अंदर इस समझौते को अमली रूप दे दिया गया है। यह नीति को अमल में लाने और प्रतिबद्धता को हकीकत में बदलने का प्रत्यक्ष प्रमाण है। दो चरणों में लगभग 1,100 करोड़ रुपए का नियोजित निवेश किया जाना है।' प्रोजेक्ट के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'यह प्रोजेक्ट पंजाब में जापानी आधुनिक फोर्जिंग प्रौद्योगिकी लाएगा और भारत के साथ-साथ यूरोप, आसियान देशों, अफ्रीका और मेक्सिको के बाजारों के लिए उच्च-मूल्य वाले ऑटोमोबाइल पार्ट्स का निर्माण करेगा। पंजाब न केवल विशेष स्टील का उत्पादन करेगा बल्कि तैयार पार्ट्स का निर्माण भी करेगा। यह बुनियादी निर्माण से उच्च-मूल्य वाले निर्माण की ओर महत्वपूर्ण बदलाव है और इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल पार्ट्स तथा एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग के मुख्य केंद्र के रूप में लुधियाना की स्थिति को और मजबूत करेगा।' राज्य के औद्योगिक ढांचे का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह निवेश पंजाब के कुशल श्रमिकों, वर्क कल्चर और औद्योगिक क्षमता में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के विश्वास को दर्शाता है। 'पंजाब इंडस्ट्रियल एंड ट्रेड डेवलपमेंट पॉलिसी 2026' 24 क्षेत्रीय नीतियों के माध्यम से सहायता प्रदान करती है और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, निर्यात, प्रौद्योगिकी, रोजगार और टिकाऊ औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करती है। निवेशकों को उनके प्रोजेक्ट्स के दौरान स्पष्ट नीतियां, तुरंत फैसले और पूर्ण सहयोग मिलना चाहिए।' उन्होंने बताया, 'पंजाब ने वन-ऑफिस, वन पोर्टल, 'सिंगल विंडो-सिंगल पेन' और सिंगल-पॉइंट रिस्पांसिबिलिटी की एक विशिष्ट प्रणाली स्थापित की है। 'इन्वेस्ट पंजाब' शुरुआत से लेकर मंजूरियों, निर्माण, उत्पादन और भविष्य के विस्तार तक निवेशकों के लिए संपर्क का एकमात्र केंद्र के रूप में काम करता है।

हेपेटाइटिस बी और सी का इलाज पूरी तरह मुफ्तः सिविल सर्जन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तरनतारन। सिविल सर्जन कार्यालय तरनतारन में विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया गया। स्वास्थ्य विभाग पंजाब के निर्देशों पर आयोजित कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को हेपेटाइटिस से बचाव, जांच और उपचार के बारे में जागरूक किया गया। सिविल सर्जन डॉ. संदीप धवन ने बताया कि हेपेटाइटिस बी और सी का इलाज सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस से बचाव और समय पर इलाज के लिए जागरूकता जरूरी है। जिले में 28 जुलाई से 11 अगस्त 2026 तक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें उच्च जोखिम वाले लोगों की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हेपेटाइटिस की रोकथाम, नियंत्रण और उपचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस को खत्म करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए लोगों की भागीदारी जरूरी है। जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. भारती धवन और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वरिंदरपाल कौर ने बताया कि हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई पांच प्रकार के होते हैं। इनमें

हेपेटाइटिस बी और सी के मामले अधिक पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित पानी व भोजन से फैलते हैं, इसलिए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। जिला महामारी विशेषज्ञ एवं नोडल अधिकारी डॉ. रणदीप सिंह ने बताया कि हेपेटाइटिस सी को काला पीलिया भी कहा जाता है। यह संक्रमित रक्त, असुरक्षित सुई और असुरक्षित संबंधों से फैल सकता है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस सी वायरस लिवर को नुकसान पहुंचाकर गंभीर स्थिति में लिवर फेलियर और कैंसर का कारण बन सकता है। कार्यक्रम के दौरान हेपेटाइटिस जागरूकता से संबंधित पोस्टर और पंपलेट भी जारी किए गए। इस अवसर पर जिला मास मीडिया अधिकारी सुखवंत सिंह सिद्धू, डॉ. रूपिंदर कौर, बीसीसी कोऑर्डिनेटर आरुष भल्ला, पीयर सपोर्ट साहिल कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर रमन कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद रहे।

ट्रेडर्स की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला– पंजाब सरकार ने आज पटियाला की असिस्टेंट कमिश्नर हरजोत कौर मावी की लीडरशिप में ट्रेड कमीशन की मीटिंग की। इसका मकसद ट्रेडर्स की समस्याओं को तुरंत हल करना और बिज़नेस एक्टिविटीज़ को और आसान बनाना था। इस दौरान ट्रेडर्स की तरफ से उठाए गए अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की गई और कई शिकायतों का मौके पर ही हल किया गया। असिस्टेंट कमिश्नर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की लीडरशिप में पंजाब सरकार ट्रेडर्स की जायज़ मांगों को हल करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि जिले में मिली शिकायतों में से 368 का हल कर दिया गया है, जबकि 10 शिकायतों को खुला माना गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाकी शिकायतों का भी जल्द से जल्द हल किया जाए। इस मौके पर ट्रेडर्स कमीशन, पटियाला के डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन एडवोकेट विनोद कुमार सिंगला ने कहा कि ट्रेडर्स की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए, समानिया गेट से महावीर मंदिर तक हेरिटेज स्ट्रीट रोड और बर्तन बाजार से मंडी तक रोड का कंस्ट्रक्शन का काम आने वाले कुछ दिनों में शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे ट्रेडर्स की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान हो जाएगा। मीटिंग में संजीव गुप्ता, गुरप्रीत सिंह धमौली, ट्रेड कमीशन के सदस्य और दूसरे संबंधित डिपार्टमेंट के अधिकारी भी मौजूद थे।

मानसून में एमसीडी ने रद की कर्मियों और अधिकारियों की छुट्टियां

नई दिल्ली। राजधानी में वर्षा , जलभराव और आपदा प्रबंधन की चुनौती को देखते हुए एमसीडी ने अपने कर्मियों और अधिकारियों की छुट्टियां रद कर दी है। इसको लेकर एमसीडी के केंद्रीय स्थापना विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार मानसून के दौरान सेवाओं को निर्बाधं बनाएं रखने और आपात स्थिति में प्रभावी तरह से निपटने के लिए यह निर्णय लिया गया है। आदेश के अनुसार पहले से स्वीकृत सभी सामान्य अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त माने जाएंगे। अब नए अवकाश आवेदन भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे। हालांकि गंभीर चिकित्सीय आपातस्थिति, मातृत्व, पितृत्व अथवा वास्तविक मानवीय आधार पर विभागाध्यक्ष की पूर्व अनुमति से अवकाश मान्य होगा। ऐसे प्रत्येक मामले की सूचना केंद्रीय स्थापना विभाग को भी देनी होगी। एमसीडी ने विशेष रूप से निर्देश दिया है कि मानसून या आपातकालीन सेवाओं से जुड़े सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों में नियमित समय पर उपस्थित रहें।

पंजाब एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट को जल्द लागू करने की मांग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– प्रोग्रेसिव लॉयर्स एंड एडवोकेट्स एसोसिएशन के सदस्यों ने अपने प्रतिनिधि एडवोकेट योगेश खन्ना के माध्यम से पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। इसमें पंजाब राज्य में 'पंजाब एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट' (पंजाब वकील संरक्षण कानून) को बनाने और लागू करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है। ज्ञापन में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि 2022 से पंजाब के राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री और पंजाब और हरियाणा बार काउंसिल से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, प्रस्तावित कानून अभी तक नहीं बनाया गया है। संदर्भ के लिए पिछले ज्ञापनों, आधिकारिक अधिसूचनाओं और पत्राचार की प्रतियां भी ज्ञापन के साथ संलग्न की गई हैं। प्रोग्रेसिव लॉयर्स एंड एडवोकेट्स एसोसिएशन ने बताया कि पंजाब में 23 जिले, लगभग 82 तहसीलें और पंजाब और हरियाणा बार काउंसिल में पंजीकृत 75,000 से अधिक प्रैक्टिस करने वाले वकील हैं। वकील न्याय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और कानून के शासन की रक्षा करते हुए तथा न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए कोर्ट के अधिकारियों के रूप में अपने पेशेवर कर्तव्यों का पालन करते हैं। ज्ञापन में वकीलों और कुछ मामलों में उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ हिंसा, डराने-धमकाने, आपराधिक धमकियों, उत्पीड़न, मारपीट, ब्लैकमेल और हमलों की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। ऐसी घटनाएं कानूनी पेशे की स्वतंत्रता, गरिमा और सुरक्षा पर बुरा असर डालती हैं और वकीलों को निडर होकर अपने कर्तव्यों का पालन करने से रोकती हैं। एडवोकेट योगेश खन्नाने एक व्यापक 'वकील संरक्षण कानून' की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया है, जिसमें वकीलों की पेशेवर जिम्मेदारियों के निर्वहन के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी दंडात्मक प्रावधान हों। यह कहा गया है कि ऐसा कानून वकीलों को बिना किसी डर या अनुचित दबाव के स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम बनाकर न्याय प्रशासन को

मजबूत करेगा। ज्ञापन के माध्यम से, प्रोग्रेसिव लॉयर्स एसोसिएशन ने सम्मानपूर्वक अनुरोध किया है कि माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश उचित हस्तक्षेप पर विचार करें और पंजाब सरकार को निर्देश दें कि वह न्याय, कानून के शासन और कानूनी बिरादरी की सुरक्षा के व्यापक हित में 'पंजाब एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट' को बनाने और लागू करने के लिए त्वरित कदम उठाए। एडवोकेट योगेश खन्ना ने उम्मीद जताई है कि पंजाब में न्याय व्यवस्था को मज़बूत करने के लिए वकीलों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर जल्द और सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा।

खाने की क्वालिटी की जांच और हाइजीन के बारे में जागरूकता चलाया अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन, IAS की दूर की सोच और गाइडेंस में, लुधियाना के डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने सोमवार को डाबा रोड पर फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स कैंपेन के तहत एक खास जांच और जागरूकता अभियान चलाया ताकि सुरक्षित, हाइजीनिक और अच्छी क्वालिटी का खाना मिल सके। जांच के दौरान, फूड सेफ्टी टीम ने फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब का इस्तेमाल करके पनीर, खोआ बर्फी और मिल्क केक के तीन सैंपल इकट्ठा किए और मौके पर ही उनका टेस्ट किया। एक सैंपल फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड के हिसाब से पाया गया, जबकि दो सैंपल क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए। ट्रांसपेरेंसी और समय पर सुधार के लिए संबंधित फूड बिजनेस ऑपरेटरों को टेस्ट रिपोर्ट तुरंत जारी कर दी गई। इस मौके पर स्ट्रीट फूड वेंडर और लोकल फूड बिजनेस ऑपरेटरों के लिए फूड सेफ्टी और हाइजीन पर एक जागरूकता सेशन भी किया गया। पार्टिसिपेंट्स को पर्सनल हाइजीन, खाना बनाने की जगहों और बर्तनों की सफाई, खाने को सुरक्षित तरीके से संभालने और स्टोर करने, खराब होने से बचाने, पीने के साफ पानी का इस्तेमाल, वेस्ट मैनेजमेंट को असरदार तरीके से करने और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) की गाइडलाइंस का पालन करने के बारे में डिटेल में जानकारी दी गई। वेंडर्स को कस्टमर्स को सुरक्षित और पौष्टिक खाना देने के लिए हाइजीन स्टैंडर्ड्स का लगातार पालन करने के लिए मोटिवेट किया गया। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने कहा कि जिला प्रशासन लोगों की सेहत की रक्षा करने और फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड्स को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह से कमिटेड है। उन्होंने कहा कि लुधियाना के लोगों को सुरक्षित, साफ-सुथरा और पौष्टिक खाना देने और जिम्मेदार फूड हैंडलिंग के तरीकों को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी रेगुलर इंस्पेक्शन, ऑन-साइट फूड इंस्पेक्शन और अवेयरनेस कैंपेन जारी रहेंगे। उन्होंने सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स और स्ट्रीट फूड वेंडर्स से फूड सेफ्टी नियमों का सख्ती से पालन करने और जिला प्रशासन के साथ एक्टिव रूप से सहयोग करने की अपील की।

डी एफ ओ.उत्तरी की सख्ती के बावजूद चलवाई जा रहीं जंगल से लकड़ी ले जाने वाली साइकिलें

लखीमपुर खीरी– जिले की तेज तर्रार वनाधिकारी उत्तरी खीरी वन प्रभाग की लाख सख्ती के वाबजूद भीरा रेंज की पलहनापूर बीट में जंगल की लकड़ी का लकड़्हारो द्वारा किया जा रहा परिवहन रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है।सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक वन रेंज भीरा की पलहनापूर विट में यह खेल काफी अर्से से चल रहा है।वर्तमान समय में यह सारा खेल बीट प्रभारी शंकर प्रसाद की मिलीभगत से चल रहा है। सूत्र बताते हैं कि वन दरोगा/फॉरेस्ट गॉर्ड द्वारा 50 रुपया वसूल कर दर्जनों साइकिलें चलवाई जा रहीं हैं द्य एक लकड्हारे ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि 50 रुपया प्रति साइकिल से वसूली की जाती है।सूत्र बताते हैं कि लगातार 05 दिनों से चलती देखी जा रहीं साइकिलें वन विभाग के जिम्मेदारों की मिलीभगत होने की पुष्टि करने को काफी है।यह सारा खेल बीट प्रभारी के संरक्षण में होने के लग रहे आरोपों की जानकारी लेने के लिए जब शंकर प्रसाद को फोन कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो शंकर प्रसाद के बिगड़े बोल और अश्लील भाषा का प्रयोग करते नजर आए जिसकी रिकॉर्डिंग मौजूद है।

मिली जानकारी के मुताबिक इस खेल की जानकारी सेक्शन इनचार्ज ठाकुर राज दीप सिंह से लेकर रेंजर भीरा तक को होने के बावजूद इस पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रहीं है।

वन विभाग व एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में 171 कछुए बरामद, तस्कर गिरफ्तार

न्यायालय के आदेश पर सभी कछुओं को गंगा नदी में प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, कानपुर नगर ने बताया कि दिनांक 18 जुलाई, 2026 को प्राप्त सूचना के आधार पर वन विभाग, कानपुर नगर तथा एसटीएफ मुख्यालय, लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा हरवंश मोहाल क्रॉसिंग के पास विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में काले रंग का बैग लिए दिखाई दिया। तलाशी लेने पर उसके बैग से 171 इंडियन रूफ्ड टर्टल (Pangshura tecta) प्रजाति के कछुए बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इंडियन रूफ्ड टर्टल (Pangshura tecta) भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 (Schedule-I) में संरक्षित वन्यजीव है। ऐसे वन्यजीवों का शिकार करना, उन्हें अवैध रूप से अपने कब्जे में रखना अथवा उनका व्यापार करना अधिनियम की धारा 9, 39, 40, 48(ए), 51 एवं 57 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम जाहिद अली पुत्र मोहम्मद अली, निवासी भटपुरा, थाना कमालगंज, जनपद फर्रुखाबाद बताया। आरोपी के विरुद्ध भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की संबंधित धाराओं के अंतर्गत विभागीय एच-2 प्रकरण दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। बरामद किए गए सभी 171 कछुओं को माननीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कानपुर के आदेश के अनुपालन में वन विभाग कानपुर नगर एवं फर्रुखाबाद की संयुक्त टीम की निगरानी में उनके प्राकृतिक आवास पंचालघाट, जनपद फर्रुखाबाद स्थित गंगा नदी में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया।यदि चाहें तो इसे और अधिक डीएम कार्यालय/सूचना विभाग की अखबारी शैली में भी तैयार किया जा सकता है।

असम विश्वविद्यालय ने 'नॉर्थईस्ट इंटरनेशनल सस्टेनेबल समिट-2026' के लिए शोध पत्र आमंत्रित किए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः असम विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने 23-24 सितंबर, 2026 को आयोजित होने वाले 'नॉर्थईस्ट इंटरनेशनल सस्टेनेबल समिट-2026' के लिए शोध पत्र आमंत्रित किए हैं। सम्मेलन का विषय 'वैश्विक सतत विकास के एजेंडे में उत्तर-पूर्वी भारतः नवाचार, समावेशन और हरित संक्रमण' रखा गया है। सम्मेलन का उद्देश्य उत्तर-पूर्वी भारत में सतत विकास, नवाचार, समावेशी प्रगति और हरित संक्रमण से जुड़े मुद्दों पर अंतर-विषयक विमर्श को बढ़ावा देना है। समाज कार्य विभागाध्यक्ष प्रोफेसर तरुण विकास सुकाई ने सोमवार को सम्मेलन के आधिकारिक वेबपेज का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक डॉ. लालजो एस. थंगजम, समन्वयक प्रोफेसर एम. तिनेश्वरी देवी, सह-संयोजक एम. ईश्वरजीत सिंह, सह-समन्वयक अवंतिका लांगथासा सहित विभाग के शिक्षक एवं शोधकर्ता उपस्थित रहे। डॉ. लालजो एस. थंगजम ने कहा कि यह सम्मेलन उत्तर-पूर्वी भारत को सतत विकास संबंधी शोध के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम पहल साबित होगा। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शैक्षणिक अनुसंधान, सार्वजनिक नीति और जमीनी अनुभवों के बीच सार्थक संवाद को बढ़ावा मिलेगा। प्रोफेसर एम. तिनेश्वरी देवी ने कहा कि सम्मेलन विकास संबंधी चुनौतियों पर तथ्य-आधारित चर्चा को प्रोत्साहित करेगा तथा शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं, पेशेवरों और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। समाज कार्य विभाग ने देश-विदेश के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, सरकारी अधिकारियों, उद्योग विशेषज्ञों और विद्यार्थियों से मौलिक शोध पत्र आमंत्रित किए हैं। शोध पत्रों के सार (एब्स्ट्रैक्ट) 31 अगस्त तक भेजे जा सकते हैं। चयनित शोध पत्रों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की संपादित पुस्तकों तथा प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए विचार किया जाएगा। सम्मेलन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक प्रतिभागी neiss.aus.sw@gmail.com पर ईमेल के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

मोहल्ला गोविंदनगर में कुछ लोगों द्वारा किया जा रहा अवैध अतिक्रमण

लखीमपुर खीरी– लखीमपुर के सलेमपुर कोने स्थित मोहल्ला गोविंद नगर में आर केट्ठ ड्ढहॉस्पिटल के बगल वाली गली में प्रधान प्रतिनिधि नहीं दे रहे ध्यान,जिसके चलते गली वासियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है, गली में कोई पानी का निकास नहीं बना पा रहे है प्रधान ,वहां के कुछ निवाशी अपने बड़े बड़े छज्जे खड़े कर कर अतिक्रमण कर रहे है,अपने घर के सामने जीने बना रहे है जिससे कोई अपना समान किसी गाड़ी में लेके नहीं आ सकता,अगर कोई अपना सामान लेकर आता है तो रोड पे खड़ी गाड़ी से अपने आप लेकर आए जिससे सभी को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है,वही निवाशी अपने घर को को सही करने के लिए सामने मिट्टी डलवा के पूरी गली को खराब करने की कोशिश कर रहे है, बहुत सारे मकान पुराने है मिट्टी डालने पर उनके मकान में पानी भर सकता है,आये दिन उस रोड पर पानी भरने से स्कूल के बच्चे से लेकर कई लोग फिसल कर गिर चुके है,इसी वजह से बच्चे लेट होने की वजह से स्कूल नहीं जा पा रहे है,बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है, गली में रहने वाले एक से दो लोगों की वजह से सब परेशान है ,आखिर कब ध्यान देखा शासन प्रशासन।

सीबीएसई क्लस्टर-IV वॉलीबॉल प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) 2026 का भव्य शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी– तत्वावधान में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर-ढ्ढङ्क वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2026 (बालिका वर्ग) का शुभारम्भ अत्यंत भव्य एवं गरिमामय वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आयीं अनेक सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों की टीमें उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर रही हैं। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर युवराज दत्त महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य द्वारिका नाथ मालपानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेल अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं स्वस्थ जीवन शैली का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं। विशिष्ट अतिथि द्वारका नाथ मालपानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रतिस्पर्धा का वास्तविक उद्देश्य जीत-हार नहीं बल्कि उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन एवं आपसी सौहार्द है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल के माध्यम से राष्ट्र का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। विद्यालय के प्रबंध निदेशक प्रशांत मिश्रा ने सभी अतिथियों, टीम प्रबंधकों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों एवं खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि ग्रीन फील्ड अकादमी को इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिलना गौरव की बात है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ उच्च स्तर पर की गई हैं। विद्यालय के शैक्षिक निदेशक आलोक मिश्रा ने प्रतियोगिता की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन सीबीएसई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्ण निष्पक्षता एवं खेल भावना के साथ किया जा रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से अनुशासन, समर्पण एवं उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन का आह्वान किया। उद्घाटन समारोह के उपरांत अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। प्रतियोगिता का संचालन सीबीएसई के निर्धारित नियमों के अनुसार अनुभवी निर्णायकों एवं तकनीकी अधिकारियों की देखरेख में किया गया। सभी टीमों ने उत्कृष्ट खेल भावना एवं अनुशासन का परिचय दिया। विद्यालय परिसर में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अतिथियों के लिए भोजन, आवास, चिकित्सा, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, टीम मैनेजर, प्रशिक्षक, निर्णायक, गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। उद्घाटन दिवस का सफल आयोजन विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों के सहयोग से संपन्न हुआ।

बारिश के पानी में भीगना: क्या यह नुकसान कर सकता है

बचाव के उपाय

» बारिश में भीगने के बाद जल्द से जल्द सूखे कपड़े पहनें।
» शरीर और बालों को अच्छी तरह सुखाएं।
» गुनगुना पेय या सूप लें ताकि शरीर का तापमान सामान्य रहे।
» यदि गंदे पानी के संपर्क में आए हों, तो साबुन से स्नान करें।
» लंबे समय तक गीले कपड़े या जूते न पहनें।
» यदि बुखार, तेज खांसी, सांस लेने में तकलीफ, त्वचा पर गंभीर संक्रमण या लगातार अस्वस्थता महसूस हो, तो चिकित्सक से सलाह लें।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोरांव प्रयागराज। बारिश में भीगना कई लोगों को अच्छा लगता है, बारिश में कभी-कभार थोड़ी देर भीगना अधिकांश स्वस्थ लोगों के लिए गंभीर समस्या नहीं होता, लेकिन लंबे समय तक भीगना, गंदे पानी के संपर्क में रहना या भीगने के बाद उचित देखभाल न करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। बारिश में भीगने के बाद शरीर का तापमान कम हो सकता है, जिससे सर्दी-जुकाम, गले में खराश या वायरल संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि केवल भीगने से सर्दी नहीं होती, लेकिन ठंड और वायरस के संपर्क में आने पर बीमारी की संभावना बढ़ सकती है। शहरी क्षेत्रों में शुरुआती बारिश के पानी में धूल, प्रदूषण और हानिकारक रसायन मिले हो सकते हैं।

ऐसे पानी के संपर्क से त्वचा में खुजली, एलर्जी, दाने या आंखों में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यदि पैरों में कोई घाव हो और व्यक्ति गंदे या रुके हुए बारिश के पानी में चले, तो बैक्टीरिया या फंगस से संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को बारिश में भीगने से विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।इसलिए बारिश का आनंद लें, लेकिन सावधानी के साथ।

सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर शादी का दबाव और ब्लैकमेल करने वाला वांछित गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। कमिश्नरेट प्रयागराज की थाना सोरांव पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक महिला को कथित रूप से अश्लील संदेश भेजने, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करने तथा फर्जी आईडी बनाकर शादी के लिए दबाव बनाने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। पुलिस के अनुसार थाना सोरांव पर दर्ज मुकदमा संख्या 279/2026 में वांछित अभियुक्त सानू अली पुत्र हामिद अली को मंगलवार, 28 जुलाई 2026 को थाना क्षेत्र के लूसनपुर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी मूल रूप से 10/444 कर्नलगंज, नव ज्योति शिक्षा निकेतन स्कूल के पास, थाना ग्वालटोली, कमिश्नरेट कानपुर नगर का निवासी है तथा वर्तमान में त्रिभुवन खेड़ा, थाना गंगाघाट, जनपद उन्नाव में रह रहा था। उसकी उम्र लगभग 34 वर्ष बताई गई है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया था कि आरोपी लगातार उसके तथा उसके सगे रिश्तेदारों के मोबाइल और व्हाट्सएप नंबरों पर अश्लील एवं आपत्तिजनक संदेश भेज रहा था। इतना ही नहीं, आरोपी ने कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर गाली-गलौज की तथा सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर पीड़िता पर शादी करने का दबाव बनाया और ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर थाना सोरांव में आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352, 351(3), 308(5), आईटी एक्ट की धारा 66(डी) तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(ड्ड) एवं 3(1)(ध) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और उसकी तलाश की जा रही थी। थाना सोरांव पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को लूसनपुर पुलिया के पास से दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने नियमानुसार विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेज दिया।

सीआईएसएफ की ट्रेनिंग लेकर लौटे मनीष को चेयरमैन ने किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। सीआईएसएफ की ट्रेनिंग लेकर लौटे नगर के युवक को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष ने पालिका कार्यालय में स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया। यहां मौजूद युवक के परिजनों को शुभकामनाएं दी गई। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को नगर पालिका सभागार में एक अत्यंत गौरवशाली क्षण का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला। चेयरमैन श्री गुप्ता ने कहा कि पूरनपुर के मोहल्ला बमनपुरी निवासी महेंद्र पासवान के सुपुत्र मनीष पासवान ने सीआईएसएफ की कठिन ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। ट्रेनिंग के बाद प्रथम बार नगर आगमन पर उनके सम्मान में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर मनीष पासवान को सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य और देश सेवा के इस गौरवशाली सफर के लिए शुभकामनाएं दीं गई। उन्होंने कहा कि मनीष की यह सफलता हमारे पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। देश के सुरक्षा बल में शामिल होकर पूरनपुर का नाम रोशन करने के लिए मनीष और उनके पूरे परिवार को बधाईयाँ दीं।

विधायक पुत्र ने विधानसभा क्षेत्र के कई ग्रामों का दौरा कर ग्रामीणों से किया संवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। विधायक पुत्र ने विधानसभा क्षेत्र के कई ग्रामों का दौरा कर ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के बाद उनके समाधान हेतु संबंधितों से वार्ता भी की। 129, विधानसभा पूरनपुर के भाजपा विधायक बाबूराम पासवान के पुत्र ऋतुराज पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के कई ग्रामों में जाकर किसानों, मातृशक्ति, युवा साथियों एवं सम्मानित जनता के बीच आत्मीय संवाद का सौभाग्य प्राप्त हुआ। खेत-खलिहान से लेकर गाँव की चौपाल तक, हर चेहरे पर क्षेत्र के विकास की उम्मीद और हर आवाज़ में जनहित की भावना स्पष्ट दिखाई दी। सिंचाई, खाद-बीज की उपलब्धता, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनकर उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित स्तर पर आवश्यक पहल का संकल्प लिया गया। उन्होंने कहा कि हमारा विश्वास है कि जनप्रतिनिधित्व का वास्तविक अर्थ जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करना है। चाहे बुजुर्गों की पेंशन का विषय हो, पात्र परिवारों तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना हो या क्षेत्र के समग्र विकास को गति देना–हर मुद्दे पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य लिए हम तैयार है। श्री पासवान ने कहा कि पूरनपुर की जनता का स्नेह, विश्वास और आत्मीय स्वागत उनके लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत है। सभी का यह प्रेम उन्हें जनसेवा के पथ पर और अधिक समर्पण एवं दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की शक्ति देता है।

गुरु पूर्णिमा पर काशी प्रांत के सभी जिलों में गुरुओं का होगा सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी ,प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ, काशी प्रांत के प्रांत सह-संयोजक रजनीकांत श्रीवास्तव ने कहा कि नेतृत्व के दिशा-निर्देशानुसार 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर काशी प्रांत के सभी जनपदों में श्रद्धा, सम्मान एवं सेवा भाव के साथ 'गुरु सम्मान अभियान' संचालित किया जाएगा।

अभियान के अंतर्गत विभिन्न मठ, मंदिर, गुरुद्वारा, आश्रम एवं अन्य पूजनीय स्थलों पर जाकर संत-महात्माओं, महंतों, पुजारियों एवं गुरुओं का माला, अंगवस्त्र, श्रीफल एवं फल भेंट कर सम्मान किया जाएगा।उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति सम्मान और समाज में सेवा, संस्कार एवं आध्यात्मिक चेतना को सशक्त बनाने का एक व्यापक जनअभियान है। काशी प्रांत के सभी जिला संयोजकों, जिला सह-संयोजकों, एनजीओ प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवक कार्यकर्ताओं को इस अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। रजनीकांत श्रीवास्तव ने बताया कि प्रत्येक जिले में स्थानीय एनजीओ, रामलीला समितियों, भंडारा समितियों, जागरण एवं जगराता समितियों, गौसेवा संस्थाओं, मंदिर समितियों, आश्रमों, मठों तथा अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों का सहयोग लेकर अभियान को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा, जिससे समाज के सेवा कार्यों से जुड़े संगठनों के साथ सशक्त समन्वय स्थापित हो सके।

प्रतिबंधित कटरूआ की बिक्री पर वन विभाग का छापा, चार गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। वन एवं वन्यजीव प्रभाग की पीलीभीत रेंज टीम ने मंगलवार को रेलवे स्टेशन चौराहे के पास प्रतिबंधित वन उपज कटरूआ की अवैध बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। क्षेत्रीय वन अधिकारी के निर्देशन में मुखबिर की सूचना पर सुबह करीब 11 बजे छापा मारकर चार लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से लगभग आठ किलोग्राम प्रतिबंधित कटरूआ तथा आठ तराजू-बाट बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आदित्य सक्सेना, बब्लू मौर्या, जितेंद्र और सतीश कुमार के रूप में हुई है। सभी के खिलाफ पीलीभीत रेंज में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रभागीय निदेशक वन एवं वन्यजीव प्रभाग भरत कुमार डी.के. ने बताया कि प्रतिबंधित वन उपज की अवैध खरीद-फरोख्त पर विभाग की निगरानी लगातार जारी है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की बैठक में कार्यकर्ताओं को मिली अहम जिम्मेदारियां

पूरनपुर (पीलीभीत)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला बैठक नगर के एक होटल में आयोजित हुई। बैठक में कार्यकर्ताओं को प्रांत महामंत्री प्रेमपाल सोलंकी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन के आगामी कार्यक्रमों और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में संगठन विस्तार को लेकर कई पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। डॉ0 दयाल विश्वास, पंडित राहुल अवस्थी, हरमीत सिंह लाली, सचिन गुप्ता, सचिन मिश्रा, विनोद सैनी और राहुल बाजपेयी को नगर व जिला स्तर के दायित्व दिए गए।

महाविद्यालय में दहेज विरोधी जन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, के स्मार्ट रूम संख्या 15 में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के तत्वावधान में 'दहेज विरोधी जन जागरूकता कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश ने की। जागरूकता अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्र्) के प्रथम इकाई प्रभारी डॉ. आनन्द कुमार ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। उन्होंने उपस्थित सभी प्राध्यापकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं भारी संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं को दहेज जैसी गंभीर सामाजिक समस्या व अभिशाप को समाज से दूर करने के लिए विशेष शपथ पत्र पढ़कर सामूहिक शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश ने दहेज प्रथा की कुप्रथा और समाज पर पड़ रहे इसके घातक दुष्परिणामों पर गहनता से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को इस सामाजिक बुराई के खिलाफ मुखर होने के लिए प्रेरित किया और जागरूक नागरिक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई की प्रभारी डॉ. सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने मुख्य अतिथि, प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सपा नेता राजकुमार राजू ने जौहर यूनिवर्सिटी के समर्थन में चल रहे धरने में पहुंचकर बढ़ाया छात्रों का हौसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं 129 विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर के वरिष्ठ समाजवादी नेता राजकुमार 'राजू' रामपुर में मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के समर्थन में चल रहे छात्र आंदोलन में शामिल हुए। उन्होंने धरना स्थल पर पहुंचकर छात्रों से मुलाकात की और उनकी मांगों का समर्थन किया। बताया जा रहा है कि रामपुर जिलाधिकारी द्वारा जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को अवैध बताते हुए उन्हें ध्वस्त करने के आदेश के बाद छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इसी क्रम में विभिन्न समाजवादी नेताओं का धरने को समर्थन मिल रहा है। राजकुमार 'राजू' ने कहा कि शिक्षा संस्थानों से जुड़े मामलों का समाधान संवाद और कानून के दायरे में होना चाहिए। उन्होंने छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने की अपील की तथा कहा कि समाजवादी विचारधारा हमेशा शिक्षा और छात्रों के हितों के साथ खड़ी रही है। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में छात्र और समर्थक मौजूद रहे।

फर्जी निस्तारण बना युवती को सामूहिक विवाह योजना से वंचित करने का कारण सुविधा शुल्क न देने पर लगाया शादीशुदा दिखाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में आवेदन करने वाली एक युवती ने जिला प्रशासन पर शिकायत के बावजूद फर्जी निस्तारण करने और उसे गलत तरीके से शादीशुदा दर्शाने का आरोप लगाया है। ग्राम दौलतपुर निवासी नैन्सी पुत्री रामविलास ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसने 19 मार्च 2026 को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आवेदन किया था। आरोप है कि ग्राम सचिव और पंचायत स्तर से बिना सही जांच के प्रतिकूल रिपोर्ट लगा दी गई, जिससे उसका आवेदन निरस्त हो गया। युवती का कहना है कि उससे सुविधा शुल्क की मांग भी की गई थी, जिसे न देने पर उसे अपात्र घोषित कर दिया गया। इससे वह 1 जुलाई 2026 को आयोजित सामूहिक विवाह में शामिल नहीं हो सकी। नैन्सी ने बताया कि उसके पिता भूमिहीन मजदूर हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है। उसने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में की गई शिकायत का भी फर्जी निस्तारण कर दिया गया तथा उसे कुंवारी होने के बावजूद सरकारी अभिलेखों में शादीशुदा दिखा दिया गया। पीड़िता ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर अगली सामूहिक विवाह तिथि के लिए दोबारा पंजीकरण कराने और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम दौलतपुर निवासी नैन्सी पुत्री रामविलास ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसने 19 मार्च 2026 को मुयमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आवेदन किया था। आरोप है कि ग्राम सचिव और पंचायत स्तर से बिना सही जांच के प्रतिकूल रिपोर्ट लगा दी गई, जिससे उसका आवेदन निरस्त हो गया। युवती का कहना है कि उससे सुविधा शुल्क की मांग भी की गई थी, जिसे न देने पर उसे अपात्र घोषित कर दिया गया।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी मामलें में दो आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। विदेश में नौकरी दिलाने का ख्वाब दिखाकर आरोपियों ने युवक से लाखों रुपए की ठगी कर ली। युवक ने जब दी गई रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की। जिसके बाद पुलिस ने एसपी से प्राप्त आदेशों के क्रम में दो आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना गजरौला कलां क्षेत्र के निवासी नाजिम अली ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित के अनुसार, बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पृथ्वीपुर निवासी सरताज पुत्र समीर बख्श और अरशद पुत्र जमील बख्श ने उसे कतर में अच्छी नौकरी, एसी आवास और भोजन सहित बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। आरोप है कि इस दौरान दोनों ने उससे ऑनलाइन 87,500 रुपये तथा नकद 27,500 रुपये वसूल लिए। कतर पहुंचने पर वहां बताई गई कंपनी और सुविधाएं नहीं मिलीं, जिससे वह 18 दिन तक परेशान रहा और अंततः अपने खर्च पर भारत लौटना पड़ा। पीड़ित का कहना है कि वापसी के टिकट पर 26,200 रुपये तथा मेडिकल और दिल्ली आने-जाने में 8,800 रुपये अतिरिक्त खर्च हुए। वापस आने पर जब उसने अपने पैसे मांगे और विरोध जताया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से किए जाने पर उन्होंने गजरौला कलां थाना प्रभारी को कार्रवाई के निर्देश दिए। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी सरताज और अरशद के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मोहन सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में नई प्रबंध समिति का हुआ गठन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। मोहन सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में नई प्रबंध समिति के गठन के अवसर पर एक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज दीक्षित ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का पटका पहनाकर स्वागत एवं सम्मान कर किया। नई प्रबंध समिति में सत्य प्रकाश पाण्डेय को अध्यक्ष, आलोक कुमार गुप्त को व्यवस्थापक, संजीव गुप्ता को सह-व्यवस्थापक, संगीता सिंघल को कोषाध्यक्ष तथा मधु खंडेलवाल एवं नितीश गुप्ता को सदस्य के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में विद्यालय के सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में वृद्धि तथा विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने विद्यालय की प्रगति के लिए सुझाव आमंत्रित किए और भविष्य की विकास योजनाओं पर विचार-विमर्श करते हुए विभिन्न प्रस्ताव तैयार किए। इस अवसर पर आयोजित वंदना सत्र में प्रांतीय घोष प्रमुख ललित विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बोध कथा के माध्यम से छात्र-छात्राओं को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का संदेश देते हुए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय की उन्नति और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ मौजूद रहा।

आराधना के फूल पुस्तक का विमोचन बुधवार को

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। वरिष्ठ कवि व साहित्यकार पंडित राम अवतार शर्मा की दूसरी पुस्तक आराधना के फूल का विमोचन 29 जुलाई बुधवार को दोपहर बाद 2 बजे से श्री जी पैलेस में आयोजित समारोह में किया जायेगा। श्री शर्मा ने बताया कि इस पुस्तक का विमोचन जिले के बिलसंडा निवासी वरिष्ठ साहित्यकार कृष्ण कुमार मिश्रा चंचल के कर कमलों से होगा। पूरनपुर के विधायक बाबूराम पासवान, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि गुरुभाग सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह और नगर पालिका परिषद पूरनपुर के अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता की मौजूदगी में होने वाले पुस्तक विमोचन में कवि, साहित्यकार व पत्रकारों की भी उपस्थिति रहेगी। श्री शर्मा की पहली पुस्तक भावनाओं के फूल थी और अब उनकी कविताओं की यह दूसरी पुस्तक प्रकाशित हुई है। संपादक के रूप में वे ज्योतिष की वार्षिक पत्रिका व्रतोत्सव पर्व दीपिका के 20 अंक प्रकाशित करवा चुके हैं। कई संकलनों में भी उनकी रचनाएं प्रकाशित हुई हैं।

अधिकारों और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हों महिलाएं : प्रो. गीता यादवेंदु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से बुन्देलखण्ड महिला विकास सेवा समिति के तत्वाधान में महिला सशक्तिकरण और जागरूकता समारोह का आयोजन स्टेशन रोड स्थित होटल ललित पैलेस में किया गया, जिसमें महिलाओं एवं युवतियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें सरकारी योजनाओं एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही जागरूक करने का रहा। मुख्य अतिथि के रूप में शिकोहाबाद के बीडीएम म्युनिसिपल गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचार्य प्रो.गीता यादवेन्दु रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष गुलाबबाई सेन ने की, जबकि सफल संचालन सचिव गीता सेन ने किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो.गीता यादवेंदु ने कहा कि महिलाओं का सशक्त होना परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक आत्मनिर्भरता तथा कानूनी अधिकारों की जानकारी से महिलाएं अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनती हैं। उन्होंने महिलाओं को घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, महिला हेल्पलाइन, बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, स्वच्छता और स्वरोजगार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। विशेषज्ञों ने कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न व अपराध की स्थिति में महिलाएं बिना भय के पुलिस एवं संबंधित विभागों से संपर्क करें तथा शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन एवं योजनाओं का लाभ उठाएं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेविका चन्द्रप्रभा बौद्ध जालौन, इंजी.नेहा कौशल जे.ई. झांसी, इंजी.निधि पाण्डेय जे.ई. झांसी, इंजी.दीक्षा दुबे जे.ई.झांसी, समाज सेविका उपासना पाठक टीकमगढ़, समाजसेविका लता सिंह ललितपुर, समाजसेविका कंचनमाला आगरा, राधा सेन सहित देश-प्रदेश की अनेक प्रख्यात समाजसेविकाएं एवं विशेषज्ञ शामिल रहीं। विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा विभिन्न सामाजिक एवं पारिवारिक विषयों पर खुलकर चर्चा की। प्रतिभागियों को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, स्वास्थ्य जांच, पोषण एवं स्वावलंबन से जुड़े सुझाव दिए गए। समिति अध्यक्ष गुलाबबाई सेन ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को महिलाओं के सम्मान, समान अवसर और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। संचालन कर रहीं समिति सचिव गीता सेन ने सभी महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की भागीदार बनने का आह्वान किया गया। इस दौरान उर्मिला वर्मा, अंजू विश्वकर्मा, रामप्यारी विश्वकर्मा, लतारानी, क्रान्ति, हर्षिता, कोमल, किरन, काजल, राजकुमारी, भावना, उपासना, राजकुमारी, कल्पना, सूरज, ममता, मोहिनी, लीला, रामदेवी, प्रीति जैन, मीरा नामदेव, नवल कुशवाहा, तारा अहिरवार, मिथिलेश राजपूत, सरोज साहू, कुसुम रजक, विनीता निरंकारी, रमा जीवास, शीला कुशवाहा, जीजादेवी परिहार, नर्बदा पाल, रश्मी रैकवार, आरती तिवारी, कल्पना कुशवाहा, विनीता अहिरवार, मोहिनी प्रजापति, सरोज सैन, गुडडी नापित, नीतू कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में समिति की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

नगराम थाने पर 2.80 लाख से अधिक बिजली बिल बकाया

स्वीकृत भार से 10.66 किलोवाट अधिक बिजली उपयोग का मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

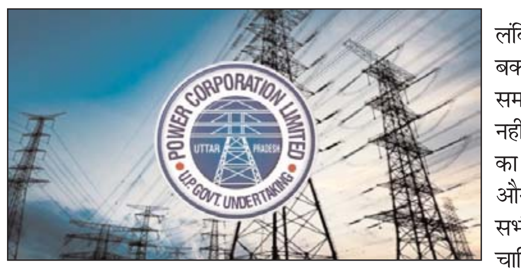

लखनऊ। बिजली विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। एक ओर मामूली बकाया होने पर आम उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन तत्काल काटे जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों पर लाखों रुपये का बकाया होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई न होने से क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। बिजली विभाग के अभिलेखों के अनुसार नगराम थाने के नाम 18 किलोवाट विद्युत भार स्वीकृत है, जबकि वर्तमान में वहां लगभग 28.66 किलोवाट बिजली का उपयोग किया जा रहा है। यानी स्वीकृत क्षमता से करीब 10.66 किलोवाट अधिक लोड पर विद्युत उपभोग हो रहा है। इसके साथ ही नगराम थाने पर 2.80 लाख से अधिक का बिजली बिल लंबे समय से बकाया बताया जा रहा है। इतना ही नहीं, हरदोईया पुलिस चौकी पर भी 33 हजार से अधिक का बिजली बिल जमा नहीं हुआ है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक इन बकायों की वसूली के लिए कई बार बिजली कनेक्शन विच्छेदन की तिथि निर्धारित की गई, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से कार्रवाई टाल दी गई। दूसरी ओर, हाल ही में बिजली विभाग के चेकिंग अभियान के दौरान एक संविदाकर्मी के नाम दर्ज कनेक्शन पर बकाया मिलने के बाद दिन में बिजली आपूर्ति काट दी गई थी। हालांकि, रात की शिफ्ट में कर्मचारियों द्वारा दोबारा कनेक्शन जोड़ दिए जाने की चर्चा भी रही। इस घटना के बाद विभाग की कार्यशैली को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि आम उपभोक्ताओं के मामूली बकाया पर बिना किसी राहत के कनेक्शन काटे जा सकते हैं, तो सरकारी विभागों पर वर्षों से लंबित लाखों रुपये के बकाए की वसूली के लिए समान नियम क्यों लागू नहीं किए जा रहे हैं। लोगों का मानना है कि कानून और विभागीय नियम सभी के लिए समान होने चाहिए। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकारी विभागों से बकाया वसूली की प्रक्रिया अलग होती है और उच्च स्तर पर पत्राचार के माध्यम से भुगतान कराने का प्रयास किया जाता है। हालांकि, लगातार बढ़ते बकाए और निर्धारित तिथियों के बाद भी कार्रवाई न होने से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बिजली विभाग नगराम थाने और हरदोईया पुलिस चौकी पर लंबित बकाया की वसूली तथा स्वीकृत भार से अधिक विद्युत उपयोग के मामले में क्या कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी केवल फाइलों तक सीमित रह जाएगा।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

......कनकहा कट के पास हुआ हादसा, सीएचसी में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित; सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस।

कनकहा कट के पास तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 26 वर्षीय रंगम पुत्र सरजू प्रसाद, निवासी माधवखेड़ा, थाना मोहनलालगंज के रूप में हुई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार दोपहर रायबरेली हाईवे पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। कनकहा कट के पास तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 26 वर्षीय रंगम पुत्र सरजू प्रसाद, निवासी माधवखेड़ा, थाना मोहनलालगंज के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक अपनी बाइक से जा रहा था, तभी कनकहा गांव के पास हाईवे के कट पर तेज रफ्तार अज्ञात कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से घायल को सीएचसी भेजा, लेकिन चिकित्सकों ने उसे बचाया नहीं जा सका। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दुर्घटना को अंजाम देने वाली अज्ञात कार की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

हजारों कोटेदारों का विशाल प्रदर्शन, विधानसभा घेराव रोक पुलिस ने भीड़ को इको गार्डन भेजा

अगर सरकार इन मांगों पर ध्यान नहीं देती तो पूरे उार प्रदेश में राशन वितरण बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखेगा : गिरीश तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भर से आए हजारों कोटेदारों (राशन डीलरों) ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में बड़ा प्रदर्शन किया। चारबाग रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही भारी भीड़ जुट गई। प्रदर्शनकारियों का मकसद विधानसभा का घेराव करना था, लेकिन पुलिस ने कड़े इंतजाम कर भीड़ को विधानसभा की ओर बढ़ने से रोक दिया और उन्हें इको गार्डन की तरफ मोड़ दिया। प्रदर्शन ऑल इंडिया फेयर प्राइस फेडरेशन के बैनर तले हुआ। कोटेदार नारे लगा रहे थे–'एकता जिंदाबाद' और 'जो हमसे टकराएगा, वह मिट जाएगा'। चारबाग स्टेशन का इलाका अस्थायी छावनी जैसा नजर आ रहा था। पूरे शहर में हाई अलर्ट घोषित था और पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कड़ी निगरानी रखी। मांगें क्या हैं? ऑल इंडिया फेयर प्राइस फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने अपनी पांच प्रमुख मांगें रखीं: अन्य राज्यों की तरह प्रति क्विंटल ?200 कमीशन दिया जाए। गुजरात की तरह न्यूनतम ?2000 की गारंटी दी जाए। डोर-स्टेप डिलीवरी में बाहरी हस्तक्षेप को रोका जाए। विभाग द्वारा कोटेदारों का शोषण बंद किया जाए। राज्य में चल रही स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की दुकानों को सिंगल अकाउंट में बदला जाए। गिरीश तिवारी ने चेतावनी दी कि अगर सरकार इन मांगों पर ध्यान नहीं देती तो पूरे उत्तर प्रदेश में राशन वितरण बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखेगा। प्रदर्शन से पहले भी कई जिलों में कोटेदारों ने बैठकें कर 28 जुलाई को लखनऊ आने का ऐलान किया था। उनकी मांगों में कमीशन बढ़ाने के साथ-साथ बकाया लाभांश का भुगतान और 500 यूनिट से कम कार्डों के विलय से हुए नुकसान की भरपाई भी शामिल है। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। चारबाग से लेकर विधानसभा क्षेत्र तक सड़कों पर बैरिकेड लगाए गए।

प्रदर्शन ऑल इंडिया फेयर प्राइस फेडरेशन के बैनर तले हुआ। कोटेदार नारे लगा रहे थे–'एकता जिंदाबाद' और 'जो हमसे टकराएगा, वह मिट जाएगा'। चारबाग स्टेशन का इलाका अस्थायी छावनी जैसा नजर आ रहा था। पूरे शहर में हाई अलर्ट घोषित था और पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कड़ी निगरानी रखी।

फिलहाल प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कोटेदारों का कहना है कि मांगें नहीं मानी गई तो अगस्त में खाद्यान्न उठान और वितरण प्रभावित हो सकता है।

गैस एजेंसी संचालक पर कालाबाजारी का आरोप

पूरनपुर (पीलीभीत)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने मंगलवार को क्षेत्र के एक गैस एजेंसी संचालक पर ग्रामीण उपभोक्ताओं को परेशान करने, गैस की कथित कालाबाजारी करने और उपभोक्ताओं से बदसलूकी करने का आरोप लगाया। संगठन के पदाधिकारियों ने एसडीएम पूरनपुर मयंक गोस्वामी को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और गैस वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग की। उपजिलाधिकारी पूरनपुर को सौंपे गये ज्ञापन में कहा गया कि ग्रामीण उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उनका समय और धन दोनों व्यर्थ हो रहे हैं। संगठन का आरोप है कि एजेंसी पर उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है।

आबादी के बीच शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। आबादी के बीचो-बीच शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पहुंची पुलिस का घेराव कर महिलाओं ने आबादी में शराब की दुकान खुलने से परिवार पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का हवाला देते हुए शराब की दुकान का स्थानांतरण करने की मांग की। तहसील कलीनगर क्षेत्र के ग्राम नवदिया सुखदासपुर में आबादी के बीच संचालित देशी शराब एवं बीयर की दुकान को हटाने की मांग को लेकर सोमवार को ग्रामीण महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाओं ने शराब की दुकान का घेराव कर जमकर नारेबाजी की और दुकान को तत्काल आबादी से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ समय तक शराब की बिक्री भी पूरी तरह प्रभावित रही। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना था कि रिहायशी इलाके में शराब की दुकान होने से गांव का माहौल लगातार खराब हो रहा है। शराब पीने वालों की आवाजाही से महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। उनका आरोप था कि नशे की वजह से गांव में आए दिन झगड़े, मारपीट और घरेलू कलह जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे परिवारों का जीवन प्रभावित हो रहा है।सूचना मिलने पर माधोटांडा पुलिस मौके पर पहुंची और महिलाओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन महिलाएं अपनी मांग पर अड़ी रहीं। बाद में आबकारी विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की।जिला आबकारी अधिकारी विजय पाल सिंह ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि 15 दिनों के भीतर स्थल का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट तैयार की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। अधिकारियों के आश्वासन के बाद महिलाओं ने फिलहाल अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि तय समय में शराब की दुकान नहीं हटाई गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सरकारी नल से पानी भरने को लेकर विवाद, लाठी-डंडों से हमला, एक गंभीर घायल

.......शिकायत पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी गांव के मजरा केसरी खेड़ा में सरकारी नल से पानी भरने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि तीन लोगों ने एक व्यक्ति पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, केसरी खेड़ा निवासी रामलखन पुत्र स्वर्गीय चिरंजीव सरकारी नल से पानी भर रहे थे। इसी दौरान बराती लोधी, अवधेश लोधी पुत्र सुंदर लोधी तथा अंकित लोधी पुत्र गोकुल लोधी निवासी चकौली, थाना सरोजनीनगर वहां पहुंचे। पीड़ित का आरोप है कि तीनों ने पहले गाली-गलौज की और विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में रामलखन के सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की सूचना पर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लेखपाल ने कबीरगंज के सचिवालय में की जनसुनवाई

ग्रामीणों की शिकायतों का किया त्वरित निस्तारण

शिविर में बड़ी संया में पहुंचे ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा नियमानुसार कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण किया गया। इस दौरान आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, खसरा-नशा अवलोकन, प्रधानमंत्री किसान समान निधि योजना तथा वरासत (नामांतरण) से संबंधित प्रार्थना पत्रों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेश एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में मंगलवार को ग्राम पंचायत कबीरगंज के सचिवालय में पूर्व निर्धारित रोस्टर के अनुसार लेखपाल आशीष निषाद द्वारा जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा नियमानुसार कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण किया गया। इस दौरान आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, खसरा-नक्शा अवलोकन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना तथा वरासत (नामांतरण) से संबंधित प्रार्थना पत्रों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई। लेखपाल ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं एवं राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी और भरोसा दिलाया कि पात्र लोगों के कार्य नियमानुसार समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे।

बोन एण्ड जॉइंट वीक ललितपुर ऑर्थोपेडिक क्लब ने विद्यार्थियों और बुजुर्गों को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। बोन एंड जॉइंट वीक (हड्डी एवं जोड़ सप्ताह) के अंतर्गत ललितपुर ऑर्थोपेडिक क्लब द्वारा मंगलवार को दो स्थानों पर जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक ओर एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल, सिटी ब्रांच में विद्यार्थियों के लिए बोन एंड जॉइंट अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया, वहीं दूसरी ओर पं.दीनदयाल उपाध्याय वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निशुल्क हड्डी एवं जोड़ स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर लगाया गया। दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति समाज के विभिन्न वर्गों को जागरूक करना रहा। ललितपुर ऑर्थोपेडिक क्लब सचिव एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डा.आकाश आर. खैरा के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम ने दोनों स्थानों पर स्वास्थ्य परीक्षण किया। क्लब उपाध्यक्ष डा.एम.सी. गुप्ता, फिजियोथेरेपिस्ट डा.तेजस्व श्रीवास्तव, डा.पंकज जैन एवं डा.प्रतिभा प्रकाश सहित टीम के सदस्य अनिमेष तिवारी, आलिया, ऋचा, आकाश सेन एवं ओमकारन सिंह गौर कार्यक्रमों में मौजूद रहे। एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित शिविर के दौरान विद्यार्थियों का हड्डियों एवं जोड़ों से संबंधित विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिन विद्यार्थियों में किसी प्रकार की समस्या पाई गई, उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। साथ ही सही शारीरिक मुद्रा (पोश्चर), नियमित व्यायाम, संतुलित जीवनशैली एवं दैनिक देखभाल के संबंध में जानकारी दी गई। अभिभावकों को भी बच्चों के हडडी एवं जोड़ स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय चेयरमैन प्रदीप चौधरी, डायरेक्टर प्रवीण चौधरी एवं वाइस प्रिंसिपल अंकिता चतुर्वेदी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं स्टाफ ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य परीक्षण शिविर विद्यार्थियों के शारीरिक विकास तथा समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं पं.दीनदयाल उपाध्याय वृद्धाश्रम में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें हड्डियों एवं जोड़ों को स्वस्थ रखने के उपाय बताए गए। बुजुर्गों को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, सही दिनचर्या तथा समय-समय पर चिकित्सकीय जांच कराने की सलाह दी गई। इस अवसर पर डा.आकाश आर. खैरा ने कहा कि हमारे बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज का अनुभव हैं। उनका स्वास्थ्य सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। बोन एंड जॉइंट वीक के माध्यम से हमारा उद्देश्य लोगों को हडिडयों एवं जोड़ों की बीमारियों के प्रति जागरूक करना तथा समय पर उपचार के लिए प्रेरित करना है।

30 जुलाई से नि:शुल्क रुद्राभिषेक एवं विश्व कल्याण धर्मार्थ अनुष्ठान का शुभारंभ।

नैनी, प्रयागराज। सावन मास के पावन अवसर पर विश्व कल्याण एवं जनहित की भावना से 30 जुलाई 2026 से नि:शुल्क रुद्राभिषेक एवं विश्व कल्याण धर्मार्थ अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सेल्फी प्वाइंट, अरैल, नैनी, प्रयागराज में आयोजित होगा। विश्व कल्याण एवं धर्मार्थ समिति के सचिव अभिनव तिवारी तथा कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विश्व शांति, मानव कल्याण एवं लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करना है। सावन माह में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है, इसलिए सभी श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क रुद्राभिषेक की व्यवस्था की गई है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की।